जबलपुर
रविवार, 26 अक्टूबर 2025
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष–5
वर्ष : 20, अंक : 177
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 29
न्यून. 23

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

13 सिडनी में गरजा 'रो-को' का बल्ला,....
मैट्रो
14 सोने में निवेश सबसे सुरक्षित....

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मंदसौर: एंबुलेंस पुलिया से गिरी, 2 की मौत

मंदसौर। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सेदरा माता के पास देर रात मरीजों को ले जा रही एंबुलेंस पुलिया से नीचे जा गिरी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर है। सुबह खेत गए ग्रामीणों ने शव व एंबुलेंस देख पुलिस को सूचना दी।

यूनिफॉर्म में शराब खरीदने गई छात्राएं, विक्रेता पर सख्ती

मंडला। नैनपुर की कंपोजिट शराब दुकान से स्कूली यूनिफॉर्म में छात्राओं को शराब बेचे जाने का वीडियो वायरल होने पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। अधिकारियों ने दुकान पहुंचकर सीसीटीवीफुटेज जांचे। छात्राओं को शराब बेचना स्पष्ट दिखा, जो प्रतिबंधित है।

गडकरी के सामने भिड़ीं दो महिला अफसर

नागपुर। रोजगार मेले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में पोस्टमास्टर जनरल शोभा मधले व सुचिता जोशी मंच पर सोफे को लेकर भिड़ गईं। मधले और सुचिता जोशी एक ही सोफे पर बैठी थीं। अचानक दोनों के बीच विवाद बढ़ा और धक्का मुक्की हो गई। कोहनी से धक्का दिया, उनका हाथ झटका और यहां तक कि चिकोटी भी काट दी। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

लोडिंग की टक्कर से पिता की मौत, बेटा घायल

ग्वालियर। तिघरा रोड पर बीती रात ओडपुरा से लौट रहे मुन्नालाल पाल व बेटे सौरभ पाल की स्कूटर को तेज रफ्तार लोडिंग (एमपी07 जीए-8468) ने टक्कर मार दी। दोनों उछलकर गिरे। मुन्नालाल की मौत हो गई। जबकि सौरभ का उपचार जारी है। अस्पताल में चल रहा है। पुरानी छावनी पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा।

ओंकारेश्वर में करीब 10 किमी लंबा जाम, घंटों फंसे रहे लोग

जाम से बेहाल हुए श्रद्धालु

शनिवार को 10 हजार से ज्यादा निजी वाहनों से श्रद्धालु पहुंचे

सोमनाथ से दर्शन करने को आए युवा श्रद्धालु की हार्ट अटैक से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खंडवा

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने आ रहे श्रद्धालु जाम में फंस रहे हैं। टू-लेन सड़क का निर्माणाधीन होने और अन्य कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं होने के कारण करीब 10 किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। इस बीच हजारों वाहन घंटों तक जाम में फंसे रहे। इधर मंदिर में भी दर्शन के दौरान भीड़-भाड़ की स्थिति बनी रही। घबराहट के चलते एक युवा श्रद्धालु की मौत हो गई। शनिवार को ही गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के जूनागढ़ सोमनाथ से आए एक युवा श्रद्धालु की मौत हो गई। युवक केतन चौहान (35) की मौत की वजह हार्ट अटैक बताई है। दोपहर को वह ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन कर ममलेश्वर दर्शन करने के लिए परिवार सहित पहुंचा था। शनिवार को 10 हजार से ज्यादा निजी वाहनों से श्रद्धालु पहुंचे, लोगों की कुल तादाद एक लाख से अधिक रही। तीर्थनगरी में बड़े पार्किंग स्थल तक नहीं हैं। जबकि यहां आने वाले प्रत्येक वाहन से नाकाबंदी करके प्रवेश द्वार पर ही पार्किंग शुल्क वसूला जाता हैं। जिसका हर साल ठेका करोड़ों रुपए में जाता हैं। सिंहस्थ को देखते हुए भी व्यवस्थाओं में सुधार नहीं दिख रहा हैं।

देश का सबसे स्वच्छतम शहर इंदौर... एक युवक की हरकत से शर्मसार

कैफे जा रही ऑस्ट्रेलिया की 2 खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़, आरोपी को दबोचा गया

रेडिसन होटल के आसपास पर्याप्त सुरक्षा नहीं लगाई गई थी

आरोपी ने बाइक से पीछा किया और गलत तरीके से छुआ

◆ खबर पुलिस तक पहुंची तो छह थानों को अलर्ट कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने आजाद नगर निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया

◀ इस मामले में इंदौर पुलिस की बड़ी इंटेलिजेंस चूक

◀ इस घटना की जानकारी क्रिकेट बोर्ड और प्रशासन को भी दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर के होलकर स्टेडियम में महिला विश्व कप के लिए क्रिकेट मैच हो रहे हैं। इसमें भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीम रेडिसन होटल में रुकी हुईं हैं। होटल से कैफे तक जाने के रास्ते पर ऑस्ट्रेलिया टीम की दो महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी करने और उन्हें गलत तरीके से छूने का मामला सामने आया है।

पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वह बाइक पर सवार था। दो महिला खिलाड़ी होटल से आधा किमी दूर स्थित कैफे तक पैदल जा रही थीं। इस बीच बाइक सवार ने दोनों खिलाड़ियों को छू लिया। सहमी महिला खिलाड़ी ने अधिकारी को सूचना दी। खबर पुलिस तक पहुंची तो छह थानों को अलर्ट कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने आजाद नगर निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी अकील

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा- हम अपराधी को पकड़ने के लिए त्वरित कार्रवाई पर मप्र पुलिस की सराहना करते हैं

मनचले की बाइक का नंबर नोट कर लिया था

छेड़छाड़ करने वाले युवक ने जब महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी की तो एक राहगीर ने बाइक सवार का नंबर नोट कर लिया। एक अन्य कार सवार ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद पुलिस अफसर सक्रिय हुए। इस मामले में इंटेलिजेंस चूक हुई है। होटल के आसपास पर्याप्त सुरक्षा नहीं लगाई गई थी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

इस घटना पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस तरह की घटना से बदनामी होती है। हम अपराधी को पकड़ने के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए राज्य पुलिस (मध्य प्रदेश) की सराहना करते हैं।

आरोपी की हुई पहचान, केस दर्ज

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि महिला ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सुरक्षा अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई कि टीम के दो सदस्यों को अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ा। एक प्राथमिकी दर्ज की गई, और एक गहन रणनीतिक ऑपरेशन के बाद आरोपी की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी अकील आजादनगर का निवासी है। उस पर बीएनएस की धारा 74 और 78 के तहत आरोप लगाए गए हैं। यह घटना 23 अक्टूबर को सुबह 11 बजे के आसपास हुई, जब महिला ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की सदस्य अपने होटल से एक कैफे की ओर जा रही थीं। हम जांच कर रहे हैं कि सुरक्षा प्रोटोकॉल में कोई कमी थी या नहीं।

जैसी जानकारी छेड़छाड़ के संबंध में मिली थी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच करते हुए आरोपी की तलाश की। उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है। आगे की कार्यवाही कोर्ट के आदेश पर की जाएगी।

संतोष सिंह
पुलिस कमिश्नर, इंदौर

यूएन महासभा के सत्र के लिए पीएमओ ने किया नामित

खजुराहो सांसद वीडी शर्मा करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खजुराहो से सांसद विष्णुदत्त शर्मा को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके नाम को इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए नामित किया है। वीडी शर्मा 27 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस सत्र के दौरान वैश्विक मंच पर भारत का पक्ष रखेंगे। उनका यह दौरा पांच दिन का होगा।

मोरारी बापू और शुक्ल ने दिखाई हरी झंडी

चित्रकूट से शुरू हुई 'राम यात्रा' श्रीलंका होते हुए अयोध्या पहुंचेगी

यह विशेष ट्रेन चित्रकूट से रामेश्वरम तक जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना

भगवान श्रीराम के वनगमन पथ पर आधारित ऐतिहासिक राम यात्रा का शुभारंभ शनिवार को सतना के चित्रकूट से हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध संत मोरारी बापू और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट धाम रेलवे ▶▶ शेष पेज 4 पर

नागपुर से दिल्ली जा रही फ्लाइट कैंसिल

एयर इंडिया की फ्लाइट से उड़ान भरते ही हुई थी पक्षी से टक्कर

एजेंसी ▶▶ नागपुर

■ प्लेन को वापस नागपुर एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया

पक्षी टकराने के कारण एयर इंडिया की फ्लाइट (ए आ ई 466) में खराबी आ गई थी। हालांकि, चालक दल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। यह फ्लाइट 24 अक्टूबर को नागपुर से दिल्ली जा रही थी। नागपुर से टेकऑफ के बाद एयर इंडिया के विमान से पक्षी की टक्कर हुई। इसके बाद चालक दल ने वापस लौटने का फैसला किया। थोड़ी देर बाद प्लेन को वापस नागपुर एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया और सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार जांच की गई। जांच में पाया गया की पक्षी के टकराने से विमान में खराबी आई है। इसके बाद फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। क्रू मेंबर की सतर्कता के चलते बड़ा खतरा टल गया। अगर नागपुर में तुरंत लैंडिंग नहीं कराई गई होती तो दिल्ली तक के सफर में प्लेन हादसे का शिकार हो सकता था। विमान में लगभग 150 यात्री सवार थे और उन्हें किराया वापस कर दिया गया है।

आज शाम से 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा

चार दिन का छठ महापर्व शुरू

नई दिल्ली। चार दिवसीय सूर्योपासना का महापर्व छठ का अनुष्ठान देश भर में शनिवार से नहाय-खाय के साथ आरंभ गया है। पहले दिन व्रतियों ने स्नान किए जाने के बाद नए वस्त्र धारण किए। इसके बाद मिट्टी के चूल्हे पर बने कद्दू और चना दाल की सब्जी एवं चावल का भोग लगाया और उसे स्वजनों के साथ प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। रविवार की शाम लोगों के घरों में खरना का प्रसाद बनेगा और इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। इसके अगले दिन सोमवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे और मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिए जाने के बाद चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न हो जाएगा।

दर्शन व आरती के समय में बदलाव

रामलला के दोपहर में 1 घंटे बंद रहेंगे कपाट

सर्दी और बढ़ने पर रामलला को रजाई ओढ़ाई जाएगी व ऊनी वस्त्र पहनाए जाएंगे

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

शरद ऋतु के आगमन के साथ ही अयोध्या में रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव कर दिया गया है। 23 अक्तूबर से श्रद्धालुओं को राम मंदिर में सुबह 7 बजे से रामलला के दर्शन हो रहे हैं। रात 9 बजे तक दर्शन का यह क्रम जारी रहता है। आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। दोपहर में आरती व भोग के लिए एक घंटे तक मंदिर का पट बंद रहता है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि शरद ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में रामलला के दर्शन अवधि में कुछ बदलाव किया गया है। रामलला की मंगला आरती जो अब तक सुबह 4 बजे होती थी, अब वह 4:30 बजे होती है। साथ ही रामलला की श्रृंगार आरती सुबह 6 बजे के बजाए 6:30 बजे हो रही है।

सिर्फ 3 दिन में मिलेगा अप्रूवल

अगले महीने से आसान हो जाएगा जीएसटी रजिस्ट्रेशन

96 प्रतिशत नए आवेदकों को सीधा फायदा पहुंचेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार 1 नवंबर, 2025 से जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) के लिए एक नई और आसान रजिस्ट्रेशन प्रणाली शुरू करने जा रही है। जिसके तहत नया आवेदन करने वालों को सिर्फ 3 वर्किंग दिनों के अंदर मंजूरी मिल जाएगी।

सरकार के द्वारा लाए गए जीएसटी रिफॉर्म के तहत जीएसटी परिषद ने इसकी मंजूरी दी है। इससे रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पहले से आसान बनेगा और इसमें मानव हस्तक्षेप कम होगा। नई व्यवस्था के तहत दो तरह के आवेदकों को स्वचालित रुप से रजिस्ट्रेशन मिल सकेगा। पहले वे लोग जिन्हें सिस्टम ने डेटा और जोखिम विश्लेषण के आधार पर चुना है, और दूसरे वे जिनका टैक्स देय (आउटपुट टैक्स) हर महीने 2.5 लाख रुपए से कम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार इस नई प्रक्रिया से करीब 96 प्रतिशत नए आवेदकों को सीधा फायदा पहुंचेगा।

शाह ने 1970 के दशक के अंत में फिल्मों में कदम रखा था, उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों में काम किया

शाह बीते कुछ समय से मीडिया से दूरी बनाए हुए थे

पहले शो में निभाए 56 किरदार, लाश के रोल से हुए मशहूर ...74 साल की उम्र में ली एक्टर सतीश शाह ने अंतिम सांस

स्कूल में सालाना फेस्टिवल के नाटक में एक्टर नहीं आया तो सतीश ने अभिनय किया, यहीं से शुरुआत

उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय कॉमेडी के अनमोल सितारे के रूप में याद रखेंगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड के अभिनेता सतीश शाह का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्हें फिल्म जाने भी दो यारों (1983), मैं हूं ना (2004), कल हो ना हो (2003) और फना (2006) जैसी फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभाने के लिए जाना जाता था। कई फिल्मों में काम करने के बाद सतीश शाह ने साल 1984 में धारावाहिक ये जो है जिंदगी से टेलीविजन में डेब्यू किया था। इस शो में उन्होंने 56 तरह के किरदार निभाए थे। अपने हर किरदार से उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। उनके यह किरदार आज भी याद किए जाते हैं। एक बार सतीश के स्कूल में सालाना फेस्टिवल में नाटक किया जाना था। इसमें एक्टर की कमी थी। ऐसे में सतीश के अध्यापक ने उनका नाम दे दिया। सतीश अपने अध्यापक को इसके लिए मना नहीं कर पाए। उन्होंने नाटक के लिए डायलॉग याद कर लिया लेकिन जब वह किसी के सामने इसे बोलते तो वह भूल जाते थे। इसके बाद अध्यापक ने उन्हें बताया कि किसी को देखो मत बस एक्टिंग करो।

उनकी किडनी फेल हो गई थी

शनिवार दोपहर को किडनी फेलियर के चलते उन्हें हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने दोपहर ढाई बजे आखिरी सांस ली। सतीश शाह बीते कुछ समय से मीडिया से दूरी बनाए हुए थे। वो काफी समय से ना तो किसी पब्लिक इवेंट में नजर आए थे और न ही किसी फिल्म में। साल 2014 में उनकी आखिरी फिल्म हमशक्ल रिलीज हुई थी। सतीश शाह का जन्म 25 जून 1951 को मुंबई में हुआ था। बचपन से ही अभिनय की ओर उनका रुझान था। उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिय, पुणे से अभिनय की शिक्षा ली। यहीं से उनके करियर की नींव पड़ी। सतीश शाह ने 1970 के दशक के अंत में फिल्मों में कदम रखा था। उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें कई सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। सतीश शाह अपने पीछे अपनी पत्नी डिजाइनर मधु शाह और अपार प्रशंसकों की यादें छोड़ गए। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय कॉमेडी के अनमोल सितारे के रूप में याद रखेंगी।

पढ़ाई, दवाई, सिंचाई और सप्लाई होगा एनडीए का एजेंडा, घोटालेबाजों को दूर करें

केंद्रीय गृहमंत्री ने खगड़िया के बाद मुंगेर में चुनावी रैली को संबोधित किया, इस दौरान लालू- राबड़ी समेत महागठबंधन को घेरा

शाह ने एनडीए का लक्ष्य सामने रखा

एजेंसी ▶▶ पटना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खगड़िया के बाद मुंगेर में चुनावी रैली को संबोधित किया। मुंगेर की जनसभा में उन्होंने स्कूलों में पढ़ाई, अस्पतालों में वक्त पर दवाई, खेतों की समय पर सिंचाई और हर घर में शुद्ध जल की सप्लाई को एनडीए का लक्ष्य करार दिया। शाह ने राहुल गांधी, लालू यादव और रबड़ी देवी पर बिहार को विकास की दौर में पीछे धकेलने का आरोप लगाया। कांग्रेस के समर्थन से चल रही लालू-रबड़ी की सरकार ने अनेक सालों तक बिहार में जंगलराज कायम रखा। यह चुनाव फिर से जंगलराज को रोकने के लिए है।2005 में जब बिहार की जनता ने उनके राज को समाप्त कर दिया तो नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा। अगर वे फिर वापस आए तो जंगलराज आने से कोई नहीं रोक सकता। इसलिए हर हाल में नीतीश और मोदी जी की सरकार बनाएं।

सोनिया और लालू बेटों को पीएम और सीएम बनाने में लगे

शाह ने मुख्यमंत्री नीतीश को सराहा राज्य का विकास किया

शाह ने कहा कि किसानों के लिए केंद्र सरकार ने काफी काम किया। इसका लाभ बिहार के किसानों को भी मिला। इससे फसलों के उत्पादन में बिहार का पूरे देश में स्थान बना। इसे कायम रखने एनडीए सरकार बनाएं। महागठबंधन में न नेता है और ना नीयत। शाह ने कहा कि लालू यादव अपने बेटे को सीएम बनाना चाहते हैं तो सोनिया, राहुल को पीएम बनाने में लगे हैं। दूसरी ओर मोदी जी बिहार के युवाओं का भविष्य संवारने में लगे हैं। 11 सालों में लगभग 19 लाख करोड़ देकर बिहार को आगे बढ़ाया।

लालू-राबड़ी की वापसी मतलब फिर से जंगलराज, एनडीए यानी विकास

शाह ने खगड़िया में जनसभा को छठ पर्व के अवसर पर संबोधित करते हुए बिहार के विकास और सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार कभी जंगलराज का शिकार नहीं होगा और बहू-बेटियां सुरक्षित रहेंगी। शाह ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव विधायक या मुख्यमंत्री चुनने का नहीं, बल्कि बिहार में विकास की दिशा तय करने वाला है। लालू-राबड़ी की सरकार आई तो जंगलराज वापस आएगा, वहीं एनडीए की सरकार आई तो विकसित बिहार पूरे भारत में अपना डंका बजाएगा।

घोटालों के रिकॉर्ड वाले

शाह ने महागठबंधन सरकार पर कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लालू यादव ने "लैंड फॉर जॉब" और "अलकतरा" जैसे बड़े घोटाले किए हैं। शाह ने आरोप लगाया कि बिहार और केंद्र में घोटालों के रिकॉर्ड वाले लोग महागठबंधन में हैं। शाह कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के समग्र विकास के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन लालू प्रसाद सिर्फ अपने परिवार का विकास चाहते हैं। शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

शाह ने गिनाए लालू के आधा दर्जन घोटाले

शाह ने भ्रष्टाचार को लेकर आरजेडी और कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं आरजेडी चीफ पर करप्शन का आरोप लगाते हुए आधा दर्जन घोटाले गिनाए। शाह ने कहा कि लालू ने चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब घोटाला, आईआरसीटी घोटाला, अलकतरा घोटाला, बाढ़ राहत घोटाला, बीपीएससी भर्ती घोटाला, एबी एक्सपोर्ट घोटाला, और आय से अधिक संपति का घोटाला किया है। बिहार में जब से आरजेडी की सरकार आई तो तो घोटाले ही घोटाले हुए। उन्होंने कांग्रेस को भी भ्रष्टाचार पर घेरा।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने नीतीश को बताया बूढ़ा

बिहार को नंबर एक बनाएंगे, भाजपा ने 'हमारे चाचा' को हाईजैक कर लिया

तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि बिहार को 'नंबर एक'बनाने के लिए राज्य में निवेश आकर्षित करने,

शिक्षा को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हमारे 'चाचा' अब बूढ़े हो गए हैं और बिहार का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं हैं। उन्हें मोदी जी और अमित शाह ने 'हाइजैक' कर लिया है।

तेजस्वी ने कहा कि वह केवल सरकार बनाने नहीं आए हैं बल्कि खगड़िया, परबत्ता और बिहार को बनाने आए हैं। एनडीए सरकार के पास कोई दृष्टि नहीं है और वह उनकी योजनाओं की नकल कर रही है। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन सरकार बनने के 20 दिनों के भीतर हर घर को सरकारी नौकरी देने का कानून लाया जाएगा और 20 महीनों के भीतर नौकरियां दे दी जाएंगी। संसाधन कहां से आएंगे पर तेजस्वी ने कहा कि कुछ दिन इंतजार कीजिए, मैं बताऊंगा कि पैसा कहां से लाऊंगा।

दहेज में महागठबंधन को वोट देकर सरकार बना दो: पांडेय

समाजवादी पार्टी ने महागठबंधन के समर्थन में प्रचार के लिए 20 स्टार प्रचारकों की लिस्ट तैयार की है। सपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में बलिया के सांसद सनातन पांडेय का नाम भी शामिल है। वहीं पांडेय ने बलिया में शनिवार को कहा कि बिहार जाकर मतदाताओं से गुजारिश करेंगे कि दहेज में वोट दे दो और महागठबंधन की सरकार बना दो।

कोई भी आए मैं खुद ब्रांड: तेजप्रताप

यहां प्रचार के साथ ही नेताओं की बयानबाजी भी तेज हो गई है, जिसमें जनशक्ति जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव पीछे नहीं है। उन्होंने प्रचार के लिए अखिलेश यादव के आने के सवाल पर कहा कि अखिलेश यादव आएं या कोई और आए, मैं अपनी जगह ब्रांड हूं।

आरजेडी की कद्दावर नेता प्रतिमा कुशवाह भाजपा में शामिल

चुनाव से ठीक पहले राजद को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्य महिला प्रकोष्ठ की पूर्व प्रमुख प्रतिमा कुशवाहा ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। प्रतिमा ने आरोप लगाया कि राजद में जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं मिलता और यह विपक्षी पार्टी 'गंभीर रूप से बंटी हुई' है।

6 सीटों पर महागठबंधन में ही लड़ाई

यहां प्रचार एक सवाल अब भी बना हुआ कि जिन सीटों पर राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं, वहां पर राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव किसके समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे? 4 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान हैं। वहीं 2 सीटों में से एक पर राजद- वीआईपी और दूसरे पर कांग्रेस-सीपीआई आमने सामने है।

राहुल जननायक का अपमान कर रहे: नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। नीतीश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हमलोग शुरू से कर्पूरी

ठाकुर जी को 'भारत रत्न' सम्मान देने की मांग कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस की केंद्र सरकारों ने उसे नहीं माना। एनडीए सरकार ने ही कर्पूरी ठाकुर जी को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया। आज कल कुछ लोग अब स्वयं को जननायक घोषित कर असली जननायक को अपमानित करने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को जननायक कहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता का तंज

बाप के लिए शहाबुद्दीन था, तो बेटे के लिए ओसामा

महागठबंधन की ओर से मुस्लिम उपमुख्यमंत्री के नाम को लेकर चल रही चर्चा के बीच भाजपा नेता अजय आलोक ने बड़ा तंज कसा है. अजय आलोक ने सोशल मीडिया पर लिखा-अब बिहार में 'लठबंधन' मुस्लिम उपमुख्यमंत्री के नाम पर 'ओसामा साहेब' पर एकमत है। बाप के लिए शहाबुद्दीन था, तो बेटे के लिए ओसामा! कोई गलत नहीं-जैसा चरित्र, वैसा एक्शन। भाजपा ने पहले भी महागठबंधन पर अपराधियों को बढ़ावा देने और परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

मांझी ने 11 नेताओं को पार्टी से किया निष्कासित

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) में बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। पार्टी सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने एक झटके में अपने 11 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस फैसले ने ये भी साफ कर दिया है कि मांझी अब पार्टी में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं।

खबर संक्षेप

पाग विवाद पर मंत्री प्रधान ने मांगी माफी

दरभंगा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अलीनगर के पाग विवाद को पार्टी की ओर से दरभंगा एवं

मिथिलांचल के समाज से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि उनकी नादानी और नासमझी के लिए माफी मांगता हूं। केतकी सिंह ने मिथिलांचल के गौरव के प्रतीक 'पाग' को फेंक कर कहा था, मिथिला का गौरव पाग नहीं, मैथिली ठाकुर है।

महिला नेता ने ब्लॉक प्रमुख को जड़े थप्पड़

चंडीगढ़। महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव ममता डोगरा और डड्डूमाजरा ब्लॉक प्रमुख हरजिंदर

सिंह प्रिंस के बीच व्हाट्सएप ग्रुप में फोटो को लेकर शुरू हुई बहस इतनी बढ़ी कि मामला थाने पहुंच गया। गुस्से में आई ममता डोगरा ने मलोया थाने में ही अपनी ही पार्टी के ब्लॉक प्रमुख को थप्पड़ जड़ दिया, जिसके बाद थाने में हंगामा मच गया।

प्रसाद खाने के बाद महिला की मौत, 12 लोग बीमार

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां मंदिर में प्रसाद खाने

से एक महिला की मौत हो गई है और 12 लोग बीमार हो गए हैं। इस घटना के सामन आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के माधुरी गांव का है। इससे यहां के लोग डरे- सहमे हैं।

राम मंदिर में चढ़ेगा 22 गुणा 11 फीट का ध्वज

लखनऊ। अयोध्या एक बार फिर सजने वाली है। प्रधानमंत्री अयोध्या से ध्वजारोहण कर राम मंदिर के

पूर्णता का संदेश पूरे विश्व को 25 नवंबर को देंगे। ध्वज केसरिया रंग का होगा, जिसकी लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट होगी। ध्वज पर रामायण कालीन कोबेदार वृक्ष होगा। इस पर ओमकार और सूर्य का चिन्ह भी होगा।

दिल्ली एम्स के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा

भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में नए आयाम छू रहा युवा डॉक्टर सहानुभूति के साथ सेवा करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

> अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एमस) में 50वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने छात्रों को सम्मानित किया और उनसे देश में ही स्वास्थ्य सेवा देने का आग्रह किया। नड्डा ने एम्स के योगदान की सराहना की और छात्रों को भारत में सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे देश की स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत हो सके। छात्रों ने देश सेवा का संकल्प लिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को दिल्ली एम्स के 50वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस दौरान, उन्होंने छात्रों को बधाई दी और भारत में चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा और रोगी देखभाल को आगे बढ़ाने में एम्स के अद्वितीय योगदान की सराहना की। नड्डा ने युवा डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे सहानुभूति के साथ सेवा करें, नैतिकता के उच्चतम मूल्यों को बनाए रखें और देश की उभरती स्वास्थ्य देखभाल जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार का उपयोग करें। दिल्ली एम्स के बारे में नड्डा ने कहाल कि चिकित्सा विज्ञान, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स ने न सिर्फ भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। भारत के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में पिछले दशक में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि पिछली सदी के अंत में देश में सिर्फ एक एम्स था, जबकि आज पूरे भारत में 23 एम्स कार्यरत हैं। यह सरकार की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सा प्रशिक्षण देश के हर क्षेत्र तक पहुंचें।

चिकित्सा विज्ञान, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स ने वैश्विक पहचान बनाई

11 वर्ष में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 819 पर पहुंची

उन्होंने बताया कि पिछले 11 सालों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई है। इसी प्रकार, अंडर ग्रेजुएट मेडिकल सीटें 51 हजार से बढ़कर 1.29 लाख और पोस्ट ग्रेजुएट सीटें 31 हजार से बढ़कर 78 हजार हो गई हैं। नड्डा ने यह भी बताया कि अगले 5 सालों में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर अतिरिक्त 75 हजार सीटें जोड़ी जाएंगी।

भारत ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रगति की, मातृ मृत्यु दर तेजी से घटी

नड्डा ने बताया कि भारत ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रगति की है, जहां एसआरएस के आंकड़ों के अनुसार, मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) 130 से घटकर 88 और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 39 से घटकर 27 हो गई है। 5 साल से कम आयु की मृत्यु दर (यू5एमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) में भी क्रमश: 42 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक औसत से अधिक है।

भारत में टीबी के मामले 17.7 % घटे

द लैंसेट रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि भारत में टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक दर 8.3 प्रतिशत से लगभग दोगुनी है। समारोह के दौरान 326 स्नातकों को उपाधियां दी गईं, जिनमें 50 पीएचडी स्कॉलर, 95 डीएम-एमसीएच विशेषज्ञ, 69 एमडी, 15 एमएस, 4 एमडीएस, 45 एमएससी, 30 एमएससी (नर्सिंग) और 18 एम.बायोटेक स्नातक शामिल थे। इसके अलावा, एम्स में उनके योगदान और समर्पित सेवा के लिए 7 डॉक्टरों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

7 विशिष्ट लोगों को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिए

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान में योगदान के लिए चिकित्सा जगत के 7 विशिष्ट लोगों को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया। वहीं स्नातक व स्नातकोत्तर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 11 छात्रों को मेडल व सात को पुस्तक पुरस्कार से नवाजा गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश के स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से वृद्धि हो रही है। अब हमारे डाक्टरों को विदेश जाने की जरूरत नहीं। उन्होंने उपाधि पाने वाले 326 मेडिकल छात्रों से देश में ही स्वास्थ्य सेवा, शोध और अकादमिक में योगदान की अपील की।

एम्स की प्रतिष्ठित विरासत और ब्रांड को बनाए रखें

स्वास्थ्य मंत्री ने स्नातक छात्रों से अनुरोध किया कि वे शिक्षा और अनुसंधान में सक्रिय रूप से योगदान दें तथा अपने पेशेवर और नैतिक आचरण में उत्कृष्टता के माध्यम से एम्स की प्रतिष्ठित विरासत और ब्रांड को बनाए रखें। उन्होंने छात्रों को आजीवन शिक्षार्थी और नवप्रवर्तक बने रहने, चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने और समाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

सतारा जिले में कथित दुष्कर्म मामला

रिश्तेदारों ने फांसी देने को कहा, सियासत गरमाई

एजेंसी ▶▶ सतारा

महाराष्ट्र के सतारा जिले में कथित तौर पर दुष्कर्म और उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर के रिश्तेदारों ने मांग की है कि सुसाइड नोट में जिन लोगों के नाम का जिक्र है, उन्हें फांसी की सजा दी जाए। सतारा के फलटण शहर में एक सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पताल में तैनात 28 साल की डॉक्टर ने गुरुवार को एक होटल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला डॉक्टर ने अपनी हथेली पर एक नोट छोड़ा, जिसमें उसने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर पर दुष्कर्म करने और एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर मानसिक रूप से उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने डॉक्टर की आत्महत्या मामले को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। दानवे ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'लाडकी बहिन' से ज्यादा महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है।

डॉक्टर पर रिपोर्ट बदलने का डाला जाता था दबाव

एक रिश्तेदार ने आरोप लगाया कि उसने उत्पीड़न के बारे में कई बार शिकायत की थी, लेकिन उसकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। एक अन्य रिश्तेदार ने कहा कि पुलिस ने हमें घटना (आत्महत्या) के बारे में बताया और हम अस्पताल गए (जहां शव लाया गया था)। एक डॉक्टर होने के नाते, मैंने उनसे कहा कि मैं पोस्टमार्टम के समय मौजूद रहूंगा। उस समय मैंने उसकी हथेली पर सुसाइड नोट देखा और यह बात पुलिस को बताई। मैंने सुझाव दिया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों को पोस्टमार्टम करना चाहिए। एक तीसरे रिश्तेदार ने दावा किया कि पीड़िता पर अस्पताल में मेडिकल रिपोर्ट बदलने का दबाव डाला जा रहा था जहां वह काम करती थी।

टीएमसी ने भाजपा की चुप्पी पर उठाए सवाल

महाराष्ट्र में महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले को लेकर टीएमसी ने भाजपा पर निशाना साधा है। टीएमसी ने सतारा की घटना पर भाजपा की चुप्पी पर सवाल उठाए। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को हैरानी जताई कि क्या भगवा पार्टी अब भावनात्मक रूप से कंगाल हो गई है? पश्चिम बंगाल की मंत्री और टीएमसी की राष्ट्रीय प्रवक्ता शशि पांजा ने कहा कि अगर ऐसी घटना पश्चिम बंगाल में हुई होती तो बहुत हंगामा होता।

कुरनूल में बस में आग की घटना

234 स्मार्टफोन्स के साथ 46 लाख के पार्सल से आग भड़की

एजेंसी ▶▶ कुरनूल

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस में आग लगने की घटना में एक हैरान करने

वाला खुलासा हुआ है। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि है जिस बस में आग लगी, उसमें 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल रखा था। जब बस में आग लगी तो इन स्मार्टफोन्स की बैटरियों में धमाका हुआ, जिससे आग और भीषण हो गई और लोगों को बचने का समय नहीं मिल पाया।

पार्सल बना जानलेवा

हैदराबाद के एक व्यापारी ने 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल बस में रखवाया था। यह पार्सल बंगलूरू में ई-कॉमर्स कंपनी के पास जाना था, जहां से ये स्मार्टफोन्स ग्राहकों को डिलीवर होने थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब बस में आग लगी तो उन्होंने धमाके की आवाज सुनी। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह धमाका स्मार्टफोन्स की बैटरियों के फटने से हुआ होगा। इससे तेजी से आग ने बस को अपनी चपेट में लिया और लोगों को बचने का मौका नहीं मिला। शुक्रवार को कुरनूल में हुए बस अग्निकांड में 20 लोगों की मौत हुई है।

निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण पर कहा

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से शुरू होगा एसआईआर कार्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार के बाद अब तमिलनाडु में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियां कर ली गई हैं। निर्वाचन आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को जानकारी दी कि वह तमिलनाडु समेत चुनावी राज्यों में एसआईआर का अभियान अगले हफ्ते से शुरू करेगा। आयोग ने चीफ जस्टिस मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुलमुरुगन की बेंच को बताया कि यह प्रक्रिया तमिलनाडु में भी हफ्ते भर के अंदर शुरू की जाएगी।

शिकायतों पर दिया जाएगा ध्यान

चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को दी जानकारी

सूची को किया जाएगा व्यवस्थित

उनका यह भी आरोप है कि जहां 13,000 समर्थकों के नाम हटा दिए गए हैं, वहीं मृत व्यक्तियों के नाम अब भी सूची में बने हुए हैं। सत्यनारायण का आरोप है कि इससे द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) को फायदा हुआ। पूर्व विधायक ने अदालत से अपील की कि 2026 विधानसभा चुनावों से पहले टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची का पूर्ण पुनरीक्षण किया जाए और गलत एंट्रीज को हटाकर अंतिम सूची जारी की जाए।

निर्वाचन आयोग ने दिया एसआईआर के जरिए जांच का भरोसा

निर्वाचन आयोग ने अदालत को भरोसा दिया कि प्रस्तावित एसआईआर के दौरान याचिकाकर्ता की शिकायत पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई अगले हफ्ते तक के लिए स्थगित कर दी और आयोग को निर्देश दिया कि बिहार एसआईआर से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की कॉपी पेश की जाए।

एआईएडीएमके नेता की शिकायत को परखेंगे

हाईकोर्ट को ईसी की तरफ से यह जानकारी ऐसे समय में दी गई है, जब ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) पार्टी के पूर्व विधायक बी. सत्यनारायणन की याचिका पर सुनवाई जारी है। पूर्व विधायक का आरोप है कि चेन्नई के टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव अधिकारियों ने लगभग 13,000 एआईएडीएमके समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए। याचिकाकर्ता के अनुसार, 1998 में क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 2,08,349 थी, जबकि 2021 तक यह केवल 36,656 बढ़ी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या और मतदाता संख्या में बड़ा अंतर है।

‘एक्स त्रिशूल’ के लिए नोटम जारी

30 अक्टूबर से पाकिस्तान बॉर्डर पर युद्धाभ्यास करेंगी तीनों सेनाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक पाकिस्तान बॉर्डर पर होने वाले तीनों सेनाओं के सैन्य अभ्यास ‘एक्स त्रिशूल’ के लिए एयरमेन को नोटिस (नोटम) जारी किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस अभ्यास में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना करीब के साथ समन्वय के साथ काम करेंगी। सैटेलाइट इमेजरी एक्सपर्ट डेमियन साइमन ने सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर भारत की पश्चिमी सीमा पर नोटम के दृश्य साझा किए और क्षेत्र और अभियानों के पैमाने को असामान्य बताया। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अभ्यास के लिए रिजर्व एयर स्पेस 28,000 फीट तक फैला हुआ है, जो हाल के सालों में सबसे बड़े ज्वाइंट ऑपरेशनल ड्रिल में से एक है।

‘एक्स त्रिशूल’ खाड़ी और रेगिस्तानी क्षेत्रों में आक्रामक युद्धाभ्यास, सौराष्ट्र तट पर जल-थलचर अभियान और खुफिया, निगरानी और टोही, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और साइबर क्षमताओं से जुड़े बहु-क्षेत्रीय अभ्यास शामिल हैं

अभ्यास के लिए 28,000 फीट तक एयर स्पेस रिजर्व

अभ्यास स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के उपयोग पर भी केंद्रित

मल्टी-डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास होगा

तीनों सेनाएं एक साथ तालमेल स्थापित कर यूनिफाइड ऑपरेशन, डीप स्ट्राइक और मल्टी-डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास करेंगी। इस दौरान भारतीय सेना अपने कई नए स्वदेशी हथियारों और हाईटेक सिस्टमों की टेस्टिंग भी करेगी।

पाकिस्तान सीमा पर जुटेंगे 30 हजार सैनिक

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 12 दिन अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास होगा। आर्मी, एयरफोर्स और नौसेना के 30 हजार जवान थार में संयुक्त युद्धाभ्यास करेंगें। इस युद्धाभ्यास के दौरान बॉर्डर कुछ एरिया में कॉमर्शियल फ्लाइट्स के रूट में बदलाव भी हो सकता है। युद्धाभ्यास जैसलमेर के एरिया से लेकर गुजरात के सर क्रीक इलाके तक होगी।

भविष्य के युद्ध की रणनीति पर जोर इस अभ्यास में स्वदेशी प्रणालियों के प्रभावी उपयोग, परिचालन प्रथाओं में आत्मनिर्भरता के अनुप्रयोग का प्रदर्शन, और उभरते खतरों और आधुनिक एवं भविष्य के युद्ध की विकसित प्रकृति से निपटने के लिए रणनीति, तकनीकों और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अत्याधुनिक तकनीकों का परीक्षण होगा

इस युद्धाभ्यास में विशेष रूप से काउंटर-ड्रोन सिस्टम, संचार बाधा (जैमिंग) और ऑटोमैटिक स्पेक्ट्रम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी मॉडर्न तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा वायुसेना प्रिसिशन स्ट्राइक, एयर डिफेंस इंटरसेप्शन और मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस पर विशेष ध्यान देगी।

दक्षिणी कमान के सैनिक अहम भूमिका में रहेंगे

यह अभ्यास भारत की बढ़ती संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार को प्रदर्शित करेगा, जो पीएम नरेंद्र मोदी के ‘जय’ दृष्टिकोण के तीन स्तंभ हैं। दक्षिणी कमान के सैनिक अभियानों का संचालन करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनमें खाड़ी और रेगिस्तानी क्षेत्रों में आक्रामक युद्धाभ्यास, सौराष्ट्र तट पर जल-थलचर अभियान और खुफिया, निगरानी और टोही, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और साइबर क्षमताओं से जुड़े बहु-क्षेत्रीय अभ्यास शामिल हैं।

पाक ने 2 दिन के लिए बंद किया एयरस्पेस

पाकिस्तान ने भारत के सैन्य अभ्यास ‘त्रिशूल’ के पहले मध्य और दक्षिणी हवाई क्षेत्र को 28 और 29 अक्टूबर को बंद करने का फैसला किया। शनिवार को जारी नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के अनुसार, दो दिन हवाई मार्ग उपलब्ध नहीं रहेंगे और उड़ानों पर रोक रहेगी। हालांकि, पाकिस्तान ने इस कदम के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण से जुड़ा हो सकता है। वहीं, जानकार इसे सैन्य अभ्यास ‘त्रिशूल’ से जोड़कर देख रहे हैं।

खबर संक्षेप

नेपाल में खाई में गिरी जीप, 8 की मौत

काठमांडू। नेपाल के करनाली प्रांत में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां रुकुम पश्चिम जिले के झरमारे इलाके में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। बताया गया है कि 18 लोगों को ले जा रही जीप पहाड़ी इलाके में सड़क से नीचे 700 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा काठमांडू से 500 किलोमीटर दूर, झरमारे में तब हुआ जब जीप मुसीकोट के खलांगा से अथबिस्कोट के स्यालीड़ी जा रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि सात लोगों की हादसे के बाद मौके पर ही मौत हो गई।

यूरोप में बर्ड फ्लू की वापसी, फ्रांस में अलर्ट

पेरिस। यूरोप में बर्ड फ्लू का खतरा एक बार फिर गहराने लगा है। फ्रांस सरकार ने प्रवासी पक्षियों और पोल्ट्री फार्मों में संक्रमण के नए मामलों की पुष्टि के बाद देशभर में राष्ट्रीय चेतावनी स्तर बढ़ा दिया है। उत्तरी फ्रांस के दो व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों और तीन छोटे घरेलू फार्मों में एवियन इन्फ्लुएंजा एच-5-एन-1 के मामले दर्ज किए गए हैं। फ्रांस के साथ-साथ नीदरलैंड और स्पेन में भी हाल के हफ्तों में बर्ड फ्लू के मामले दर्ज हुए हैं। फ्रांस के कृषि मंत्रालय ने कहा है कि यह संक्रमण केवल पक्षियों तक सीमित नहीं है।

चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार का किया ऐलान

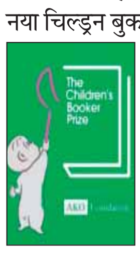

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार शुरू करने का ऐलान किया। इसके विजेता का चयन बाल व वयस्क निर्णायकों की तरफ से संयुक्त रूप से किया जाएगा। नए पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरुआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50 हजार पाउंड यानी करीब 59 लाख रुपए दिए जाएंगे। यह पुरस्कार 8-12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए सर्वश्रेष्ठ समकालीन कथा साहित्य के क्षेत्र में रचना को दिया जाएगा।

थाईलैंड की क्वीन मदर सिरीकित का निधन

बैंकाक। थाईलैंड की क्वीन मदर सिरीकित का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे ग्रामीण गरीबों की मदद, पारंपरिक शिल्प संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा में सक्रिय थीं। शुक्रवार को जारी बयान के मुताबिक बीते 17 अक्तूबर को रक्त संक्रमण की खबर सामने आई थी। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। उनके पति राजा भूमिबोल अदुल्यादेज का 2016 में निधन हो चुका था। उनके बेटे, राजा महा वजिरालोंगकोर्न सहित परिवार के सदस्य उन्हें अस्पताल में देखने गए थे। सिरीकित को जनता में काफी आदर मिला।

एफएटीएफ की पाक को चेतावनी

मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग पर हमारी नजर

एजेंसी ▶▶ पेरिस

वैश्विक आतंक वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने कहा है कि पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि अक्टूबर 2022 में उसे ‘ग्रे लिस्ट’ से बाहर किए जाने का मतलब ये नहीं है कि अब उस पर आतंकवाद की फंडिंग या मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर निगरानी नहीं होगी। मद्राजो ने कहा कि कोई भी देश जो ग्रे लिस्ट में रहा है, वह अपराधियों की गतिविधियों के प्रति पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। फ्रांस में आयोजित एफएटीएफ की बैठक के बाद संस्था की अध्यक्ष एलिसा दे आंडा माद्राजो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पाकिस्तान समेत सभी देशों को अवैध आर्थिक गतिविधियों से निपटने के लिए सतर्क और प्रतिबद्ध रहना चाहिए, भले ही उन्हें ग्रे लिस्ट से हटा दिया गया हो। उन्होंने कहा कि कोई भी देश जो ग्रे लिस्ट में रहा है, वह अपराधियों की गतिविधियों के प्रति पूरी तरह सुरक्षित नहीं है – चाहे वे धन शोधन करने वाले हों या आतंकवादी। इसलिए हम सभी देशों से अपील करते हैं कि वे ऐसे अपराधों को रोकने के लिए अपने प्रयास जारी रखें।

उत्तर कोरिया, ईरान म्यांमार ब्लैकलिस्ट में

दुनियाभर में आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग (अवैध धन शोधन) पर निगरानी रखने वाली वैश्विक संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने अपनी ताजा समीक्षा रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में उत्तर कोरिया (डीपीआरके), ईरान और म्यांमार को फिर से ‘ब्लैकलिस्ट’ में रखा गया है। वहीं, नेपाल समेत 18 देशों को ‘ग्रे लिस्ट’ में बनाए रखा गया है। एफएटीएफ ने कहा कि इन तीनों देशों की एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर टेररिस्ट फाइनेंसिंग व्यवस्था में गंभीर कमियां हैं। ये देश लगातार अपने वादे पूरे नहीं कर पाए हैं और इससे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली को जोखिम बना हुआ है। इसके साथ ही बुर्किना फासो, मोजाम्बिक, नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका को प्रगति के आधार पर ग्रे लिस्ट से हटा दिया गया है। वहीं, बोलीविया, हैती, लेबनान, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (यूके) और यमन ने अपनी रिपोर्ट पेश करने को टाल दिया है।

एपीजी रख रहा है पाक पर निगरानी

पाकिस्तान को अक्टूबर 2022 में ग्रे लिस्ट से हटाया गया था, लेकिन उस पर यह देखने के लिए निगरानी जारी है कि वह आतंक वित्तपोषण के खिलाफ उठाए गए कदमों को ठीक से लागू कर रहा है या नहीं। चूंकि पाकिस्तान एफएटीएफ का सदस्य नहीं है, इसलिए इस पर निगरानी का काम एशिया पैसिफिक ग्रुप (एपीजी) कर रहा है। भारत की ‘नेशनल रिस्क असेसमेंट रिपोर्ट 2022’ ने भी पाकिस्तान को आतंक वित्तपोषण के बड़े स्रोत के रूप में चिन्हित किया है, खासकर उन संगठनों के जरिए जो वहां की सरकारी संस्था ‘नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स’ (एनडीसी) से जुड़े हैं।

यूएन में भारत ने फिर किया पाकिस्तान को बेनकाब, कहा

आतंक पोषित राष्ट्र ‘मानवाधिकारों’ की बात नहीं कर सकता, पाक में सेना देश चला रही

अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में दमन बंद करे

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान की अवधारणाओं से पाकिस्तान बिल्कुल अनजान है। जो देश सेना के पीछे रहकर काम करता है, वो लोकतंत्र के मायने नहीं समझ सकता

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 80वें यूएन दिवस के अवसर पर हुई खुली बहस के दौरान अपने बयान में कहा कि हम मांग करते हैं कि पाकिस्तान अवैध रूप से कब्जाए इलाकों में जारी मानवाधिकार उल्लंघन को बंद करे।

वहां जनता पाकिस्तानी सेना के कब्जे, शोषण, निर्दयता और प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुलकर विद्रोह कर रही है।

भारत ने तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान की अवधारणाओं से पाकिस्तान बिल्कुल अनजान है। जो देश सेना के पीछे रहकर काम करता है, वो लोकतंत्र के मायने नहीं समझ सकता। यूएन में भारत ने यह भी मांग की है कि इस्लामाबाद उन क्षेत्रों में दमन बंद करे, जिन पर उसने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

लोकतंत्र और संविधान से पाकिस्तान अनजान है

पाक ने भ्रामक बयान दिया

बता दें, 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर यूएन में ‘भविष्य की ओर देखना’ विषय पर बैठक और चर्चा हुई। इसी बैठक के दौरान पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने 1948 के प्रस्ताव का जिक्र करते हुए भ्रामक बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि जनमत संग्रह" संबंधी सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव पूरा नहीं हुआ है। बता दें, अप्रैल 1948 के प्रस्ताव संख्या 47 में यह मांग की गई थी कि पाकिस्तान अपने सशस्त्र बलों, सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों को उन क्षेत्रों से वापस बुला ले जिन पर उसने आक्रमण किया था। लेकिन पाकिस्तान इस अहम बात को भूल गया।

तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करना पाक की पुरानी आदत

पी. हरीश ने सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के उल्लंघन में पाकिस्तान के कब्जे और वहां मानवाधिकारों के उल्लंघन का जिक्र किया और इसे तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए इस्लामाबाद की पुरानी आदत बतलाकर जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सामने आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया से ज्यादा कुछ उदाहरण उसके सामने मौजूद चुनौतियों के बारे में नहीं बताते।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग

पी. हरीश ने जोर देकर कहा कि जम्मू कश्मीर हमेशा भारत का अभिन्न अंग रहा है और हमेशा रहेगा। जम्मू और कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक ढांचे के अनुसार अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग करते हैं। हम निश्चित रूप से जानते हैं कि इन अवधारणाओं से पाकिस्तान अनजान है। बेशक ये बातें पाकिस्तान के लिए अजूबा ही हैं।

युद्ध पर नहीं शांति पर खर्च करें संसाधन

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से अपील की है कि विकास और शांति के लिए संसाधनों का उपयोग किया जाए। महासचिव गुटेरेस ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के भविष्य पर सुरक्षा परिषद की एक खुली बहस में यह अपील की। गुटेरेस ने एक किस्से का जिक्र करते हुए कहा कि 1946 में, मतदान से पहले सुरक्षा परिषद की पहली मतपेटी निरीक्षण के लिए खोली गई थी।

सुधार की मांग उठाई

भारतीय राजदूत पी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की वैधानिकता, विश्वसनीयता और मौजूदा समय में इसकी जरूरत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुई और यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की उम्मीद था। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ की जरूरतों का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए ग्लोबल फैसले लेने वाले ढांचे को ज्यादा लोकतांत्रिक और सबको साथ लेकर चलने वाला होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को तेजी से समाज सेवा के तौर पर देखा जा रहा है और तरक्की को तेजी से सीमित किया जा रहा है। ग्लोबल साउथ के नागरिकों की विकास और उम्मीदों को पूरा करने के लिए जरूरी संसाधनों और तकनीक तक पहुंच कम होती जा रही है। पी. हरीश ने कहा कि ऐसा तरीका जो तरक्की और खुशहाली को वैश्विक नजरिए से नहीं देखता, वह न तो टिकाऊ है और न ही नैतिक तौर पर सही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 5 दिवसीय एशिया दौरा शुरू

8 साल बाद आसियान सम्मेलन में होंगे शामिल अगले सप्ताह जिनपिंग के साथ व्यापार पर चर्चा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार रात वॉशिंगटन से निकलकर पांच दिवसीय एशिया यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा में वह मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया जाएंगे। यह जनवरी में पद संभालने के बाद उनकी पहली एशिया यात्रा है और अब तक की सबसे लंबी विदेश यात्रा है। उनकी यात्रा का सबसे अहम पड़ाव महीने के अंत में होगा, जिसमें वह दक्षिण कोरिया में होने वाले एपेक सम्मेलन में चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात कर सकते हैं। इस बैठक में व्यापार और ताइवान मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है।

यूएस-चीन के अधिकारियों के बीच वार्ता शुरू

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट के मुताबिक, ट्रंप गुरुवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच कुआलालंपुर में वार्ता शुरू की। मलेशिया के शीर्ष आर्थिक अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। चीन के शीर्ष व्यापार वार्ताकार ली चेंगगांग भी मौजूदा वार्ता में भाग ले रहे हैं। तीनों अधिकारी अगले गुरुवार को दक्षिण कोरिया में एपीईसी शिखर सम्मेलन में ट्रंप और शी की मुलाकात का रास्ता निकालने की कोशिश करेंगे।

ताइवान का मुद्दा उठाएंगे

ट्रंप ने संकेत दिया कि वे किसानों के मुद्दे पर विशेष रूप से चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एशिया दौरे के दौरान वे ताइवान का मुद्दा भी उठाएंगे।

आज से भारत-चीन के बीच हवाई उड़ान शुरू

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने दोनों देशों के बीच 26 अक्टूबर से फ्लाइट सेवाओं की बहाली को चीन ने सकारात्मक कदम करार दिया, जो 2.8 अरब लोगों के बीच मित्रवत आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। भारत ने दो अक्तूबर को घोषणा की थी कि चीन के लिए सीधी फ्लाइट्स 26 अक्टूबर से फिर से शुरू होंगी। इंडिगो ने घोषणा की कि वह 26 अक्तूबर से कोलकाता से गुआंगझौ के लिए फ्लाइट और 10 नवंबर से दिल्ली से गुआंगझौ के लिए उड़ानें फिर से शुरू करेगा। वहीं, चीन की एयरलाइन चाइना ईस्टर्न नौ नवंबर से शंघाई से दिल्ली के लिए उड़ानें शुरू करेगी।

दिल्ली एयरपोर्ट के नए टर्मिनल 2 का उद्घाटन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल 2 को आधुनिक तरीके से तैयार किया गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने एक भव्य समारोह में टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। यह टर्मिनल संचालित हो गया है। टर्मिनल 2 में अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं को शामिल किया गया है। इसमें सेल्फ-बैगेज ड्रॉप पहली बार टी2 में शुरू की गई इस सुविधा से यात्री स्वयं अपना सामान चेक-इन कर सकते हैं, जिससे कतार में लगने का समय बचेगा। छह नए पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज तेज और सुरक्षित विमान हैंडलिंग के लिए समायोज्य प्लेटफॉर्म के साथ हैं, जिनमें फ्लश डोर और साइड-कवरिंग कुशन डिजाइन सुरक्षा और सुंदरता को बढ़ाते हैं।

ब्रिटेन पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने की मांग

रूस के तेल पर प्रतिबंध और बढ़ाए यूएस, लंबी दूरी की मिसाइलें भी दे

जेलेंस्की ने यूरोपीय संघ के कई नेताओं से की बात

20 से ज्यादा नेता वीडियो लिंक से जुड़े

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने की मेजबानी

एजेंसी ▶▶ लंदन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिका से अपील की कि वह रूस की दो तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को बढ़ाकर पूरे रूसी तेल क्षेत्र के लिए लागू करे।

उन्होंने साथ ही अमेरिका से लंबी दूरी की मिसाइलों की भी मांग की, ताकि यूक्रेन की तरफ से रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जा सके। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह बयान ब्रिटेन के लंदन में दिया। वे यहां यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए। यूरोपीय देश के नेताओं और जेलेंस्की की बैठक ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मेजबानी में हुई।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की

पुतिन पर भड़के यूरोप-नाटो के नेता

जेलेंस्की से बातचीत के बाद ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर ने कहा कि पुतिन ने एक बार फिर बातचीत का मौका ठुकरा दिया है और यूक्रेन की जमीन पर अव्यवहारिक मांगें रखी हैं। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। दूसरी तरफ नाटो प्रमुख मार्क रुट ने कहा कि पुतिन अब पैसे, सैनिकों और विचारों की कमी से जूझ रहे हैं। लंदन में बैठक के दौरान एक संभावित रीएश्योरेंस फोर्स की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई, जो यूक्रेन की रक्षा में मदद करेगी। ब्रिटिश रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा कि यह आकाश और समुद्र की सुरक्षा करने और यूक्रेनी सेना को प्रशिक्षित करने वाली ताकत होगी।

रूस का यूक्रेन पर हमला 4 की मौत, 16 घायल

रूस और यूक्रेन के बीच संघर्षविराम की कोशिशों के बीच रूसी सेना ने यूक्रेन के कई हिस्सों में ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए। इन हमलों में 4 लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हुए। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल हमले के दौरान 2 लोगों की मौत हुई और 9 घायल हुए।

अमेरिकी न्योते पर वॉशिंगटन पहुंचे रूसी प्रतिनिधि

रूसी अधिकारी किरिल दिमित्रिएव शुक्रवार को अमेरिका पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह बैठक पहले से तय थी और अमेरिकी पक्ष के आमंत्रण पर हो रही है। वह अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात करेंगे। दिमित्रिएव पहले भी ट्रंप प्रशासन और क्रेमलिन के बीच कई वार्ताओं में शामिल रहे हैं।

पूर्व सीआईए अधिकारी का बड़ा दावा

मुशर्रफ ने अमेरिका के हाथों में सौंप दिए थे ‘परमाणु हथियार’

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी खुफिया एजेंसी, सीआईए के एक पूर्व अधिकारी जॉन किरियाकू ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब मैं 2002 में पाकिस्तान में तैनात था, तो मुझे अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि पेंटागन पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार को नियंत्रित करता है।

परवेज मुशर्रफ ने नियंत्रण संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया है क्योंकि उन्हें इस बात का डर था कि कहीं आतंकियों के हाथों में ये हथियार न पहुंच जाएं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ इतना करीबी रिश्ता बनाया कि सचमुच उसे खरीद लिया गया।

किरियाकू ने खुलासा किया कि अल-कायदा का संस्थापक ओसामा बिन लादेन, जो 9/11 हमलों के बाद अमेरिका के लिए सबसे खोजा जाने वाला आतंकवादी था, तोरा बोरा की पहाड़ियों से महिला के भेष में भाग निकला था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक वास्तव में अल-कायदा का एजेंट था और वह अमेरिकी सेना में घुसपैठ कर चुका था।

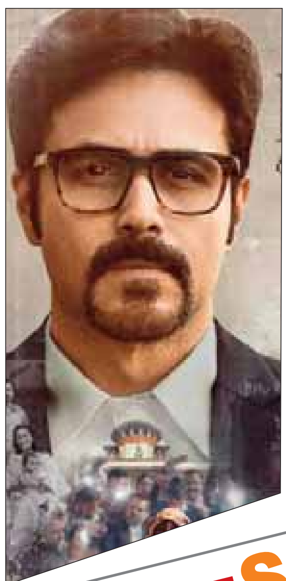

इमरान हाशमी इस दिन से शुरू करेंगे 'हक' की लड़ाई

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म 'हक' के टीजर को साकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अब ये फिल्म सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने लोगों की उत्सुकता को बढ़ाने के लिए फिल्म से इमरान और यामी का नया पोस्टर लुक जारी कर दिया है। सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज तारीख और ट्रेलर पर अपडेट भी जारी कर दिया गया है। आइए जानें कि ये फिल्म कब रिलीज होगी। फिल्म 'हक' के पोस्टर में यामी का किरदार अपनी गरिमा और अधिकारों के लिए लड़ती एक महिला को दर्शाता है।

लाइफ Style

अनीत

'शक्ति शालिनी' में आएंगी नजर

'सैयारा' से रातों-रात मशहूर हुईं अभिनेत्री अनीत पड्डा अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। उन्हें मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में देखा जाएगा।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भले आधिकारिक तौर पर आगामी फिल्म से उनका पोस्टर जारी न हुआ हो, लेकिन फिल्म निर्माता अमर कौशिक ने खुद उनके नाम की पुष्टि कर दी है। उन्होंने यह भी बताया है कि 'शक्ति शालिनी' में अनीत की कास्टिंग कैसे फाइनल हुई। एक बातचीत में फिल्म निर्माता अमर से जब अनीत की कास्टिक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जब हम स्क्रिप्ट लिख रहे थे, तब हमें लगा कि हमें एक युवा कलाकार की जरूरत है। उसी दौरान, हमने उनकी फिल्म सैयारा देखी और महसूस किया कि वह उस किरदार के लिए बिल्कुल सही हैं। उन्होंने कहानी सुनी और फिल्म में शामिल हो गईं। उन्होंने बताया कि 'शक्ति शालिनी' की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू होगी। अमर से जब पूछा गया कि 'शक्ति शालिनी' का निर्देशन वह करेंगे या आदित्य सरपोतदार, जिन्होंने 'मुंज्या' और 'थामा' का निर्देशन भी किया था ? इस पर उन्होंने कहा, हम अभी भी बातचीत कर रहे हैं और अभी तक फैसला नहीं किया है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म को अगले साल 24 दिसंबर, 2026 को रिलीज किया जाएगा। फिलहाल आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' सिनेमाघरों में लोगों का मनोरंजन कर रही है।

हॉलीवुड मसाला

किम के दिमाग में हुई गंभीर बीमारी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी रियलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियन दिमाग की एक गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। 'द कार्दशियन्स' के सीजन 7 के प्रीमियर के दौरान उन्होंने इसके बारे में खुलासा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि वह मस्तिष्क धमनी विस्फार (अनरप्चर्ड ब्रेन एन्यूरिज्म) से जूझ रही हैं। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें दिमाग में मौजूद रक्त वाहिकाओं का हिस्सा कमजोर हो जाता है और उसमें खून भर जाता है। किम ने कहा कि यह बीमारी उन्हें संभवतः उनके पूर्व पति कान्ये वेस्ट के साथ उनके रिश्ते के दौरान हुए तनाव से हुई है।

लैटिन बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉर्ड्स में रैपर बैड बनी का दबदबा

लॉस एंजिल्स। मियामी के मंच पर इस साल लैटिन संगीत का सबसे बड़ा उत्सव देखने को मिला। साल 2025 के लैटिन बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉर्ड्स में जब विजेताओं की घोषणा हुई तो हर तरफ एक ही नाम सुनाई दे रहा था। वो नाम है- बैड बनी। जी हां, मशहूर रैपर बैड बनी ने एक ही रात में 11 अवॉर्ड्स जीतकर यह साबित कर दिया कि लैटिन म्यूजिक की दुनिया में वो बहुत आगे निकल चुके हैं। उनके अलावा किस-किस को अवॉर्ड मिला और किस श्रेणी में मिला, चलिए जानते हैं। दुनियाभर में 'टीटी मे प्रेगुंतो' जैसे गानों के लिए पहचान बना चुके रैपर बैड बनी ने इस दौरान आर्टिस्ट ऑफ द ईयर, सॉन्गराइटर ऑफ द ईयर और टॉप लैटिन एल्बम जैसे बड़े खिताब अपने नाम किए। उनका हालिया एल्बम देबी तिरार मास फोटोज दर्शकों के बीच रिकॉर्ड तोड़ लोकप्रियता हासिल कर चुका है और अब अवॉर्ड्स ने उसकी सफलता पर मुहर लगा दी है।

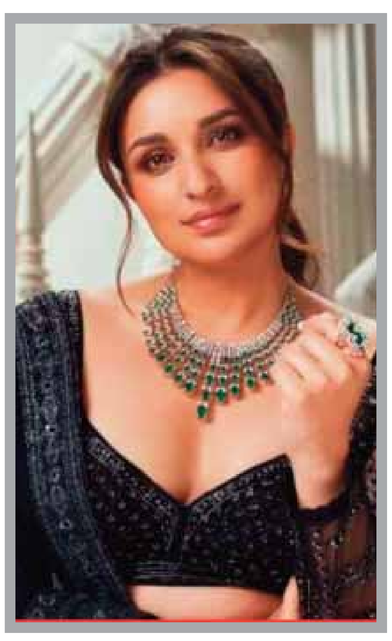

करोड़ों की मालकिन, कभी किया पीआर का काम

मुंबई। परिणीति चोपड़ा 22 अक्टूबर को 37 साल की हो गई हैं। उनका जन्मदिन और खास हो गया है, क्योंकि 19 अक्टूबर को अभिनेत्री ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। मां बनने के बाद परिणीति ने पहली बार इस खास दिन को अपने राजनेता पति राघव चड्ढा के साथ मनाया है। एक वक्त था जब अभिनेत्री पब्लिक रिलेशन्स (पीआर) का काम करती थीं, लेकिन अब वो सिनेमा की सफल अभिनेत्रियों में शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, परिणीति की कुल संपत्ति कथित तौर पर 74 करोड़ रुपये आंकी गई है। उनके पास मुंबई के बांद्रा में एक आलीशान घर है, जिसकी कीमत 22 करोड़ रुपये है। उनके गैराज में 1.30 करोड़ की रेंज रोवर वोग, 69.27 लाख की ऑडी क्यू7 और 43.19 लाख की ऑडी क्यू4 मौजूद है।

'मस्ती-4' का दूसरा पोस्टर रिलीज

मुंबई। कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज़ 'मस्ती' चार गुना अधिक मस्ती, पागलपन और हंसी के साथ एक बार फिर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है। इसी कड़ी में वेवबैंड प्रोडक्शन ने मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा लिखित और निर्देशित 'मस्ती 4' का दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिससे बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज़ के लिए दर्शकों में उत्साह भी चार गुना बढ़ गया है। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी 'मस्ती 4' के निर्माता हैं ए. झुनझुनवाला और शिखा करण अहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन), इंद्र कुमार और अशोक ठाकेरिया, शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), और उमेश बंसल है।

टीवी मसाला

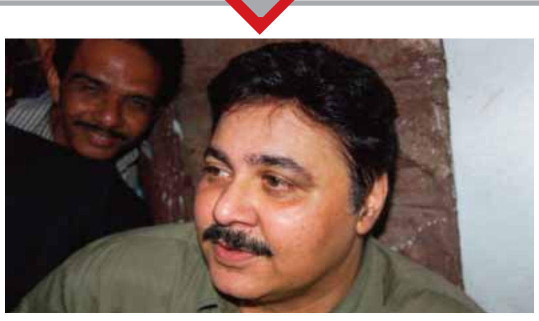

'मैं हूं ना' के प्रोफेसर से लेकर इंद्रवदन साराभाई तक

रुला गया सबको हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देने वाला एक किरदार

मुंबई। एक्टर सतीश शाह का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। साराभाई वर्से सारा भाई शो घर-घर में राज करने वाले सतीश शाह ने शनिवार को इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। आइए उनके कुछ आइकॉनिक रोल पर एक नजर डालते हैं। सतीश, भारतीय सिनेमा और टेलीविजन के उन चुनिंदा कलाकारों में से एक थे, जिन्होंने अपनी कॉमिक टाइमिंग और बहुमुखी अभिनय से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई। उन्होंने चार दशकों से अधिक के अपने करियर में 250 से अधिक फिल्मों और कई हिट टीवी शोज में काम किया। यहां उनकी फिल्मों और टीवी शोज के कुछ सर्वश्रेष्ठ और यादगार किरदारों का जिक्र है।

इंद्रवदन साराभाई : सतीश शाह में इंद्रवदन साराभाई के किरदार में थे, जिनका यह किरदार उनके करियर का सबसे आइकॉनिक और लोकप्रिय रोल माना जाता है। इंद्रवदन एक मजेदार, व्यंग्यात्मक और शरारती गुजराती पति और पिता हैं, जो अपनी बहू मोनिशा को लगातार ताना मारते हैं। रत्न पाठक शाह (माया साराभाई) के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने इस सिटकॉम को कल्ट क्लासिक बना दिया।

कमिश्नर डी मेलो का किरदार : सन 1983 की इस व्यंग्य कॉमेडी फिल्म में सतीश शाह ने भ्रष्ट म्यूनिसिपल कमिश्नर डी'मेलो का किरदार निभाया था। उनका यह रोल हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन कॉमिक किरदारों में से एक माना जाता है। खासकर, क्लाइमैक्स में महाभारत के दृश्य में उनका अभिनय आज भी याद किया जाता है।

दिल वाले दुल्हनियां ले जाएंगे में अजित सिंह का किरदार : दुल्हनियां ले जाएंगे इस कल्ट रोमांटिक फिल्म में सतीश शाह ने अजीत सिंह का किरदार निभाया था, जो शाहरुख खान (राज) के पिता का दोस्त होता है। अजीत का राज को यूरोप में गलत काम करने के लिए उकसाना और फिर अपनी बेटी को उसकी हरकतों से बचाना—फिल्म में एक हल्के-फुल्के हास्य का तड़का लगाता है।

मैं हूं ना में प्रो. देसाई का रोल यादगार

फिल्म 'मैं हूं ना' में उन्होंने साइंस टीचर प्रोफेसर देसाई का रोल किया था, जो क्लास में बच्चों को थूक से चिपकाने की हरकतें करते थे। उनका मजाकिया अंदाज और अजीबोगरीब व्यवहार, विशेष रूप से शाहरुख खान के किरदार के साथ उनके सीन, दर्शकों को बहुत हंसाते हैं।

कल हो न हो में बने करसन भाई पटेल

इस भावुक फिल्म में सतीश शाह ने करसन भाई पटेल का किरदार निभाया था. यह रोल न्यूयॉर्क में रहने वाले एक सनकी गुजराती अंकल का था, जो अपने सख्त नियमों और मजेदार संवादों के कारण यादगार बन गया। उनका किरदार फिल्म में कॉमेडी का अहम हिस्सा था।

कुमार सानू का रोमांटिक गाना 'हाय मेरा दिल' रिलीज

मुंबई। भारतीय संगीत जगत के प्रसिद्ध गायकों में से एक कुमार सानू का नया रोमांटिक गाना "हाय मेरा दिल" रिलीज होते ही तेजी से वायरल हो रहा है। इस गाने में नब्बे के दशक के संगीत और वर्तमान रूहानी धुन का बेहतरीन सम्मिश्रण किया गया है, जिससे हर उम्र के श्रोता इसे पसंद कर रहे हैं। गाने के निर्माता संजय बेडीया गिरगांवकर ने इसे संजीव चतुर्वेदी के साथ मिलकर तैयार किया है और यह बेडीया फिल्म म्यूजिक के बैनर तले रिलीज हुआ है।

कुमार सानू के साथ इनकी आवाज : इस रोमांटिक गाने में कुमार सानू की आवाज ने जादू बिखेर दिया है। उनकी मधुर और भावपूर्ण गायिकी ने गाने को खास पहचान दी है। साथ ही महिमा गुप्ता और विश्वास सराफ की आवाज़ ने गाने में नयापन और ऊर्जा का संचार किया है। संगीत संयोजन और संगीत प्रबंधन का काम सारिका चतुर्वेदी ने कुशलतापूर्वक किया है, जिसने गाने को पूरी तरह जीवंत बना दिया है।

वीडियो का जिम्मा मुनीश कल्याण ने संभाला : गाने के वीडियो निर्देशन का जिम्मा मुनीश कल्याण ने संभाला है। उन्होंने रोमांटिक सीन और भावनात्मक भावों को कैमरे में खूबसूरती से कैद किया है। इसके अलावा, कोरियोग्राफर अनुप राय ने गाने में डांस और मूवमेंट को अत्यंत आकर्षक बनाया है। "हाय मेरा दिल" का संगीत और वीडियो दोनों ही सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे हैं। यह आगामी हिट गानों में अपना नाम दर्ज कर चुका है।

'मुन्ना भाई 3' का इंतजार होने वाला है खत्म

मुंबई। संजय दत्त और अरशद वारसी के करियर की बेहतरीन फिल्मों का जिक्र होता है तो 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का नाम शामिल जरूर होता है। इस फिल्म ने जहां संजू बाबा बो मुन्ना भाई नाम से मशहूर कर दिया, वहीं अरशद का नाम सर्किट पड़ गया। पिछले काफी समय से दर्शक 'मुन्ना भाई' सीरीज की तीसरी किस्त यानी 'मुन्ना भाई 3' का इंतजार कर रहे हैं। अब अरशद ने इस पर बात कर कुछ खुलासे किए हैं।

अरशद ने बांधे संजय की तारीफों के पुल : अरशद ने संजय दत्त संग काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, संजू कमाल के एक्टर हैं। उनमें एक अलग ही किस्म का टैलेंट हैं। उनके साथ रहना अपने आप में बहुत मजेदार था।

मुझे खुद स्क्रिप्ट याद रखने में बड़ी दिक्कत होती है, लेकिन संजू की वजह से मुझे पूरी फिल्म की कहानी याद रखनी पड़ती थी, क्योंकि हर दिन वो सेट पर आकर पूछते थे, भाई, आज हम कौन-सा सीन कर रहे हैं?

'मुन्ना भाई 3' पर काम कर रहे हिरानी : *अरशद बोले, मैं संजू को बताता था कि कल हमने ये सीन किए, आज ये सीन करने हैं। वो कहते थे क्या यार, लेकिन ये अनुभव बड़ा शानदार था और पर्दे पर जो हुआ, वो जादू जैसा था। अरशद से हर बार की तरह 'मुन्ना भाई 3' पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, पहले ये नहीं बन रहा था, लेकिन अब राजकुमार हिरानी तीसरे भाग पर काम कर रहे हैं। वो सचमुच इस पर बहुत मेहनत कर रहे हैं।*

हिरानी भी लगा चुके तीसरी किस्त पर मोहर : *अरशद बोले, मुझे लग रहा है कि अब तो ये फिल्म बननी चाहिए। पिछले साल हिरानी ने भी कहा था कि उनके पास एक खास आइडिया है और वो तीसरे भाग पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उधर साल 2023 में अरशद ने ये कहते हुए प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया था कि 'मुन्ना भाई 3' अब शायद कभी ना बने, क्योंकि हिरानी तब ही फिल्म शुरू करेंगे, जब उन्हें स्क्रिप्ट (कहानी) पर 200 प्रतिशत यकीन होगा। इसका दूसरा भाग 'लगे रहो मुन्ना भाई' साल 2006 में रिलीज हुआ था।*

उनकी आवाज के जादू ने बिहार के सैकड़ों कलाकारों को किया प्रेरित

नहीं रहीं भोजपुरी की 'बिजली रानी', दोनों किडनी हो गईं थीं फेल

__मुंबई।__ एक मशहूर नाम बिजली रानी। भोजपुरी का वो सितारा जिसके मंच पर आने मात्र से पूरा मैदान थिरकने लगता था। उनके साटे (शो) में तिल रखने की जगह नहीं होती थी। आवाज में खनक और नृत्य में लचक की मालकिन'बिजली रानी' अब इस दुनिया में नहीं रहीं। वह शुक्रवार 24 अक्टूबर को 70 साल की उम्र में देवलोक के लिए रवाना हो गईं। उनका देहांत रोहतास जिले के नटवर गांव में उनके पैतृक आवास पर हुआ। बिजली रानी काफी लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उनकी दोनों किडनी फेल हो चुकी थी। बिजली रानी की मौत की खबर सामने आते ही भोजपुरी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है।

कौन थीं बिजली रानी?

बिजली रानी का जन्म रोहतास जिले के नटवर गांव में हुआ था। 80 और 90 के दशक में वो भोजपुरी रंगमंच की पहचान बन चुकी थीं। भोजपुर और शाहाबाद क्षेत्र में उनके डांस और गायिकी के कद्रदानों की लंबी फौज थी। बिजली रानी को थियेटर की शान कहा जाता था। उस दौर में कोई शादी-ब्याह, मेले या स्टेज शो को तब तक पूरा नहीं माना जाता था, जब तक कि वहां बिजली रानी का ठुमका ना पड़ जाए।

सिर्फ बड़े घराने ही करा पाते थे बुकिंग

उनके साटे यानी शो के रेट इतने ऊंचे थे कि सिर्फ बड़े घराने के लोग ही बुक कर पाते थे। बिजली रानी जहां भी जाती थीं स्टेज पर बिजली गिरा देती थीं। कई भोजपुरी फिल्मों और एलबम में काम किया। उनकी आवाज और उनकी हर अदा पर दर्शक झूम उठते थे। उनकी आवाज के जादू ने बिहार के सैकड़ों कलाकारों को प्रेरित किया।

दोनों किडनी हो गई थी फेल

बिजली रानी की दोनों किडनी फेल हो गई थी। परिवार के लोग अस्पताल के चक्कर लगा-लगाकर परेशान हो उठे। बीमारी की वजह से घर की आर्थिक स्थिति भी डंवाडोल हो गई। जब कहीं से मदद नहीं मिली तो बिजली रानी की बेटी ने स्थानीय मीडिया से मदद की गुहार लगाई।

पवन सिंह ने की मदद

जब ये खबर भोजपुरी के पावर स्टार कहे जाने वाले पवन सिंह ने सुनी तो उन्होंने आगे आकर बिजली रानी की मदद की। पवन सिंह ने बिजली रानी का लखनऊ में दो महीने तक इलाज कराया। पवन सिंह बिजली रानी को चाची कहते थे। पवन सिंह के साथ बिजली रानी की तस्वीर भी सामने आ थी जिसमें वे उनके साथ बैठे दिखाई दिये।

तेंदूआ का शव मिलने से मंचा हड़कंप, आखिर एक ही बीट में क्यों मिल रहे मृत वन्य प्राणी

सरदा बीट में फिर हुआ वन्य प्राणी का शिकार

हरिभूमि, जबलपुर।

वन परिक्षेत्र सिहोरा अन्तर्गत सरदा बीट में तेंदुआ का शव मिलने से क्षेत्र सहित विभाग में हडकम्प की स्थिती निर्मित हो गई । प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार शनिवार की दरम्यानी रात लगभग 11बजे सरदा के ग्राम घुघरा में तेंदुआ का शव मिलने की सुचना प्राप्त हुई थी। आनन फानन में एस डी ओ,रेन्जर सहित वन विभाग के अमले ने मौके पर पहुंचकर शव को अभिरक्षा में लेते हुए विवेचना प्रारंभ कर दी। बताया जाता है कि तेंदुआ का शव उसी निसर्ग इस्पात प्रा लिमटेड के परिसर से बरामद हुआ है जहां से गत 13 अक्टुबर को जंगली सुअर के अवशेष बरामद किये गये थे।

डाग स्काड ने किया चप्पे चप्पे का निरीक्षण

तेंढुए की मौत कैसे हुई ये अभी भी पहेली बना हुआ है शिकार किया गया है या फिर उसे मारकर यहां लाकर फेंका गया है जिसकी गंभीरता से जांच की जा रही है।मोटे पर उपस्थित वन अमले ने कान्हा से आई डाग स्क्वायड के साथ क्षेत्र का सुक्ष्मता से निरीक्षण किया लेकिन किसी सफलता का खुलासा नहीं किया है।

पोस्टमार्टम के लिए शव जिला मुख्यालय भेजा

बताया जा रहा है कि शव दो से तीन दिन पुराना है विभागीय कार्यवाही एंव खोजी कुत्तों द्वारा स्थल की सुक्ष्म निरीक्षण के उपरान्त मृत तेंदुए के शव के पोस्टमार्टम हेतु शव जिला मुख्यालय भेजा गया है।पोस्टमार्टम के बाद ही तेंदुए की मौत का कारण एंव उम्र आदी की पड़ताल हो सकेगी। पोस्टमार्टम के बाद शव का अन्तिम संस्कार वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिती में किया जायेगा।

संवेदनशील है सरदा बीट

वन परिक्षेत्र सिहोरा की सरदा बीट वन्य प्राणियो के लिए कतई सुरक्षित नहीं कही जा सकती। पूर्व में भी इसी बीट के कुर्रे ग्राम में मृत तेंदुआ बरामद किया गया था। कूर्रे मार्ग पर चीतल का मांस एंव अवशेष बरामद किये गये थे।लगभग दस दिन पूर्व जमीन में दफन सुअर के अवशेष बरामद होने के बाद आज फिर एक वन्य प्राणी का शव बरामद किया गया है। आखिर सरदा बीट में ही क्यों लगातार वन्य प्राणी मृत मिल रहे यह विभाग के आला अधिकारियों के लिए शोध का विषय बन चुका है।

वन विभाग ने जांच शुरू की, मौके से जंगली सुअर का शव भी बरामद

वन परिक्षेत्र सिहोरा के ग्राम घुघरा में स्थित मेसर्स निसर्ग इस्पात प्रा. लि. कंपनी के परिसर में झाड़ियों के बीच एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। घटना की जानकारी 24 अक्टूबर की रात्रि लगभग 11:30 बजे मुखबिर से प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही वन विभाग का क्षेत्रीय स्टाफ तत्काल मौके पर पहुंचा और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। वन विभाग द्वारा तेंदुए की मृत्यु के कारणों की जांच की जा रही है। घटना स्थल की सूक्ष्म जांच के लिए डॉग स्क्वॉड की सहायता ली जा रही है। निरीक्षण के दौरान घटना स्थल के पास से एक जंगली सुअर का शव भी बरामद किया गया। इसके पूर्व 12 अक्टूबर को भी इसी क्षेत्र में जंगली सुअर की मृत्यु की घटना दर्ज की गई थी, जिसकी जांच वन अपराध प्रकरण के अंतर्गत जारी है। मृत तेंदुए और जंगली सुअर दोनों के शवों को वेटरनरी कॉलेज, स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ, जबलपुर लाया गया है, जहां दोनों का पोस्टमार्टम 26 अक्टूबर को किया जाएगा।

रामायण की सार्वभौमिकता पर होगा मंथन, शहर में जुटेंगे देश-विदेश के विद्वान

चतुर्थ विश्व रामायण कॉन्फ्रेंस 2 से 4 जनवरी तक जबलपुर में

जबलपुर। आगामी 2, 3 एवं 4 जनवरी 2026 को चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन जबलपुर में किया जाएगा। आयोजन की रूपरेखा एवं कार्ययोजना को लेकर समिति की बैठक सत्य अशोक में संपन्न हुई। बैठक में साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी ने बताया कि यह आयोजन कल्याण बाबा जी के मुख्य संरक्षण में किया जा रहा है, जिसमें स्वामी रामभद्राचार्य जी सहित अनेक संतों का आगमन होगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय बिश्नोई ने कहा कि यह सम्मेलन केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं नगर निगम जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा।

नगर निगम देगा स्वागत भोज, प्रदर्शनी भी होगी आकर्षण का केंद्र

राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मिकि ने कहा कि वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के माध्यम से युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़ा जाएगा। स्वागत अध्यक्ष एवं महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" ने नगर निगम द्वारा स्वागत भोज आयोजित करने की घोषणा की। साथ ही, INGCA के सहयोग से नगर निगम द्वारा "रामायण दर्शन प्रदर्शनी" आयोजित की जाएगी, जो मुख्य आयोजन से कुछ दिन पूर्व प्रारंभ होगी। विधायक अभिलाष पांडे और निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने उद्घाटन सत्र में केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों व संत समाज के प्रमुख जनों की उपस्थिति पर जोर दिया।

20 देशों से विद्वान होंगे सहभागी, श्रद्धांजलि व शुभकामनाएं व्यक्त

आयोजन सचिव डॉ. अखिलेश गुमास्ता ने बताया कि इस आयोजन में 20 देशों से रामायण के विद्वान भाग लेंगे, साथ ही थाईलैंड एवं मॉरीशस से 8 से 10 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित रहेगा। बैठक की शुरुआत में श्री चंद्र कुमार मिश्र, डॉ. कृष्णकांत चतुर्वेदी एवं तुषार सिधना को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंत्री राकेश सिंह आयोजन के मुख्य सलाहकार हैं। इस अवसर पर नरेश ग्रोवर, रवि वाजपेई, अर्पित तिवारी, पंकज गौर, शरद अग्रवाल, शैलजा सुल्लेरे, अर्चिता तिवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सामूहिक फोटो ग्रुप में शेयर करने ठेकेदारों को निर्देश

सफाई संरक्षकों की ई-अटेंडेन्स अनिवार्य

जबलपुर। शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ साथ अन्य सुविधाओं पर व्यापक सुधार लाने के लिए निगामयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शनिवार को यहां कार्यालय में अधिकारियों और सफाई ठेकेदारों के साथ संयुक्त रूप से बैठक की और सफाई ठेकेदारों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था में परिवर्तन लाने 100 प्रतिशत ई-अटेंडेन्स अनिवार्य है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने इसके लिए 30 अक्टूबर तक सभी सफाई ठेकेदारों को सुधार लाने तथा उपस्थिति ऑन लाइन दर्ज कराने की मोहलत दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि अक्टूबर पेड नवम्बर का भुगतान ई-अटेंडेन्स के आधार पर ही किया जायेगा। इस संबंध में सभी ठेकेदारों ने भी हस्ताक्षर कर सहमति दी है।

निगमायुक्त ने स्वच्छता के कार्यो में पारदर्शिता लाने यह भी निर्देशित किया है कि सुबह 06.30 बजे तक समस्त सफाई संरक्षकों की उपस्थिति दर्ज कराकर ग्रुप फोटो लेकर जिसमें स्पष्ट रूप से संख्या दिखाई दे, फोटो ग्रुप में शेयर करें, उन्होंने यह भी कहा कि निर्धारित बीटों पर तैनात सफाई संरक्षक ही नियमित रूप से काम करेगें। कर्मचारियों की अदला बदली बिना सक्षम स्वीकृति के नहीं करेगें। निगमायुक्त ने बैठक के दौरान हिदायत देते हुए सभी को निर्देशित किया कि कर्मचारियों की प्रमाणित उपस्थति दर्ज कराने में किसी भी प्रकार की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने एक और बड़ा जनहित का निर्णय लेते हुए बताया है कि कठौंदा स्थित बंद पड़े वेस्ट टू एनर्जी प्लांट को नए सिरे से व्यवस्थित कराया जा रहा है। व्यवस्थित करने के बाद 15 नवम्बर से इस प्लांट को चालू किया जायेगा जहाँ वैज्ञानिक पद्धति से कचरे का निष्पादन कराया जायेगा। बैठक में अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, प्रशांत गोटिया, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक यंत्री एवं स्वच्छता सेल के सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे, सहायक यंत्री आशीष पाठकर, तकनीकि अधिकारी बलेन्दु शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

निगम की बड़ी कार्रवाई : विद्युत पोलों पर लगे अवैध रूप से बैनर पोस्टर हटाये गए

जबलपुर। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार सिटी ब्यूटिफिकेशन के लिए अद्योसंरचना एवं विकास कार्यो के साथ-साथ सड़कों के निर्माण, उद्यान के निर्माण के अलावा अन्य व्यवस्थाएँ दुरूस्त कराई जा रही है। इसके साथ-साथ यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में भी लगातार सड़कों के किनारे के अतिक्रमणों को हटवाने के साथ-साथ अवैध रूप से विद्युत पोलों चौराहों तिराहों एवं अन्य शासकीय भवनों के आस पास लगे अवैध रूप से बैनर पोस्ट को भी हटाने की कार्रवाई की जा रही है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार एवं अपर आयुक्त अरविन्द शाह ने बताया कि अभी दो दिनों में नगर निगम के द्वारा बड़ी कार्रवाई की जाकर 1 हजार से अधिक विद्युत पोलों पर लगे अवैध बैनर पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई की गयी है। कार्रवाई के संबंध में अतिक्रमण अधिकारी एवं सहायक यंत्री मनीष तड़से ने जानकारी देते हुए बताया कि डुमना एयरपोर्ट से सिविल लाइन, सिविल लाइन से डेयलाईट मार्केट होते हुए समन्वय चौक, सर्किट हाउस क्रमांक 1, 2 के आस पास होते हुए बिलहरी, तिलहरी मार्गो के अलावा शहर के अन्य मुख्य मार्गो से भी पुराने कटे फटे अवैध रूप से लगे बैनर पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई अलग-अलग दल प्रभारियों के द्वारा की गयी है। श्री तड़षे ने बताया कि अब यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। निगम प्रशासन के द्वारा नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की गयी है कि स्वच्छता, सिटी ब्यूटीफिकेशन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिना अनुमति लिये विद्युत पोलों, सार्वजनिक स्थलों, चौराहों, तिराहों एवं शासकीय भवनों पर कोई भी बैनर पोस्टर एवं बोर्ड नहीं लगाएँ। निगम प्रशासन द्वारा यह भी कहा गया है कि यदि विनम्र अनुरोध के बाद भी स्वच्छता को प्रभावित करने वाले कार्य जैसे कहीं भी बिना अनुमति के अवैध रूप से होर्डिंग्स, बैनर पोस्टर लगाने वाले के विरूद्ध मीडिया पॉलीसी एवं सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कराकर वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

विकास कार्यों को जनभावना के साथ, नियोजन और गुणवत्ता के साथ किया जायेगा पूर्ण: डॉ अभिलाष पाण्डेय

उत्तर मध्य विधानसभा में हुआ विकास कार्यों का भूमिपूजन

जबलपुर। उत्तर मध्य विधानसभा में विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के नेतृत्व में मंत्रोच्चार एवं देवी स्वरूपा कन्याओं के आशीर्वाद लेकर उत्तर विधानसभा जबलपुर के राजीव गाँधी वार्ड एवं राम मनोहर लोहिया वार्ड में विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। विकास कार्यों में क्रम में रंगमंच का निर्माण, पेवर ब्लॉक लगाना, शेड निर्माण,सरस्वती गार्डन में उन्नयन कार्य, एवं बरगद के पेड़ में घट बांधने के स्थान का विधिवत जीर्णोद्धार किया जाना शामिल है।

विकास का कार्यों का भूमिपूजन करते हुए विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि उत्तर मध्य विधानसभा में निरंतर विकास कार्यों की श्रृंखला चल रही है जिसमें छोटे से लेकर बड़े निर्माण और जनोपयोगी कार्यों को पूर्ण नियोजन और गुणवत्ता के साथ करवाया जा रहा है साथ ही हमारी विरासत और पर्यावरण का भी ध्यान रखकर संरक्षित करने का कार्य भी किया जा रहा है आज इसी क्रम में राजीव गांधी वार्ड एवं राम मनोहर लोहिया वार्ड में रंगमंच निर्माण, गार्डन का उन्नयन ,बरगद के पेड़ में घट बांधा जाता है जिसमें चबूतरे का जीर्णोद्धार के कार्य का भूमि पूजन किया गया शीघ्र ही ये कार्य पूर्ण होकर जनता को समर्पित किए जाएंगे।

डॉ पाण्डेय ने बताया कि सनातन धर्म में मृत्यु को शरीर का अंत माना जाता है जबकि आत्मा अविनाशी रहती है और एक नया रूप धारण करती है ,धार्मिक और आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार मृत्यु संस्कार के पश्चात अस्थि विसर्जन तक पवित्र आत्मा के पूजन हेतु कुछ महत्वपूर्ण स्थानों पर पीपल या बरगद के पेड़ के नीचे ₹घटर बांधने का स्थान होता है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष पुष्पराज पाण्डेय, प्रेम शंकर तिवारी, पार्षद श्रीमति मधु बाला राजपूत ,महामंत्री राजेश तिवारी, रवि मोहन संतोषी,पवन गुप्ता, गोपाल चौधरी,आभा पाण्डेय भाजपा पदाधिकारी गण , कार्यकर्ता बंधु , क्षेत्रीय जनमानस की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आज रविवार अवकाश पर भी खुले रहेंगे निगम के कैश काउंटर

जबलपुर। करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के द्वारा अवकाश दिवस रविवार को भी नगर निगम के सभी संभागीय कार्यालयों एवं मुख्यालय के कैश काउंटर खोलने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने सभी संबंधितों को निर्देश दिये हैं। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने सभी करदाताओं एवं सभी शासकीय विभागों तथा संस्थाओं के प्रमुखों से इस सुविधा की लाभ उठाने की अपील की है।

कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज कराने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं की जायेगी बर्दास्त

बुनियादी व्यवस्थाओं में सुधार लाने निगमायुक्त ने की बैठक

जबलपुर। नगर निगम द्वारा शहर में बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाने नियमित रूप से नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार कार्य किये जा रहे हैं। इन सुविधाओं में और अधिक व्यापक रूप से सुधार लाने की आवश्यकताओं पर फोकस करते हुए निगमायुक्त ने अधिकारियों और सफाई ठेकेदारों के साथ संयुक्त रूप से बैठक की और सफाई ठेकेदारों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन लाने 100 प्रतिशत ई-अटेंडेन्स अनिवार्य है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने इसके लिए 30 अक्टूबर तक सभी सफाई ठेकेदारों को सुधार लाने तथा उपस्थिति ऑन लाइन दर्ज कराने की मोहलत दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि अक्टूबर पेड नवम्बर का भुगतान ई-अटेंडेन्स के आधार पर ही किया जायेगा। इस संबंध में सभी ठेकेदारों ने भी हस्ताक्षर कर सहमति दी है।

निगमायुक्त ने स्वच्छता के कार्यो में पारदर्शिता लाने यह भी निर्देशित किया है कि सुबह 06:30 बजे तक समस्त सफाई संरक्षकों की उपस्थिति दर्ज कराकर एक साथ खड़ाकराकर ग्रुप फोटो लेकर जिसमें स्पष्ट रूप से संख्या दिखाई दे फोटो ग्रुप में शेयर करें मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एवं संबंधित सफाई ठेकेदार। उन्होंने यह भी कहा कि निर्धारित बीटों पर तैनात सफाई संरक्षक ही नियमित रूप से काम करेगें। कर्मचारियों की अदला बदली बिना सक्षम स्वीकृति के नहीं करेगें। निगमायुक्त ने बैठक के दौरान हिदायत देते हुए सभी को निर्देशित किया कि कर्मचारियों की प्रमाणित उपस्थति दर्ज कराने में किसी भी प्रकार की कोई कोताही बर्दास्त नहीं की जायेगी।

समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने एक और बड़ा जनहित का निर्णय लेते हुए बताया है कि कठौंदा स्थित बंद पड़े वेस्ट टू एनर्जी प्लांट को नए सिरे से व्यवस्थित कराया जा रहा है। व्यवस्थित करने के बाद 15 नवम्बर से इस प्लांट को चालू किया जायेगा जहाँ वैज्ञानिक पद्धति से कचरे का निष्पादन कराया जायेगा। इससे वहाँ के लोगों को तथा आस-पास रहने वाले नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके लिए नगर निगम ने प्रयास तेज कर दिये हैं। बैठक में अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, प्रशांत गोटिया, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक यंत्री एवं स्वच्छता सेल के सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे, सहायक यंत्री आशीष पाठकर, तकनीकि अधिकारी बलेन्दु शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

बेलबाग और गोहलपुर थाना क्षेत्र में मारपीट की वारदाते

ब्लेड व चाकू के हमले से 3 युवक घायल

जबलपुर।

बेलबाग और गोहलपुर थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने तीन युवकों पर ब्लेड व चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

बेलबाग पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार वंशकार मोहल्ला निवासी 22 वर्षीय नवीन वंशकार गत रात लगभग 9.45 बजे अपने मोहल्ले में रोड में खड़ा था तभी रिश्ते का चाचा उमंग वंशकार उससे शराब पीने के लिए 500 रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर गालीगलौज कर ब्लेड से गर्दन पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी चाचा के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी तरह गोहलपुर में संस्कार सिटी गोहलपुर निवासी 17 वर्षीय कृष्णा कोष्टा अपने दोस्त आयुष साहू और शिवा रजक के साथ एक ही बाईक में दमोहनाका पुल के पास से अपने घर संस्कार सिटी परिसर वापस आ रहे थे दमोहनाका पुल के पास खडी एचएफ डीलक्स गाड़ी में उनकी गाड़ी का धक्का लग गया तो आयुष पाठक एवं लकी ठाकुर धक्का मारने की बात पर विवाद करने लगे, उसके बाद समझौता हो जाने पर कृष्णा अपने दोस्तों के साथ शिवानी ज्वलेर्स के पास आकर खड़े हुये लगभग 20 मिनिट बाद आयुष पाठक और लकी ठाकुर आए और गाली गलौज करते हुये शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो आयुष पाठक ने चाकू से हमलाकर शिवा के पीठ में चोट पहुँचा दी, कृष्णा कोष्टा ने बीच बचाव किया तो आयुष पाठक ने चाकू से हमलाकर उसके पीठ, हाथ एवं जांघ में चोटें पहुँचा दी तथा दोनों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

पहले धक्का देकर गिराया, फिर चाकू से किया हमला

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत पुराना जनपद हनुमान मंदिर के पास तीन बाईक पर सवार अज्ञात 6 बदमाशों ने एक युवक को पीछे से धक्का देकर गिराया और मारपीट कर चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 8 मझौली निवासी 50 वर्षीय सुनील बलराम कुमार राय गत शाम लगभग 4.20 बजे मोटर सायकल से तहसील कार्यालय मझौली से अपने घर जा रहा था जैसे ही पुराना जनपद हनुमान मंदिर के पास पहुॅचा तभी पीछे से एक मोटर सायकल वाले ने हाथ से धक्का मारकर उसे गिरा दिया, उसने गिराने का कारण पूछा तो दोनों अज्ञात लड़कों ने उसके साथ मारपीट कर दी उसके बाद पीछे से दो मोटर सायकल में दो-दो लड़के और आये और उन लोगों ने भी मारपीट की व दो अज्ञात लड़कों ने जान से मारने की नीयत से चाकू से उसके पेट, दोनों पैर की जांघ, कमर, में चोटें पहुंचाकर इंद्राना तरफ भाग गए। पुलिस ने अज्ञात 6 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जुआ, सट्टा, अवैध शराब कारोबारियों की धरपकड़

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ साथ चोरी, नकबजनी एवं मारपीट करने वाले आरोपियों को भी गिरफ्तार कर उनके पास से देशी, अंग्रेजी, कच्ची शराब और तीन चाकू जब्त किए है। कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में वाद विवाद करने वाले 72 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 23 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार फरार 44 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 15 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 25 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 93 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 4 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 1 तलवार, 3 चाकू जप्त किये गये।

सत्याग्रह स्थल पर पहुंचे भाजपा व कांग्रेस के नेतागण

प्रशासन को चकमा देकर रात्रि में ही गड्ढे में जाकर बैठ गये आन्दोलनकारी

भूमी समाधि सत्याग्रह आन्दोलन को कुचलने प्रशासन के पैंतरों को दरकिनार करते हुए लक्ष्य समिती सिहोरा के कार्यकर्ताओं ने निर्धारित कार्यक्रम के पूर्व भूमी समाधी लेकर सिहोरा को जिला बनाने की मांग की।

निर्धारित समय के पहले भूमि समाधि सत्याग्रह में सिहोरा जिला की मांग को लेकर प्रदर्शन

सिहोरा।

सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर आज क्षेत्रवासियों का आंदोलन उग्र रूप लेता जा रहा है। प्रशासन को चकमा देकर इस अनोखे आंदोलन में प्रदर्शनकारी अपने शरीर को गर्दन तक मिट्टी में गाड़कर सिहोरा को जिला घोषित करने की मांग कर रहे हैं विकास दुबे,सुनील जैन,के के कुररिया, अनिल जैन,संतोष वर्मा,संजय पाठक,रमा चौरसिया सहित अनेक लोगों ने भूमि समाधी सत्याग्रह आन्दोलन शुरु कर दिया था।

आंदोलन समिति ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि उनका यह संघर्ष पूरी तरह से लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण है। समिति का कहना है कि सिहोरा जिला बनने तक आंदोलन लगातार जारी रहेगा। विदित हो कल प्रशासन ने अन्दोलन कारियों द्वारा किये गड्डे भर दिये थे हालांकि समिति ने तुरंत नया स्थान तय कर लिया और घोषणा की कि आंदोलन किसी भी हालत में रद्द नहीं होगा।पुनः प्रशासन ने दबाव डालते हुए किसी भी कीमत पर आन्दोलन न करने की चेतावनी दी एंव तत्काल नये किये गये गड्डे भरवाने का प्रयाश किया लेकिन प्रशाशन के मंसूबों को भांपते हुए देर रात ही गड्डो में उतरकर आन्दोलन शुरु कर दिया।

भूमि सत्याग्रह स्थल पर पहुंचे नेता

सिहोरा जिला की मांग को लेकर प्रशासन को चकमा देकर एक दिन पहले ही प्रारम्भ किए गए भूमि समाधी सत्याग्रह आन्दोलन स्थल पर पूर्व विधायक दिलीप दुबे, कांग्रेस महासचिव राजेश चौबे सहित अनेक भाजपा कांग्रेस के नेता भी पहुंचे और मांग का समर्थन किया। सत्याग्रह स्थल पर पुलिस एंव प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे जिन्हें भारी भीड़ के चलते बैरंग लौटना पड़ा। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भूमि सत्याग्रह आन्दोलन जारी रहा।

आरटीओ की लापरवाही उजागरः ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई नहीं, बाईपास पर अवैध वसूली जारी!

पनागर।

क्षेत्र में परिवहन विभाग की लापरवाही और मनमानी खुलेआम देखने को मिल रही है। सूत्रों के अनुसार, जिला आरटीओ अमला द्वारा जबलपुर बाईपास और अन्य प्रमुख मार्गों पर ट्रक एवं भारी वाहनों से अवैध वसूली की जा रही है, जबकि ओवरलोड वाहन, धान सीटों से भरी गाड़ियाँ और कृषि यंत्र ले जाने वाले माजदा वाहन बेखौफ सड़कों पर दौड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरटीओ अमला की रुचि केवल वसूली में है, कार्रवाई में नहीं। बाईपास पर रोजाना सैकड़ों ओवरलोड वाहन गुजरते हैं, लेकिन किसी पर भी ठोस कार्रवाई नहीं होती। जनता का कहना है कि आरटीओ अमला को जनता की सुरक्षा या सड़क नियमों से कोई मतलब नहीं उन्हें सिर्फ ₹कमिश्नर और कलेक्शन से मतलब है। इस तरह की मनमानी से न सिर्फ सड़क हादसों का खतरा बढ़ रहा है, बल्कि सरकार की साख पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बडेरा जलाशय की ऐतिहासिक धरोहर पर जल संसाधन विभाग की घोर लापरवाही

पनागर

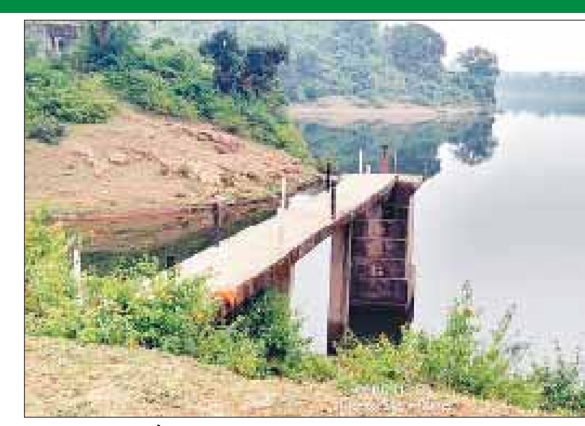

जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित ब्रिटिश काल की धरोहर बडेरा जलाशय और रेस्ट हाउस आज अपनी ऐतिहासिक पहचान के साथ दम तोड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों के दिल में कभी गौरव का प्रतीक रही यह इमारत अब जल संसाधन विभाग की नाकामी और भ्रष्ट मानसिकता की पहचान बन चुकी है। क्षेत्रवासी फूट-फूटकर कह रहे हैं "यह धरोहर हमारी संस्कृति का गौरव थी, जिसे विभाग ने अपने गैरजिम्मेदार रवैये से बर्बाद कर डाला।" जनप्रतिनिधियों से लेकर विभागीय अफसरों तक की घोर उदासीनता, मिलीभगत और भ्रष्टाचार ने इस स्थल की आत्मा को जख्मी कर दिया है।

सब-डिवीजनल अधिकारी एशडीओ का गैरजिम्मेदार बयान कि "रेस्ट हाउस का अब कोई उपयोग नहीं है" ने जनता के घावों पर नमक छिड़कने का काम किया है। यह बयान जनभावनाओं का खुला अपमान माना जा रहा है। ग्रामीणों ने खुलकर आरोप लगाए हैं कि पूर्व विधायक नरेंद्र त्रिपाठी की 2 करोड़ 35 लाख की स्वीकृत राशि को विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों ने मिलीभगत से हजम कर लिया, जबकि जमीनी स्तर पर एक ईंट तक का काम ढंग से नहीं हुआ।

अब क्षेत्र में जनाक्रोश चरम पर है। लोग खुलेआम कह रहे हैं कि "जल संसाधन विभाग अब विकास नहीं, विनाश का प्रतीक बन चुका है।" गांव के युवाओं ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही बडेरा रेस्ट हाउस और जलाशय का पुनर्निर्माण व सौंदर्यीकरण नहीं हुआ, तो वे जन आंदोलन और सत्याग्रह का बिगुल फूंकेंगे।

सिहोरा में गुरुनानक जयंती नगर कीर्तन आज

रागी जत्था का शब्द कीर्तन मुख्य आकर्षण

सिहोरा। हर व्यक्ति, हर दिशा, हर कण में है ईश्वर का संदेश देने वाले युगांतकारी युग दृष्टा महान दार्शनिक चिंतक क्रांतिकारी समाज सुधारक गुरुनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व जयंती पर नगर मे सिख धर्मावलंबियों द्वारा आज 26 अक्टूबर रविवार को भव्य नगर कीर्तन जुलूस निकाला जायेगा जो झंडा बजार स्थित गुरुद्वारे से दोफहर 3 बजे प्रारम्भ होगा एंव आजाद चौक,गौरी तिराहा,पुराना बस स्टेंड,मैना कुआं,महावीर चौक,काल भैरव चौक,झंडा बाजार से होकर कटरा मोहल्ला स्थित गुरुद्वारे में संपन्न होगा। नगर कीर्तन पंच प्यारे की अगुवाई में निकलेगा तथा पूरे मार्ग में सतनाम सिंह रांझी के रागी जत्था द्वारा प्रस्तुत गुरुवाणी शबद कीर्तन मुख्य आकर्षण रहेगा।

चण्डी मड़ई मेले में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, हजारों भक्तों ने किए माता के दर्शन

मझौली

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य चण्डी मड़ई मेले का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह पारंपरिक मेला सैकड़ों वर्षों से निरंतर मनाया जा रहा है और इस वर्ष भी इसका आयोजन कुम्हार चक्रवती समाज के द्वारा किया गया। मेले के पुजारी सुरेश कुम्हार ने बताया कि, "हमारे पूर्वजों द्वारा कई वर्षों से चण्डी मड़ई मेले का आयोजन किया जाता रहा है, अब इस परंपरा को हम आगे बढ़ा रहे हैं।" उन्होंने बताया कि यह मेला तहसील का सबसे बड़ा चण्डी मड़ई मेला माना जाता है।

मेले में आसपास के कई जिलों से तथा दूर-दराज़ क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने माता की परिक्रमा की और अपनी मनोकामनाएं मांगीं। मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु यहां माता से सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

मेले में अहीर समुदाय के नाचते-गाते जत्थे भी पहुंचे, जिन्होंने पारंपरिक गीतों और नृत्य के माध्यम से माता की आराधना की। उनके साथ बड़ी संख्या में भक्तगण भी शामिल हुए और सभी ने चण्डी माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शराबी ने जहर खाकर की आत्महत्या

जबलपुर। पाटन थाना अतंर्गत कुमगवां में एक शराबी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुमगवां निवासी 56 वर्षीय लोचन प्रसाद चौधरी शराब पीने के आदि थे। गत रात लगभग 10 बजे रोज की तरह लोचन शराब के नशे में घर आया और अपने कमरे में जाकर थोड़ी देर बाद रात लगभग 10.30 बजे उल्टी करने लगा। उसका बेटा मनीष चौधरी ने उपचार के लिए अपने पिता को पाटन शासकीय अस्पताल लेकर गया, जहां डॉक्टर ने चैक कर लोचन प्रसाद चौधरी को मृतक घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

केदारनाथ मिश्रा जी जैसे लोग कभी भुलाये नहीं जा सकते

श्रद्धांजलि सभा में अनेक वक्ताओं ने किया दिल से याद

जबलपुर।

आज से चालीस, पचास साल पहले केदारनाथ जी ने यह अच्छी तरह समझ लिया था कि आने वाले समय विज्ञापन का है। तब न कंप्यूटर था और न डिजिटल फोटो और न वर्तमान के आधुनिक संसाधन। फिर भी उन्होंने आरके एडवरटाइजिंग एजेंसी की स्थापना की और उसे अपनी मेहनत, सूझबूझ और मिलनसारिता के बल पर सफलता के शिखर पर पहुंचाया। इसी तरह जब शाम के अखबार का चलन न के बराबर रहा। तब स्व. मिश्रा ने हिंदी एक्सप्रेस की शुरुआत का रिस्क लिया और वह कुछ ही समय में जबलपुर की आवाज बन गया। इसके अलावा उन्होंने और भी ऐसे काम किए। जिनकी वजह से 24 अक्टूबर शुक्रवार को होटल समदड़िया में संपन्न श्रद्धांजलि सभा यादगार बन गई। समाज के सभी वर्ग के प्रतिष्ठित नागरिक इसमें बड़ी संख्या में शामिल हुए और उनके साथ बिताए पल को साझा किया। सभी ने कहा कि पं,मिश्रा का व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणादायी है। उनका काम करने का जुनून आज की युवा पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने आरके एडवटाइजर्स के साथ हिन्दी एक्सप्रेस की स्थापना की। उन्होंने 10 वर्ष तक युग धर्म अखबार का प्रकाशन भी किया कया। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि मैं बचपन से श्री मिश्रा को जानता हूं। वह मेरे पिताजी के दोस्त थे। उनका काम करने के प्रति लगाव हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि जब मैं राजनीति शुरू कर रहा था तो हमेशा पं. केदारनाथ मिश्रा मार्गदर्शन करते थे। वे कहते थे कि हमेशा राजनीति खुलकर करनी चाहिए। वह राजनीति की पाठशाला थे। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने श्री मिश्रा को श्रद्धासुमन अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। अजित समदड़िया, वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई, डॉ अभिलाष पाण्डेय, पूर्व महापौर प्रभात साहू, कमल ग्रोवर,आशीष कोठरी, आलोक मिश्रा आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

सभा में ऐसे लोग भी रहे। जिनके पिता के साथ केदारनाथ जी का आत्मीय संबंध रहा और उनने वहीं रिश्ता पुत्र के साथ भी बरकरार रखा। व्यापार और उद्योग जगत के साथ-साथ राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और चिकित्सा क्षेत्र की मशहूर हस्तियों ने स्व मिश्रा के कृतित्व और व्यक्तित्व की हृदय से प्रशंसा करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किये। सभी वक्ताओं ने भरे दिल से स्व मिश्रा की व्यवहारिकता, सहजता, सरलता और कर्मठता के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उन जैसे लोग कभी, कभी जन्म लेते हैं। उनसे प्रेरणा ली जा सकती है कि ग्रामीण पृष्ठभूमि का होने के बाद भी शहरी जीवन को कैसे आत्मसात किया जा सकता है। वह हमेशा जमीन से जुड़े रहे और धर्म-आध्यात्म की डोर को मजबूती से थामे रखा। ऐसे लोग बिरले ही होते हैं, जिन्हें मृत्यु के बाद भी शिद्दत से मन, मस्तिष्क में रखा जाता है। पत्रकारिता में उनके योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। संचालन उनके साथी रविंद्र बाजपेई, आभार प्रदर्शन पंडित केदारनाथ मिश्रा के पुत्र संजय मिश्रा, पौत्र विवेक मिश्रा, शुभम मिश्रा व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को श्री मिश्रा का इलाज के दौरान जबलपुर में परलोक गमन हो गया था। अंत्येष्टि सहित अन्य सभी संस्कार गृहग्राम मदारढीह जिला सुल्तानपुर यूपी में संपन्न हुए।

राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में एमएलबी स्कूल को पहला स्थान मिला

जबलपुर।

भारत विकास परिषद, जबलपुर शाखा द्वारा , शाखा स्तरीय , ₹राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता₹ आयोजित की गई। इस अवसर पर जबलपुर शहर की विभिन्न शालाओं ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। आतः ,यही टीम प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता जो की 26 अक्टूबर को दमोह में आयोजित होने जा रही है , उसमें शामिल होगी। द्वितीय स्थान शासकीय पंडित लज्जा झा मॉडल शाला को प्राप्त हुआ।

समूह गान कार्यक्रम हेतु महारानी लक्ष्मी बाई शाला की प्रभारी प्राचार्य मंजूषा बबेले , समिता जग्गी का विशेष सहयोग रहा। जबलपुर शाखा की ओर से डॉ निलेश पांडे , रामकृष्ण चौकसे , जितेंद्र कुलकर्णी, श्रीमती का सरोज चौकसे , श्रीमती मौली जैन, संजीव जैन , अनंत डीके तथा कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुशवाहा उपस्थित रहे।

सीनियर विक्रम अवार्डी वेट लिफ्टर श्री नर्वदेश्वर पांडे का निधन

जबलपुर। मध्यप्रदेश व जबलपुर के उत्कृष्ट वेटलिफ्टर नर्वदेश्वर पांडे का 25 अक्टूबर को निधन हो गया। उल्लेखनीय है कि नर्वदेश्वर पांडे को वेट लिफ्टिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए वर्ष 1980 में विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे नलिन पांडे व नितिन पांडे के पिताजी हैं। अंतिम यात्रा 26 अक्टूबर को 12 बजे निज निवास स्टेट बैंक कॉलोनी गोरखपुर से गुप्तेश्वर मोक्षधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

श्री प्यारे रजक- पुराने ग्वारीघाट रेलवे स्टेशन के पास निवासी श्री प्यारे रजक (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री फग्गू लाल सोनकर- भरतीपुर निवासी श्री फग्गू लाल सोनकर (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गोपाल गुरूंग- राजीव नगर चेरीताल निवासी श्री गोपाल गुरूंग (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरबद चौधरी- राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री नरबद चौधरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मोनू सेन- ग्वारीघाट पुलिस थाने के सामने निवासी श्री लोचन सेन के पुत्र श्री मोनू सेन (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अठई लाल प्रजापति- वल्दी कोरी की दफाई निवासी श्री अठई लाल प्रजापति का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण चंद शांडिल्य- न्यू शोभापुर निवासी श्री नारायण चंद शांडिल्य (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रमिला शर्मा- घोड़ा नक्कास हनुमानताल निवासी श्री कुल भूषण शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला शर्मा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती तारा देवी राजपूत- शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री संत लाल राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती तारा देवी राजपूत (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. सरिता बर्मन- कृषि उपज मंडी के पास विजयनगर निवासी श्री बसंत बर्मन की पुत्री कु. सरिता बर्मन (17) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विद्या देवी यादव- छापर विजयनगर रामपुर निवासी श्री राम चरण यादव की धर्मपत्नी श्रीमती विद्या देवी यादव (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रंजीत सिंह- सीएमएम सीता पहाड़ निवासी श्री विजय सिंह के पुत्र श्री रंजीत सिंह (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती हंसा बाई पटेल- अग्रवाल कॉलोनी निवासी श्री प्रताप चंद्र पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती हंसा बाई पटेल (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लाल बाबू प्रसाद- चग्गर फार्म तिलहरी निवासी श्री लाल बाबू प्रसाद (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती शारदा अम्माल- गोराबाजार केंट निवासी श्री वीएम स्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती शारदा अम्माल (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कजरवारा में चंडी मेला कल

जबलपुर।

कजरवारा में स्वर्गीय नारायण प्रसाद यादव की स्मृति में 27 अक्टूबर सोमवार को चंडी मेले का आयोजन श्री राम मंदिर प्रांगण में किया जा रहा है। मेले में भीटा, टेमर, सिद्ध नगर,बिलहरी, गधेरी, कजरवारा के ग्वाल माई चंडी, माल बाबा की पूजन कर अहीर नृत्य करेंगे, झूमर, छाल,मृदंग के साथ दिवारी गीत का कार्यक्रम होगा , समाज के उच्च सामाजिक कार्य करने वालों का सम्मान किया जाएगा। राम मंदिर समिति कजरवारा के सुरेश उपाध्यय , अनिल यादव, अटल उपाध्याय,रामकुमार ठाकुर, जबाहर बारकडे, नरेंद्र उपाध्याय, अभय उपाध्याय,विजय महोबिया, गोबिंद यादव, मिलन ठाकुर, राहुल यादव, नमन उपाध्याय,प्रकाश यादव, राहुल कुशवाहा, रोशन सेन, सतीश कुशवाहा, रज्जन यादव, अज्जू यादव, अरुण चौकसे, संदीप सोनी, अमित झारिया,कार्तिक यादव, गणेश यादव ने व्यापारी बंधुओं से दिन में स्थान सुरक्षित करने झूले वालों से समय पर सुरक्षित झूला लगाने के साथ ही ग्वाल बाल, पुलिस प्रशासन से मेले में पहुंचने की अपील की है।

मां माला देवी गढ़ा पुरवा में 109 दीप प्रज्जवलन व गोंगों पाठ कल

जबलपुर। भारतीय सर्व जनजाति सेना के तत्वाधान में दीवाली के महापर्व पर 27 अक्टूबर दिन सोमवार को सांय 4 बजे गोंडवाना की कुलदेवी मां माला देवी गढ़ा पुरवा, जबलपुर में छठ पर्व के पावन अवसर पर 52 गढ़ 57 परगना को समर्पित 109 दीप प्रज्ज्वलित कर गोंगों पाठ किया जायेगा, जिसमें समस्त सगाजन उपस्थित होंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्र कुमार कुलस्ते, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धनराज सिंह पुसाम, राष्ट्रीय महासचिव शैलेश सिंह, मदन सिंह तराम, छोटेलाल परते, आनंदीलाल परस्ते, तुलसीराम तेकाम, रमेश धुर्वे, उमा धुर्वे, मानकी उइके, गायत्री मरावी, भागवती पुसाम, राकेश भलावी, दीपक मरावी, गुलाब कुलस्ते, लखन कुलस्ते, कृपा गोंड, बसंत धुर्वे, लखन धुर्वे, राजकुमार उईके आदि ने सामाजिक बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- सें.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- सें.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज सें.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

खबर संक्षेप

27 से 31 अक्टूबर तक 'शिकायत निवारण सप्ताह'

भोपाल। राज्य के सामान्य भविष्य निधि अभिदाताओं की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर में 27 से 31 अक्टूबर तक 'शिकायत निवारण सप्ताह' आयोजित किया जा रहा है। यह पहल महालेखाकार कार्यालय की ओर से अभिदाताओं की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने और सेवा वितरण में पारदर्शिता एवं दक्षता लाने के उद्देश्य से की जा रही है। अभियान के दौरान जीपीएफ अभिदाताओं को शिकायतें सीधे महा लेखाकार कार्यालय, ग्वालियर में प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। अधिकारी अभिदाताओं की शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करवा सकेंगे।

पेंशनरों को महंगाई राहत में वृद्धि

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा एक जून 2005 के बाद सेवानिवृत्त सभी पेंशनरों/परिवार पेंशनरों एवं 80 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के पेंशनरों को मप्र शासन के वित्त विभाग के अनुरूप एक सितंबर 2025 से छठवें वेतनमान के अनुसार 252 प्रतिशत एवं सातवें वेतनमान के अनुसार 55 प्रतिशत महंगाई राहत देने के आदेश जारी कर दिए हैं। सेवानिवृत्त पेंशनर और परिवार पेंशनर को छठवें वेतनमान के अनुसार एक सितंबर 2025 से छह प्रतिशत की वृद्धि एवं सातवें वेतनमान के अनुसार दो प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इस आदेश के उपरांत माह सितंबर 2025 से बढ़ी हुई महंगाई राहत राशि का भुगतान माह अक्टूबर 2025 की पेंशन/परिवार पेंशन के साथ किया जाएगा।

बिजली कंपनीः वाट्सएप चैटबोट सुविधा प्रारंभ की

भोपाल। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी टीम की ओर से उपभोक्ता सुविधा के लिए वाट्सएप चैटबोट व्यवस्था प्रारंभ की है। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के समक्ष इस नई व अत्याधुनिक व्यवस्था का प्रस्तुतिकरण व अनौपचारिक शुभारंभ हुआ। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपभोक्ताओं को अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से वाट्सएप से 7312426395 पर Hi लिखना होगा। इसके बाद हिंदी अंग्रेजी भाषा के विकल्प का चयन कर प्रीपेड बिल, पोस्टपेड बिल, पास बुक, प्रीपेड कनेक्शन होने पर वालेट में उपलब्ध बैलेंस विवरण दो सेकंड में ही प्राप्त हो जाएगा।

भोपाल में ग्रोथ हब का शुभारंभ विकास के साथ रणनीति तैयार करने पर हुई बैठक

सीएस बोले- सुविचारित आर्थिक योजना से सशक्त होंगे बड़े शहर, अनियंत्रित शहरी विकास पर भी कंट्रोल पाया जा सकेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देने के उद्देश्य से मंत्रालय में बैठक हुई। बैठक में ग्रोथ हब पहल का शुभारंभ किया गया। नीति आयोग और मध्य प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से इंदौर एवं भोपाल क्षेत्रों के लिए व्यापक और लॉन्ग टर्म आर्थिक विकास रणनीति तैयार करने की दिशा में इसे बड़ा प्रयास बताया गया। इस अवसर पर नीति आयोग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर एना रॉय ने किया। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि सुविचारित आर्थिक योजना से न केवल इन क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, बल्कि अनियंत्रित शहरी विकास पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा।

एना रॉय ने बताया कि इंदौर और भोपाल आर्थिक क्षेत्रों के लिए समग्र आर्थिक मास्टर प्लान अगले वित्त वर्ष के प्रारंभ तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है और नीति आयोग इस दिशा में राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देगा। ग्रोथ हब पहल के प्रथम चरण में इंदौर आर्थिक क्षेत्र (इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, खरगोन, रतलाम, शाजापुर, खंडवा) और भोपाल आर्थिक क्षेत्र (भोपाल, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन क्षेत्रों के लिए आर्थिक प्रोफाइल, प्राथमिक परियोजना सूची और क्रियान्वयन रोडमैप तैयार किया जाएगा। दूसरे चरण में जबलपुर, सतना-रीवा, सागर और ग्वालियर क्षेत्रों को भी शामिल किया जाएगा।

खास बातें

- भोपाल और इंदौर के आर्थिक क्षेत्रों के लिए समग्र आर्थिक मास्टर प्लान अगले वित्त वर्ष के प्रारंभ तक तैयार करने का लक्ष्य
- दूसरे चरण में जबलपुर, सतना-रीवा, सागर और ग्वालियर क्षेत्रों को भी शामिल किया जाएगा

आर्थिक प्रोफाइल, प्रमुख अवसर, बाधाएं और 90 दिवसीय कार्ययोजना साझा की

बैठक के दौरान नीति आयोग ने पहल का प्रेजेंटेशन दिया गया। संबंधित जिलों ने अपनी आर्थिक प्रोफाइल, प्रमुख अवसर, बाधाएं और 90-दिवसीय कार्ययोजना साझा की। बैठक में स्टियरिंग कमेटी व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा में त्वरित कार्यों पर सहमति बनी जिनमें कॉमन फैसिलिटी सेंटर्स, प्लग-एंड-प्ले संरचना, एंटरप्राइज सपोर्ट सेंटर्स, लॉजिस्टिक्स-वेयरहाउसिंग, कौशल एवं अप्रेंटिसशिप, निवेश-प्रोत्साहन और एकीकृत मास्टर प्लानिंग जैसे बिंदु शामिल हैं।

बेहतर ईज ऑफ लिविंग तय की जाएगी

यह पहल विकसित मध्यप्रदेश के दृष्टिकोण से नागरिकों को सुखद जीवन, रोजगार अवसर और सांस्कृतिक गौरव देने की दिशा में कार्यरत है। कार्यक्रम के माध्यम से परियोजना-आधारित क्रियान्वयन, नीति सरलीकरण, भूमि आपूर्ति, एकीकृत संरचना और निवेश प्रोत्साहन के जरिए राज्य में उच्च वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण आजीविका और बेहतर ईज ऑफ लिविंग तय की जाएगी। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी संजय कुमार शुक्ल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग ऋषि गर्ग और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पचास से ज्यादा, कम उम्र वाले पदाधिकारियों की संख्या फिफ्टी-फिफ्टी

हेमंत की टीम में वरिष्ठों युवाओं का समन्वय

कुछ समाजों और अंचलों से उठे विरोध के स्वर पत्र लिख कर किया विरोध

कार्यकारिणी में 60 की उम्र पार वाले दो नेताओं को मिली जगह

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

विश्लेषण

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा लगभग सवा तीन माह बाद घोषित प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर 'कहीं खुशी-कहीं गम' के हालात हैं। टीम पहले की तुलना में युवा है। वरिष्ठों और युवाओं के बीच समन्वय बनाने की कोशिश की गई है। टीम के सिर्फ दो पदाधिकारी प्रभुराम चौधरी और रणवीर सिंह रावत ही 60 से ज्यादा उम्र के बताए जा रहे हैं।

शेष पदाधिकारियों में आधे की उम्र 50 से ज्यादा और आधे की 50 से कम है। अर्थात संतुलन के लिए फिफ्टी- फिफ्टी का फार्मूला अपनाया गया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के खास समर्थक टीम में नहीं लिए गए, लेकिन उनकी टीम के एक दर्जन से ज्यादा पदाधिकारियों को फिर जगह मिली है।

सांसदों-विधायकों को देना पड़ गई जगह

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल से जुड़े सूत्र बता रहे थे कि इस बार कार्यकारिणी में सांसदों-विधायकों को पदाधिकारी नहीं बनाया जाएगा, इनके स्थान पर अन्य नेताओं को जगह मिलेगी, लेकिन लोकसभा सदस्य लता वानखेड़े और राज्यसभा सदस्य सुमेर सिंह सोलंकी को महामंत्री बना दिया गया। इनके अलावा विधायक प्रभुराम चौधरी और मनीषा सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है। टीम में इन्हें पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति- जनजाति और महिला वर्ग से शामिल होना बताया जा रहा है।

पहली बार ही बना दिए गए महामंत्री, उपाध्यक्ष

भाजपा का सामान्य नियम है कि किसी नेता को सीधे प्रदेश महामंत्री और उपाध्यक्ष का दायित्व नहीं सौंपा जाता। इस बार इस नियम का भी पालन नहीं किया गया। टीम में कई ऐसे नेताओं को इन पदों को दायित्व मिल गया, जो निचले पदों पर नहीं रहे, जबकि रजनीश अग्रवाल जैसे नेता संगठन में लगातार रहने के बावजूद मंत्री ही बने रहे गए। अग्रवाल के पास हमेशा संगठन के प्रमुख दायित्व रहते हैं। यह स्थित तीन अन्य मंत्रियों सहित कुछ अन्य नेताओं की भी है।

सामान्य वर्ग के नेता पड़े सब पर भारी

भाजपा में आम तौर पर पिछड़े वर्ग को ज्यादा प्रतिनिधित्व दिया जाता है, लेकिन इस बार की टीम में सामान्य वर्ग सब पर भारी पड़ा है। इस वर्ग से 14 नेताओं को जगह मिली है। दूसरे नंबर पर पिछड़ा वर्ग के 6, आदिवासी वर्ग से 3 और दलित वर्ग से सिर्फ 2 नेताओं को ही पदाधिकारी बनाया गया है। मालवा-निमाड़ से सबसे ज्यादा 11 पदाधिकारी बने हैं। दूसरे नंबर पर मध्य भारत और चंबल-ग्वालियर अंचल से 5-5 पदाधिकारी बनाए गए हैं। बुंदेलखंड और विंध्य अंचल सबसे पीछे हैं।

हितानंद की सलाह को मिला ज्यादा महत्व

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में हर प्रमुख नेता के समर्थकों को जगह मिली है, लेकिन संगठन महामंत्री हितानंद की सलाह को सबसे ज्यादा महत्व मिला है। टीम में आरएसएस के कोटे से शैलेंद्र बरुआ, श्याम महाजन, नंदिता पाठक, सुरेंद्र शर्मा और जसपाल चावड़ा को जगह मिली है। इनमें बरुआ, महाजन और चावड़ा संगठन मंत्री रह चुके हैं। इनके अलावा कांतिदेव सिंह, गौरव रणदिवे और लोकेंद्र पाराशर को भी हितानंद के ही कोटे का माना जा रहा है। दूसरे नंबर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 3 समर्थक प्रभुलाल जाटव, राहुल कोठारी और आशीष अग्रवाल पदाधिकारी बने हैं। शिवराज सिंह चौहान कैम्प से राजेंद्र सिंह, बबिता परमार और ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमे से प्रभुराम चौधरी, रणवीर रावत को स्थान मिला है। टीम में पहली बार नरेंद्र सिंह तोमर समर्थक दिखाई नहीं पड़ते। खंडेलवाल की नई टीम के ऐलान के बाद विंध्य और बुंदेलखंड अंचल से विरोध के स्वर उभरे हैं। लोधी और गुर्जर समाज के नेताओं ने अपने समाज को प्रतिनिधित्व न दिए जाने का मामला पत्र लिखकर उठाया है। ये पत्र सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया है।

40 शहरों में आयोजित हुआ मेला

डाक विभाग के 17वें रोजगार मेले में प्रधानमंत्री मोदी के संदेश के साथ 248 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा शुक्रवार को 17वां रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस अवसर पर डाक विभाग सहित रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, एसएमएस, गृह विभाग के माध्यम से देशभर के युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया। इस मेले में कुल 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

भोपाल में आयोजित मेला समारोह में 248 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश के प्रसारण से हुआ। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि नियुक्ति केवल रोजगार नहीं, बल्कि देश सेवा का माध्यम है। उन्होंने नव नियुक्त कर्मियों से ईमानदारी और नागरिक सेवा की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है और यह युवा शक्ति देश के विकास की आधारशिला है। अब तक लगभग 11 लाख से अधिक युवाओं को विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में रोजगार प्रदान किया जा चुका है। कार्यक्रम में सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, सतीश मालवीय सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। सांसद आलोक शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि यह रोजगार मेला प्रधानमंत्री की दूरदर्शी नीति का परिणाम है। नव नियुक्त कर्मियों को ईमानदारी से अपने विभाग का नाम ऊंचा करना चाहिए। मुख्य पोस्टमास्टर जनरल बृजेश कुमार ने कहा कि चयनित अभ्यर्थियों को जो नियुक्ति-पत्र सौंपे जा रहे हैं, वे सीधे जनसेवा से जुड़े हैं। कार्यक्रम का संचालन सहायक पोस्टमास्टर जनरल ने किया और अंत में पवन कुमार डांगनिया निदेशक डाक सेवाएं ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

नक्सलियों ने दो ग्रामीणों को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

नक्सलियों ने एक बार फिर दहशत फैलाने की कोशिश करते हुए खूनी वारदात को अंजाम दिया है। उसूर इलाके में बीती रात दो ग्रामीणों की निर्मम हत्या कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, बीती रात जिले के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम नेलाकांकेर में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी निर्ममता से हत्या कर दी। मृतकों की पहचान रवि कटटम और तिरूपति सोढी के रूप में हुई है। इधर नक्सलियों के द्वारा धारदार हथियार से मारकर हत्या करने की सूचना उसूर थाना को मिली है। सूचना पर थाना उसूर द्वारा घटना की तस्दीक की जा रही है।

मालगाड़ी के एक डिब्बे के चार पहिए पटरी से उतरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

अहिवारा से भिलाई 3 जा रही मालगाड़ी जामुल के पास पटरी से डिरेल हो गई। मालगाड़ी को एक डिब्बे के चार चक्का पटरी से उतर गई। इस घटना की जानकारी लगने पर रेलवे के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद पटरी से उतरे चक्के को पटरी पर लाकर रवाना किया गया।

अहिवारा के जेके लक्ष्मी सीमेंट प्लांट के सेटिंग एसए सीमेंट लोडकर भिलाई 3 की ओर आ रही मालगाड़ी तड़के 3 बजे जामुल के पास मालगाड़ी के एक डिब्बा के 4 चक्का पटरी से डिरेल हो गई। इस घटना की जानकारी लगाने पर रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचकर हाइड्रोलिक जैक के माध्यम से डिब्बे के पहिए को पटरी पर फिर से लाया गया और पूरी तरह से जांच के बाद मालगाड़ी को आगे की ओर रवाना किया गया। आपको बता दे कि यह रेलवे लाइन सिंगल लाइन और इस लाइन पर मालगाड़ी की आवाजाही होती है जिसके चलते कोई भी ट्रेन की आजावही प्रभावित नही हुई है।

आपत्तिजनक सामग्री, ब्रोशर, सर्विस डिटेल, रजिस्टर जब्त

दो अलग-अलग स्पा सेंटरों पर पुलिस ने मारा छापा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने सूर्या मॉल पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया।

जहां से पुलिस को दो स्पा सेंटरों से महिला और पुरुष को आपत्तिजनक स्थिति में मिले। पुलिस महिला और पुरुष को हिरासत में लेकर थाने लेकर पहुंची और इनके खिलाफ पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए विवेचना में जुट गई है। पुलिस ने नेहरू नगर के वेलनेस स्पा एंड सैलून (जुनवानी रोड) और लरेंजो स्पा में छापेमारी की। पहली स्पा में दो महिलाएं और दो पुरुष, वहीं दूसरी स्पा में तीन महिलाएं और दो पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री, ब्रोशर, सर्विस डिटेल और रजिस्टर जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि दोनों स्पा सेंटर संचालकों और पकड़े गए सभी व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस एक्ट (अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम) के तहत कार्रवाई की गई है। महिला पुलिस और एसपी के नेतृत्व में दो अलग-अलग टीमों ने एक साथ छापेमारी की। पुलिस को देखते ही स्पा संचालक भागने लगे, लेकिन महिला टीम ने उन्हें दबोच लिया। स्मृति नगर में इस तरह के दर्जनों स्पा सेंटर संचालित हैं और इससे पहले भी सूर्या मॉल स्थित स्पा सेंटरों पर पुलिस छापेमारी कर चुकी है। पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए छापेमारी की और प्रभावित महिलाओं से पूछताछ कर रही है। स्मृति नगर में अवैध रूप से चल रहे स्पा सेंटरों पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

आयुक्त ने टीकमगढ़ नगर पालिका के 4 कर्मचारियों को किया निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने टीकमगढ़ नगरपालिका परिषद के 4 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित कर्मचारियों के संबंध में टीकमगढ़ विधायक यादवेन्द्र सिंह ने शिकायत की थी। नगरीय प्रशासन संचालनालय की ओर से कार्यपालन यंत्री सागर को विधायक की शिकायत की जांच के निर्देश दिए गए थे। प्राप्त जांच प्रतिवेदन में 4 कर्मचारियों को दोषी पाया गया। दोषी कर्मचारियों की ओर से अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही, उदासीनता और अनुशासनहीनता पाई गई। निलंबित कर्मचारियों में टीकमगढ़ नगरपालिका परिषद के तत्कालीन उपयंत्री विजय सोनी और बीके चतुर्वेदी, तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी गीता मांझी तथा सहायक ग्रेड-3 सूर्या नायक दोषी पाए गए। निलंबन अवधि में गीता मांझी का मुख्यालय कार्यालय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल निर्धारित किया गया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./55/व.ले.लि./का.यं./ लो.स्वा.यां. / 2025 — डिण्डौरी, दिनांक 16.10.2025

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly sealed) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 17.10.2025 को शाम 18.30 बजे से दिनांक 31.10.2025 को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्र.	नि.सू. क.	वि.सं./ जिला	विवरण	अनु.लागत (PAC) (रू. में)	धरोहर राशि (PAC) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	रिमार्क
1	2025_PHED_458321_1	55	शहपुरा	Piped Water Supply Scheme in Eklavya Adarsh Awasiya Vidhyalaya Shahpura Block Shahpura District- Dindori	55.08	55080.00	10000.00	

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
डिण्डौरी (म.प्र.)

G-20519/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-रीवा
माधवराव सप्रे मार्ग,(मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू. क्रं 05/एन.एच.एम/2025-26/668 — भोपाल दिनांक 22/10/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग रीवा की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से (www.mptenders.gov.in) (Department of Directorate of Heath Services) दो लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू.लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर.01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:

ई-निविदा सूचना क्रमांक- 05/2025-26 दिनांक 22.10.2025

स. क्रं	टेण्डर नं. 2025 DHS	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रू.	टेण्डर दर राशि रू.	समय सीमा वषार्काल सहित
1	2025_DHS _458501	जिला चिकित्सालय शहडोल के परिसर में इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (IPHL) की स्थापना हेतु भवन निर्माण का अतिरिक्त सिविल एवं विद्युत कार्य ।(प्रथम तल में)	81.94	81,940.00	10000.00	06 माह
2	2025_DHS _458502	जिला सतना विकासखण्ड नागौद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नागौद में ब्लाक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना कार्य ।	42.37	50,000.00	5000.00	06 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट (http://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र आनलाईन दिनांक 24.10.2025 प्रात: 10 :30 से दिनांक 06.11.2025 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट (http://www.mptenders.gov.in) पर प्रकाशित किया जायेगा एवं समाचार पत्रों मे नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग - रीवा

G-20529/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

देश बिहार विधानसभा के चुनाव को बहुत ही अधिक आतुरता और जिज्ञासा के साथ देख रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम वस्तुतः सन् 2027 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए निर्णायक तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जो भी राष्ट्रीय चुनाव गठबंधन इस चुनाव को जीतेगा, संभवतया वही, राजनीतिक गठबंधन लोकसभा के आगामी चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर अपने पक्ष में एक सकारात्मक वातावरण को तैयार कर सकता है। अतः राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन ने पूरी ताकत बिहार विधानसभा के चुनाव में झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान ने बिहार चुनाव को तेजतर स्तर पर पहुंचा दिया है। नीतीश कुमार भी चुनाव को धार दे रहे हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को अंतिम मतदाता तक पहुंचाने में तो कामयाब रहे हैं, लेकिन वोट कितने मिलेंगे ये कहना अभी जल्दबाजी होगी। राहुल गांधी तेजस्वी को आगे करके चुनाव पर वोट चोरी का रंग चढ़ाने में लगे हैं। मुकेश सहनी राजनीतिक सौदेबाजी करके उपमुख्यमंत्री पद के दावेदार तो हो गए, लेकिन महागठबंधन को इससे फायदा होगा या नुकसान इसी का आंकलन करता *आजकल* का यह खास अंक...

सियासत की राह तय करेगा बिहार चुनाव

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

सियासी मामलों के जानकार

> **विधानसभा चुनाव में इस दफा नौजवानों के वोट निर्णनायक सिद्ध होने जा रहे हैं। नेपाल की जेनजी आंदोलन से प्रेरित होकर बिहार के युवाजन एक नए तेवर में राजनीति को निहार रहे हैं और इसको बदलने के लिए कमर कस रहे हैं। बिहार में बेरोज़गार युवाओं की संख्या संभवतः देश में सबसे अधिक है। इस दफा बिहार चुनाव में जातिगत समीकरण कुछ परिवर्तित हो सकते हैं। उनको उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का पैगाम वस्तुतः महागठबंधन के समर्थकों के मध्य नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है जिससे महागठबंधन को भारी क्षति हो सकती है।**

आजकल समस्त देश बिहार विधानसभा के चुनाव को बहुत ही अधिक आतुरता और जिज्ञासा के साथ देख रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम वस्तुतः सन् 2027 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए निर्णायक तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जो भी राष्ट्रीय चुनाव गठबंधन इस चुनाव को जीतेगा, संभवतया वही राजनीतिक गठबंधन लोकसभा के आगामी चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर अपने पक्ष में एक सकारात्मक वातावरण को तैयार कर सकता है। अतः राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने और महागठबंधन ने पूरी ताकत बिहार विधानसभा के चुनाव में झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए चुनाव अभियान के द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव को तेजतर स्तर पर पहुंचा दिया गया है। सबसे पहले नरेंद्र मोदी ने बिहार के समाजवादी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव जाकर एनडीए के चुनाव प्रचार अभियान का आगाज किया और 45 मिनट की अपनी तकरीर में 17 दफा बिहार के राजद दौर के जंगल राज़ का उल्लेख किया। महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया। बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व संभालते ही तेजस्वी यादव ने बकायदा ऐलान कर दिया कि अगर महागठबंधन सत्तासीन हुआ तो पहली कैबिनेट बैठक में ही दस लाख सरकारी नौकरियों की मंजूरी प्रदान कर देंगे। वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फरमाया है कि तेजस्वी यादव एक असंभव चुनावी वादा कर रहे हैं और युवाजनों को एक झूठा सपना दिखा रहे हैं।

युवाओं के वोट होंगे निर्णायक

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में इस दफा नौजवानों के वोट निर्णनायक सिद्ध होने जा रहे हैं। नेपाल की जेनजी आंदोलन से प्रेरित होकर बिहार के युवाजन एक नए तेवर में राजनीति को निहार रहे हैं और इसको बदलने के लिए कमर कस रहे हैं। बिहार में बेरोज़गार युवाओं की संख्या संभवतः देश में सबसे अधिक है। देशभर में तकरीबन 20 प्रतिशत नौजवान बेरोजगारी से संत्रस्त हैं। 2024 में महागठबंधन का परित्याग करके नीतीश कुमार पुनः एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए। सत्य है कि नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में अब पहले जैसे चमकते हुए राजनीतिक सितारे नहीं रह गए हैं।

नीतीश का उत्तराधिकारी कौन

नीतीश कुमार कुछ अस्वस्थ हैं और पहले जैसा राजनीतिक तेवर उनके अंदर कदाचित नहीं बचा हैं। उनका उत्तराधिकारी कौन बनेगा अभी नहीं कहा जा सकता। नीतीश कुमार के राजनीतिक रणनीतिकार रहे, प्रशांत किशोर अपनी राजनीतिक पार्टी का गठन करके, बिहार विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरे हैं। प्रशांत किशोर की अपनी पार्टी का नाम है जन सुराज पार्टी। पार्टी के चुनाव अभियान के अध्यक्ष हैं सुधीर शर्मा और प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के स्टार प्रचारक हैं। प्रशांत किशोर स्वयं चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं, किंतु उनकी पार्टी ने सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारें हैं। प्रशांत किशोर ने विगत तीन वर्षों में संपूर्ण बिहार का सघन दौरा किया है और यह दावा पेश किया कि वह बिहार की राजनीति की दशा और दिशा दोनों ही बदल कर ही दम लेंगे। प्रारम्भ में अनेक प्रोफेशनल्स और बौद्धिक जनगण प्रशांत किशोर के साथ जुड़ गए थे। किंतु अनेक योग्य कार्यकर्ताओं के स्थान पर अनेक अयोग्य किंतु धनवानों को जन सुराज पार्टी का टिकट दिए जाने से प्रशांत किशोर की राजनीतिक साख किसी हद तक गिर गई है।

संकीर्ण जातिवादी राजनीति

फिर भी उम्मीद शेष है कि प्रशांत किशोर का कड़ा परिश्रम और राजनीति में उनकी नैतिक सोच का किंचित निर्णायक का प्रभाव बिहार की संकीर्ण जातिवादी राजनीति पर इस चुनाव में शायद दिखाई दे जाए। प्रशांत किशोर अपनी चुनाव सभाओं में शिक्षा, स्वाथ्य, बेरोजगारी, आर्थिक विकास आदि बुनियादी सवालों को उठा रहे हैं। अन्यथा आजकल जातिवादी समीकरणों के दलदल में धंसा हुआ बिहार विधानसभा का चुनाव बिहार को ना जाने किस भटकी हुई राह पर ले जा रहा है। एक ऐतिहासिक दौर में बिहार समाजवादी जनसंघर्षों का जबरदस्त गढ़ रहा था। बिहार की राजनीति द्वारा कर्पूरी ठाकुर सरीखे अनेक कर्मठ, ईमानदार और दिग्गज समाजवादियों को जन्म देकर राष्ट्र के पटल पर एक बड़ी उम्मीद उत्पन्न की गई थी। बिहार के समाजवादी आंदोलन द्वारा और विशेषकर जेपी आंदोलन ने देश को एक नई दिशा प्रदान की थी और राष्ट्रीय स्तर पर संपूर्ण क्रांति की एक प्रबल उम्मीद जगाई थी। दुर्भाग्यवश जेपी की संपूर्ण क्रांति वस्तुतः एक संपूर्ण भ्रांति बनकर रह गई। 2003 के पश्चात बिहार चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (इंटेंसिव रिवीजन) का विशद कार्य प्रारम्भ किया गया। महागठबंधन ने इल्जाम आयद किया कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (इंटेंसिव रिवीजन) के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा मनमाने तौर पर मतदाता सूची से बहुत बड़ी संख्या में वैलिड वोटरों के नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने न केवल नए मतदाताओं से दस्तावेज मांगे, वरन् 2003 से प्रत्येक चुनाव में मतदान कर रहे मतदाताओं से भी दस्तावेज मांगे गए। जून 2025 में जब इंटेंसिव रिवीज़न अर्थात गहन पुनरिक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले बिहार में 7.89 करोड़ मतदाता थे। 30 सितंबर 2025 को चुनाव आयोग द्वारा अंतिम मतदाता सूची जारी की गई, जिसके मुताबिक मतदाता सूची में केवल 7.42 करोड़ मतदाता शेष रह गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची से लगभग 6 प्रतिशत मतदाता हटा दिए गए।

गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया बड़ा मुद्दा

महागठबंधन द्वारा गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को बड़ा चुनावी मुद्दा बना दिया गया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरूद्ध राजनीतिक वोटर यात्रा निकाली। वोट चोरी महागठबंधन का एक विकट नारा बन गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के शीर्ष नेतृत्व में एक नाम उभरकर आया मुकेश सहनी, जिसको महागठबंधन द्वारा उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया। मुकेश सहनी मल्लाह जाति का लीडर है। नीतीश कुमार ने अति पिछड़ा वर्ग को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की थी। इस दफा बिहार चुनाव में जातिगत समीकरण कुछ परिवर्तित हो सकते हैं। मुकेश सहनी राजनीतिक सौदेबाजी और मौकापरस्ती के माहिर खिलाड़ी रहे हैं। उनको उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का पैगाम वस्तुतः महागठबंधन के समर्थकों के मध्य नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है जिससे महागठबंधन को भारी क्षति हो सकती है।

देश में महागठबंधनों की बढ़ी महिमा

उठापटक

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में विधानसभा चुनाव है। देश की आजादी के बाद कांग्रेस एक ऐसी पार्टी रही थी, जो अपने दम पर चुनाव लड़ती आ रही थी लेकिन 1977 के बाद से पार्टी का प्रभुत्व कई पार्टियों के महा गठजोड़ के बीच झूलता आ रहा है। मई 2014 के बाद से भारतीय जनता पार्टी इस हैसियत में पहुंच गई। वैसे ,राज्यों में तो गठबंधन का दौर काफी पहले 1967 में ही आ गया था। कांग्रेस का भ्रष्टाचार देश की आजादी के दो वर्ष के बाद शुरू हो गया था। कांग्रेस धीरे-धीरे राज्यों से कटती आ रही है। अचानक कांग्रेस का जनाधार खत्म नहीं हुआ है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के दोषियों का नाम अखबार में उजागर होता था, उस दौर में मतदाता कांग्रेस से मुह मोड़ते गए। उतर के साथ राज्य और तमिलनाडु में गठबंधन सरकारों और वैचारिक रूप से व्यापक गठबन्धन का प्रयोग हुआ था। ये तमाम गठबंधन भले नाजुक,अस्थायी और परेशानी वाले रहे हो, मगर इनमें मतदाताओं का व्यापक प्रतिनिधित्व हुआ करता था। कांग्रेस अब हर राज्य में गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही है। यूपी में समाजवादी के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। बिहार में राजद के साथ गठबंधन में भी गीले-शिकवे पैदा हो गए हैं। कांग्रेस की विचारधारा जनता के अनुरूप नहीं है। कांग्रेस अपने मन की करती है, उसी का नतीजा है कि कांग्रेस की कथनी-करनी में समानता नजर नहीं आती है। बिहार में जनसुराज पार्टी के 116 प्रत्याशियों का ऐलान की सूचना है, वहीं जातिगत समीकरण को केंद्र बिंदु रखा है। बिहार में धमाका होगा। पीएम मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। नीतीश और भाजपा के सीट बंटवारे कर दिए गए हैं और शांति के साथ चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंप दी गई है। उधर,कयास लगाया जा रहा है कि महागठबंधन खंड-खंड बंट चुका है। घटक दल अब एक दूसरे के खिलाफ हो चुके है। महागठबंधन नाम की कोई चीज अब शेष नहीं रही है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी एक तरफ खींच रहे है तो राहुल दूसरी तरफ खींच रहे हैं। तब महागठबंधन का क्या औचित्य है? दोनों दलों ने जिस तरह से एकता का दिखावा चुनाव के पहले किया गया था। वो बेनकाब हो चुका है। राजद और कांग्रेस दोनों पार्टियो की दिशा और दशा अलग है। आपसी विश्वास नही पनपा पाए दोनो दल पर मतदाता क्या भरोसा कर पाएगा ? 1977 में इंदिरा गांधी की निरंकुश इमरजेंसी और जेपी आंदोलन की परिणीति जनता पार्टी के स्वरूप में एक महागठबंधन में हुई, जिसमें वैचारिक रूप से विपरीत ध्रुव की पार्टियां शामिल थी।क ये गठबंधन मजबूरी में बनाये गए थे। चुनाव के बाद जीत की खुशी दोगुनी होती है, लेकिन बीच में विवाद खड़ा होता है तो मायूस हो जाते है। जनसंघ से लेकर वाम मोर्चे तक, जयप्रकाश नारायण कांग्रेस विरोधी विपक्ष के मसीहा बन गए। 1977 के इस प्रयोग के आधार पर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1989 में राजीव गांधी की सरकार के खिलाफ गठबंधन बनाने का कामचलाऊ प्रयोग किया, जिसमें बीजेपी और वाम मोर्चे को सहयोग के रूप ने शामिल किया गया। अब का दौर अलग है। उसके बाद 1996 में दो अल्पमत संयुक्त मोर्चा सरकारों के प्रयोग हुए। एक एच-डी देवगौड़ा और दूसरा इंद्रकुमार गुजराल के नेतृत्व में सरकार बनी। अब तो देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा भी गठबंधन का तिलिस्म तोड़ने के लिए राजी नहीं है। एनडीए गठबंधन में आज भी यह नियम है कि भाजपा बहुमत में है तो भी एनडीए घटक दलों को नहीं छोड़ते हैं। यह नीति है। यह गठबंधन की अच्छाई का नमूना है। उस दौर में क्षेत्रीय और राज्यों के क्षत्रपों की महत्वाकांशाओं का उभार इतना हो चुका था कि चुनावी नजरिए से राष्ट्रीय पार्टियों के लिए उन्हें दल नजरअंदाज करना लगभग नामुमकिन हो गया। लिहाजा, दो प्रमुख राष्ट्रीय गठबन्धनों की नींव पड़ी। जो भारतीय राजनीति की नई हकीकत बन गए। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूपीए गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए पिछले कई वर्षों से क्षत्रिय दलों ने इन्ही में से किसी एक के साथ अपनी निष्ठाओं और अपने चुनावी भविष्य को बांध रखा है। कांग्रेस ने मोदी को हराने के लिए सभी घटक दलों से मिलकर इंडिया महागठबंधन बनाया गया। महागठबंधन में बिहार में राजद शामिल है। इनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी सबसे लोकप्रिय नेता है लेकिन सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों में तीन सबसे लोकप्रिय नेता नीतिश कुमार रहे हैं और ममता और केजरीवाल आदि गैर एनडीए दलों से नाम चर्चित थे। नीतीश को छोड़कर ममता और केजरीवाल की साख में कुछ वृद्धि नहीं हुई है।

> ***पीएम मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। नीतीश और भाजपा के सीट बंटवारे कर दिए गए हैं और शांति के साथ चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंप दी गई है।***

अवैध प्रवासन अब नहीं रही बड़ी समस्या

निवारण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

राष्ट्रीय समस्याएं कई स्तर पर कई विकृत व विसंगत स्वरूपों में हल हुए बिना ही परिव्याप्त हैं। जब तक इन समस्याओं का युद्धस्तर पर, क्रांतिकारी ढंग से, सुनियोजित व सुशासकीय विधिपूर्वक समाधान नहीं हो जाता, तब तक मूल भारतीय निवासियों का जीवन कितनी ही आधुनिक प्रगतियों के उपरांत भी असंतुष्ट, अशांत व दुःखी बना रहेगा। ऐसी ही समस्याओं में से एक है देश में अवैध प्रवासन। औपचारिक रूप में स्वतंत्र होने के बाद से लेकर अब तक अवैध प्रवासन वर्ष-प्रतिवर्ष नई-नई चुनौतियों के साथ बढ़ता रहा है। केंद्र व राज्यों में स्थापित रहे पहले के शासन ने इस ओर समस्या की दृष्टि के साथ ध्यान ही नहीं दिया। इसके विपरीत ऐसे शासन ने अवैध रूप में भारत में रहे लोगों को अपने-अपने राजनीतिक दलों के लिए मतदाताओं के रूप में इस्तेमाल किया। सत्तारूढ़ होने के लिए ऐसे दलों का यह राजनीतिक अभ्यास आज भी यथावत है। चौदह वर्ष पूर्व केंद्र में सत्तासीन राजग के शासनकाल में यह दुष्प्रवृत्ति पहचानी गई। इसके निवारण हेतु राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक प्रयास किए गए। गत चौदह वर्षों से इस दिशा में सैद्धांतिक स्तर पर तो शासकीय-प्रशासकीय कार्य अवश्य हो रहे हैं, किंतु धरातल पर क्रांतिकारी व त्वरित कार्यों का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। हालांकि केंद्रीय शासन ने अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गत मार्च के प्रथम सप्ताह में संसद में एक विधेयक पारित किया था, किंतु विधेयक का धरातली प्रभावपूर्ण क्रियान्वयन आज तक भी आरंभ नहीं हो सका है। गत अप्रैल में पहलगाम नरसंहार हुआ था। नरसंहार के दोषी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों को कठोर दंड देने के संकल्प के साथ ही भारतीय शासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार समेत अनेक स्तरीय संबंध समाप्त कर दिये थे। पाक नागरिकों को कुछ दिनों में भारत छोड़ने के लिए कह दिया गया था। परिणामस्वरूप देशभर में पाकिस्तान समेत अनेक अन्य सीमावर्ती देशों के अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें भारत से बाहर निकालने का अभियान आरंभ हुआ था। समय बीतने पर पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों व आतंकवादियों को समाप्त करने के बाद प्रतिशोधवश किए गए पाक के दुस्साहस को ध्वस्त करने हेतु भारत-पाकिस्तान के मध्य दो अल्प समयावधियों के युद्ध भी हुए। शासकीय कार्यगत दिशादृष्टि अवैध प्रवास के रोकथाम तथा एक-एक अवैध व्यक्ति को देश से बाहर करने के लिए भी जाग्रत होना चाहिए। विकसित भारत के संकल्प को सुव्यवस्थित ढंग से साधने के लिए जिन-जिन समस्याओं का प्रमुखता के आधार पर निवारण होना चाहिए, उनमें अवैध प्रवास सबसे पहले हैं। अतः केंद्रीय शासन को इस दिशा में बिना रुके निरंतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है।

> ***विकसित भारत के संकल्प को सुव्यवस्थित ढंग से साधने के लिए जिन-जिन समस्याओं का प्रमुखता के आधार पर निवारण होना चाहिए, उनमें अवैध प्रवास सबसे पहले हैं।***

यह भी जानें : अब तक ये रहे सीएम

मुख्यमंत्री	कार्यकाल
श्रीकृष्ण सिन्हा	26 जनवरी 1950 - 31 जनवरी 1961
दीप नारायण सिंह	1 फरवरी 1961 - 18 फरवरी 1961
बिनोदानंद झा	18 फरवरी 1961 - 2 अक्टूबर 1963
केबी सहाय	2 अक्टूबर 1963 - 5 मार्च 1967
महामाया प्रसाद सिन्हा	5 मार्च 1967 - 28 जनवरी 1968
सतीश प्रसाद सिंह	28 जनवरी 1968 - 1 फरवरी 1968
बी. पी. मंडल	1 फरवरी 1968 - 22 मार्च 1968
भोला पासवान शास्त्री	22 मार्च 1968 - 29 जून 1968
राष्ट्रपति शासन	29 जून 1968 - 26 फरवरी 1969
हरिहर सिंह	26 फरवरी 1969 - 22 जून 1969
भोला पासवान शास्त्री	22 जून 1969 - 4 जुलाई 1969
राष्ट्रपति शासन	6 जुलाई 1969 - 16 फरवरी 1970
दरोगा प्रसाद राय	16 फरवरी 1970 - 22 दिसंबर 1970
कर्पूरी ठाकुर	22 दिसंबर 1970 - 2 जून 1971
भोला पासवान शास्त्री	2 जून 1971 - 9 जनवरी 1972
राष्ट्रपति शासन	9 जनवरी 1972 - 19 मार्च 1972
केदार पांडेय	19 मार्च 1972 - 2 जुलाई 1973
अब्दुल गफूर	2 जुलाई 1973 - 11 अप्रैल 1975
जगन्नाथ मिश्रा	11 अप्रैल 1975 - 30 अप्रैल 1977
राष्ट्रपति शासन	30 अप्रैल 1977 - 24 जून 1977
कर्पूरी ठाकुर	24 जून 1977 - 21 अप्रैल 1979

मुख्यमंत्री	कार्यकाल
राम सुंदर दास	21 अप्रैल 1979- 17 फरवरी 1980
राष्ट्रपति शासन	17 फरवरी 1980 - 8 जून 1980
जगन्नाथ मिश्रा	8 जून 1980 - 14 अगस्त 1983
चंद्रशेखर सिंह	14 अगस्त 1983 - 12 मार्च 1985
बिंदेश्वरी दुबे	12 मार्च 1985 - 13 फरवरी 1988
भागवत झा आजादी	14 फरवरी 1988 - 10 मार्च 1989
सत्येंद्र नारायण सिन्हा	11 मार्च 1989 - 6 दिसंबर 1989
जगन्नाथ मिश्रा	6 दिसंबर 1989 - 10 मार्च 1990
लालू प्रसाद यादव	10 मार्च 1990 - 28 मार्च 1995
राष्ट्रपति शासन	28 मार्च 1995 - 4 अप्रैल 1995
लालू प्रसाद यादव	4 अप्रैल 1995 - 25 जुलाई 1997
राबड़ी देवी	25 जुलाई 1997 - 11 फरवरी 1999
राष्ट्रपति शासन	11 फरवरी 1999 - 9 मार्च 1999
राबड़ी देवी	9 मार्च 1999 - 2 मार्च 2000
नीतीश कुमार	2 मार्च 2000 - 10 मार्च 2000
राबड़ी देवी	11 मार्च 2000 - 6 मार्च 2005
राष्ट्रपति शासन	7 मार्च 2005 - 24 नवंबर 2005
नीतीश कुमार	24 नवंबर 2005 - 20 मई 2014
जीतन राम मांझी	20 मई 2014 - 22 फरवरी 2015
नीतीश कुमार	22 फरवरी 2015 - कार्यरत

कार्टूनिस्ट की नजर में बिहार चुनाव...

कुल 223 विस सीटें

बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। चुनाव आयोग ने इस बार मतदान दो चरणों में करवाने का फैसला किया है। पहले चरण में 121, जबकि दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा। इसमें 1314 उम्मीदवार मैदान में हैं। दूसरे और अंतिम चरण में 20 जिलों के 122 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। बिहार में सामान्य की 203, एससी श्रेणी की 38, जबकि एसटी श्रेणी की 2 सीटें हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, जबकि दूसरे चरण में वोटिंग 11 नवंबर को होगी। नतीजों के लिए 14 नवंबर का इंतजार करना होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं। इनमें करीब 3.92 करोड़ पुरुष, 3.50 करोड़ महिला और 1,725 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। ये सभी आंकड़े 30 सितंबर 2025 तक के हैं।

चुनाव में मुख्य मुकाबला दो स्थापित गठबंधनों के बीच ही होगा

बिहार विस चुनाव

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

बिहार विधानसभा चुनाव की राजनीति स्वाभाविक ही चरम पर है । जब तक किसी चुनाव का परिणाम नहीं आता तब तक हर प्रकार के विश्लेषण और अनुमान आते रहते हैं, आते रहेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आम विश्लेषण यह है कि भाजपा जदयू वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या राजग और राजद, कांग्रेस , वामदल आदि के गठबंधन के बीच जबरदस्त टक्कर है और प्रशांत किशोर की नवगठित जन सुराज तीसरा स्थान पाने की स्थिति में है। एक विश्लेषण यह भी है कि जनसुराज पार्टी दोनों पक्षों को क्षति पहुंचा कर प्रभावी स्थान बना सकती है। प्रश्न है कि आखिर बिहार चुनाव में इस समय क्या संभावनायें दिखतीं हैं? 2020 विधानसभा चुनाव में दोनों मुख्य गठबंधनों के बीच केवल 12,768 वोटों का अंतर था। तब राजग को 37.26% (1,57,01,226) मत मिले थे जबकि महागठबंधन के खाते में 37.23% (1,56,88,458) मत गये। दोनों के बीच .03% मतों का मामूली अंतर था। इतने मामूली अंतर से राजग को 125 एवं राजद नेतृत्व वाले गठबंधन को 110 सीटें मिली थी। अन्य को आठ पर विजय हासिल हुई। इसके आधार पर पहला निष्कर्ष यही है कि अगर विरोधी गठबंधन को थोड़े मत और आ जाते तो नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार नहीं बनती। इसका निष्कर्ष यह भी है कि पुनः 5 वर्ष के शासन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सरकार को लेकर लोगों में कुछ न कुछ असंतोष होगा और इस सत्ता विरोधी रुझान का लाभ विरोधी गठबंधन को मिल सकता है।

पिछली बार बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा की 52 विधानसभा सीटों पर हार-जीत का अंतर भी 5 हजार से भी कम वोटों का था। लेकिन चुनाव का अंकगणित इतना सरल नहीं होता। पिछले चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा अकेले 137 सीटों पर लड़ी थी और उसे 5.66 प्रतिशत यानी 23 लाख 83 हजार,457 मत मिले थे। इस बार चिराग पासवान गठबंधन में हैं और इन मतों को मिला दें तो दोनों के बीच बड़ा अंतर आ जाता है। तब 83 सीटों पर 10 हजार से भी कम से हार-जीत हुई थी। इन 83 सीटों में 28 पर राष्ट्रीय जनता दल और 10 पर कांग्रेस को जीत मिली थी। वास्तव में 2025 के विधानसभा चुनाव पूर्व का आकलन न 2020 और न 2015 के आधार पर हो सकता है। पिछले चुनाव में राजग गठबंधन में जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो भी नहीं थी। इसी तरह मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी या वीआईपी राजग में थी जो इस बार दूसरे गठबंधन में है। अब महागठबंधन में कुल आठ दल हो गए हैं। इस समय चुनाव पूर्व राजग के पास 131 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 80, जद (यू) -45 और हम (एस) को 4 सीट है । इनके अलावा दो निर्दलीय विधायकों ने भी राजग को समर्थन दिया था। महागठबंधन के पास 111 सीटें हैं, जिनमें राजद को 77, कांग्रेस को 19, सीपीआई (एमएल) को 11, सीपीआई (एम) 2 और सीपीआई के पास 2 सीट हैं। इस बार इसमें वीआईपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और पशुपति पारस की लोजपा भी आ गई है। इस तरह विरोधी गठबंधन में 8 दल हो गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरह भाजपा को छोड़ राजद और राजद छोड़ भाजपा से हाथ मिलाया उनसे उनकी साख और विश्वसनीयता काफी क्षीण हुई। बीच के काल में गुस्सा, तिलमिलाहट और वक्तव्यों में काफी असंतुलन उनकी पहचान बन रहा था। किंतु पिछले 6 महीना में आप इसमें गुणात्मक आमूल परिवर्तन देख रहे होंगे। पहले लगता था कि दोबारा साथ आने के बावजूद भाजपा उन्हें चुनाव में मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बनाने से परहेज करेगी। भाजपा के ज्यादातर शीर्ष नेताओं ने इधर लगातार बयान दिया कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और फिर से वही मुख्यमंत्री होंगे। तो इसे लेकर संदेह बिल्कुल समाप्त हो गया है। इस कारण नीतीश कुमार के समर्थक मतदाताओं के अंदर का ऊहापोह भी खत्म हो गया होगा। सीटों को लेकर गठबंधन में समस्याएं हमेशा रही हैं और इस बार भी हैं। बावजूद नीतीश कुमार चुनाव प्रचार कर रहे हैं और सभी घटक दल उनके साथ खड़े हैं। सबसे बढ़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी एकजुट हैं और उनका आभामंडल सब पर भारी है। भाजपा और राज्य की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नेतृत्वकारी राजनीतिक भूमिका का भी गहरा प्रभाव दिखाई देता है। नेतृत्व के साथ एकजुटता की यही तस्वीर विरोधी खेमे में नहीं दिखाई देती।

प्रशांत किशोर लंबी यात्राएं कर लोगों से संवाद किया है और उसका असर है। केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की नीतीश सरकार के विरुद्ध वैसा असंतोष कहीं नहीं है। कुल मिलाकर बिहार में मुख्य लड़ाई दो स्थापित गठबंधनों के बीच ही है। निस्संदेह, कुछ उम्मीदवारों को लेकर भाजपा के अपने ही कार्यकर्ताओं व समर्थकों में असंतोष है और उसका थोड़ा असर भी होगा, किंतु दूसरे गठबंधन में कलह और विद्रोह कहीं ज्यादा है। इसमें गठबंधन की एकजुटता, चुनावी तैयारी- प्रबंधन ,नेतृत्व की छवि, जनता के मुद्दे और मतदाताओं के सामूहिक मनोभावों में बड़े परिवर्तन की कामना न होने जैसे कारक ही चुनाव परिणाम निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

> **अब महागठबंधन में कुल आठ दल हो गए हैं। इस समय चुनाव पूर्व राजग के पास 131 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 80, जद (यू) -45 और हम (एस) को 4 सीट है। दो निर्दलीय विधायकों ने भी राजग को समर्थन दिया था।**

निसर्ग इस्पात प्राईवेट लिमिटेड परिसर के फार्म हाउस का मामला, गड्ढे से निकाले शव

करंट लगाकर जंगली जानवरों का शिकार तेंदुआ का शव मिलने की चर्चाएं हैं सरगर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

करंट लगाकर जंगली जानवरों का शिकार करने के उपरांत जमीन में गड्ढा खोदकर दफन कर दिया गया। सूचना मिलने पर हरकत में आए वन विभाग के अमले ने जेसीबी से खुदाई कर दोनों सूअरों के अवशेष बरामद किए। यह पूरा घटनाक्रम सामने आने के बाद विभागीय गलियारों में हड़कंप मच गया है। जैसे रसूखदारों तक मामला पहुँचा, तो जांच दबाने का खेल भी शुरु हो गया। मामला वन परिक्षेत्र सिहोरा का है।

जानकारी के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र हरगढ़ के ग्राम घुघरा स्थित गोयनका के निसर्ग इस्पात प्राइवेट लिमिटेड परिसर (फार्म हाउस) में जंगली सुअरों का करंट लगाकर शिकार किया गया और फिर उनके शवों को जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफना दिया गया। वन परिक्षेत्र सिहोरा में जंगली सुअर के शिकार का मामला बीते एक सप्ताह से सुर्खियों में है। सूत्रों के अनुसार इस पूरे प्रकरण को दबाने की कोशिशें चल रही हैं और वन विभाग के कुछ अधिकारी खुद सवालों के घेरे में हैं। बताया जाता है कि वन विभाग को

मुखबिर से सूचना मिली थी कि निसर्ग इस्पात के कर्मचारी फार्म हाउस क्षेत्र में जंगली सुअरों का शिकार कर रहे हैं। जांच में खुलासा हुआ कि दो सुअरों को करंट लगाकर मारा गया और फिर सबूत छिपाने के लिए जेसीबी से खुदवाकर गड्ढों में दफना दिया गया।

तीन कर्मचारी गिरफ्तार

इस मामले में वन विभाग ने निसर्ग इस्पात के मैनेजर अनुराग द्विवेदी, जेसीबी ऑपरेटर बृजेश विश्वकर्मा और कर्मचारी मोहित दहिया को गिरफ्तार किया। तीनों के खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। सूत्रों की माने तो मालिक को आरोपियों की सूची में शामिल नहीं किया गया। विभागीय सूत्रों का कहना है कि गोयनका के रसूख के आगे वन विभाग बेबस दिखाई दिया, और सारा दोष कर्मचारियों पर डालकर कार्रवाई सीमित रख दी गई।

डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड निलंबित

जांच में देरी और लापरवाही पाए जाने पर डिप्टी रेंजर यादवेंद्र यादव और बीट गार्ड जितेंद्र अग्रवाल को निलंबित कर दिया गया है। दोनों को अन्य परिक्षेत्र में भेजा गया है।

सूत्रों की माने तो वन विभाग की टीम को निरीक्षण के दौरान निसर्ग इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के पीछे के तरफ की फैंसिंग टूटी मिली जहां से अंदर प्रवेश करने पर पर कुछ दूरी पर एक तेंदुआ मृत पाया गया जिसको तत्काल वन विभाग की टीम ने 25 सितंबर की रात्रि 12/30 बजे साजा वृक्ष के नीचे झाड़ियों में मृत पाए तेंदुए के शव की आवश्यक घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया है। हालांकि अधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग रखने वाला डीवीआर घटना के बाद रहस्यमय तरीके से जल गया। विभाग को आशंका है कि यह सबूत मिटाने की सुनियोजित कोशिश हो सकती है। वन विभाग की सिहोरा, कुंडम और पनागर रेंज की टीमों द्वारा लगातार सर्चिंग की जा रही है। डॉग स्क्वॉड की जांच के दौरान एक और जंगली जानवर का शव बरामद किया गया है। शव की उम्र और प्रजाति का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चलेगा।

हो सकते हैं और खुलासे

वन मंडल अधिकारी ऋषि मिश्रा और अनुविभागीय अधिकारी वन एम.एल. बरकडे मामले की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा सख्त वैधानिक कार्यवाही होगी।

मजिस्ट्रेट के सरकारी निवास पर गालियां देते हुए किया पथराव, जान से मारने की दी धमकी

आरोपी फरार, अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अनूपपुर

जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर जिले के भालूमाडा थाना क्षेत्र अंतर्गत लगातार घटनाएं सामने आ रही है। संभाग का यह पहला मामला है, जहां मजिस्ट्रेट के साथ पथराव और जान से मारने का मामला सामने आया हैं जहां न्यायाधीश के साथ हुई अभद्र भाषा के प्रयोग का मामला सामने आया जिसमें पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 224, 296, 324, 331 (6) 333. 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एंव व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा के न्यायाधीश अमनदीप सिंह छावड़ा पिता कुलदीप सिंह छावड़ा उम्र 39 वर्ष ने इसकी शिकायत भालूमाडा थाने में की थीं। उन्होंने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड-कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र) के पद पर पदस्थ है । अपने घर में सपरिवार निवासरत है। 24 अक्टूबर को रात्रि लगभग 12:30 बजे के पश्चात वह अपने परिवार सहित अपने आवास में सो रहे थे। तभी अज्ञात व्यक्तियों ने माँ-बहन की अश्लील गालियां देकर कैसे मजिस्ट्रेटी करते हों. देख लेंगे, जान से मार देंगे आदि कहकर धमकी दे रहे थे। आरोपियों ने शासकीय आवास के गेट लैम्प, दीवार में लगे लोहे के एंगल आदि को तोडकर घर के आंगन में पथराव कर रहे थे। आरोपियों ने मजिस्ट्रेट को जान से मारने की धमकी भी दी। जब मजिस्ट्रेट अपने निवास से बाहर निकले तो आरोपी वहां से फरार हो गए । इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना थाने में की थी। आज शाम को भालूमाड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं। पिछले दिनों मजिस्ट्रेट कें दवारा जमानत आवेदन खारिज कर दिया गया था पुलिस उक्त मामले को उससे भी जोड़कर विवेचना कर रही है। अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान ने बताया कि कल रात में मजिस्ट्रेट के घर में कुछ अज्ञात हमलावारो ने पथराव किया और जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बड़वारा। दुष्कर्म के मामले में तीन माह से फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की। पुलिस के अनुसार फरियादिया ने रिपोर्ट लेख कराई कि मोहित यादव के द्वारा शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाने एवं जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत पर धारा – 69,351(2) भारतीय न्याय संहिता 3(2)(V) एससी/एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले में फरार आरोपी मोहित यादव पिता नन्हे यादव 23 साल की तलास हेतु प्रयास किये जा रहे थे । विवेचना के दौरान थाना प्रभारी उनि केके पटेल के मार्गदर्शन एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपित मोहित यादव को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि केके पटेल, उनि प्रदीप जाटव, सउनि रघुवीर सिंह की भूमिका रही।

जमीन हड़पने व जातिगत अपमान का आरोप

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिले के गाडरवाड़ा तहसील के भटेरा गांव में ममता जाटव ने छह ग्रामीणों पर जातिगत गालियां देने, जान से मारने की धमकी देने और शासकीय पट्टे की भूमि हड़पने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एसपी से शिकायत की है। ममता जाटव उम्र 40 वर्ष ने अपने आवेदन में बताया कि वह अनुसूचित जाति समुदाय से हैं। उन्हें और उनके पति को लगभग 20-25 वर्ष पहले शासकीय भूमि पट्टे पर मिली थी। वे इसी भूमि पर खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ममता के अनुसार, उनकी भूमि से सटी जमीन पर रहने वाले नवल बरौआ, पतरी बाई, रामकुमार बरौआ, दुर्जन बरौआ, छोटू बरौआ और अखिलेश बरौआ उन्हें आए दिन बिना किसी कारण गालियां देते हैं। वे जातिगत शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करते हैं। ममता ने आरोप लगाया कि आरोपी उनकी पट्टे वाली भूमि को हड़पना चाहते हैं और कई बार उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा चुके हैं। हाल ही में आरोपियों ने उनके पति संतोष जाटव को धमकी दी कि ष्तुम लोगों को अपने बीच खेती नहीं करने देंगे, अगर खेत में आए तो यहीं जिंदा दफना देंगे। पीड़िता ने बताया कि इन धमकियों के कारण उनका परिवार भयभीत है। उन्होंने नरसिंहपुर एसपी से कार्रवाई करने और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

एसडीएम कार्यालय के प्यून और अधिवक्ता में मारपीट, दोनों ने एक दूसरे के सिर पर मारी ईंट

घायल अवस्था में दोनों पहुंचे अस्पताल, रूपयों के लेनदेन का आरोप

हटा। नगर में शनिवार शाम बस स्टैंड पर एक अधिवक्ता और एसडीएम कार्यालय के प्यून के बीच झड़प हो गई, विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक दूसरे के सिर पर ईंट मार दी, जिससे दोनों ही घायल हो गए। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को हटा अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के सम्बंध मैं अधिवक्ता इमरत कुशवाहा ने बताया कि जब भी वह एसडीएम कार्यालय जाते हैं वहां पदस्थ प्यून संजय नेमा बार-बार रूपयों की मांग करता है। इससे पहले एक दो बार मैंने उसे 100 ,50 रुपए दे भी दिए, लेकिन वह हर बार जिद करके रूपये मांगता है। शनिवार शाम जब मैं बस स्टैंड के पास चाय पी रहा था, तो उसने आकर रूपये मांगे। मैंने मना किया तो उसने मुझसे बहस की और वहां से चला गया। चंद मिनट बाद अपने भतीजे के साथ वहां लौटा। भतीजे ने मेरे दोनों हाथ पकड़ लिए और उसने मेरे सिर पर ईंट मार दी, जिससे मेरे सिर में गंभीर चोट आई है। वहीं इस मामले में प्यून संजय नेमा का कहना है की बस स्टैंड के पास एक दुकान पर अधिवक्ता ने मुझे चाय पीने के लिए बुलाया था और एक जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कहा तो मैंने कहा कि मैं कोशिश करता हूं पैसों के लेनदेन की कोई बात नहीं हुई। अचानक अधिवक्ता अमित कुशवाहा गुस्से में आ गए और उन्होंने मेरे सिर में ईंट मार दी, जिससे मेरे सिर में चोट आई। घटना की खबर लगते ही अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं सभी अधिवक्ता सिविल अस्पताल पहुंच गए। जहा उन्होंने घायल अधिवक्ता का हाल जाना और घटना की जानकारी ली। वही हटा टीआई धर्मेंद्र उपाध्याय का कहना है कि दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक बातचीत में अभी विवाद का सही कारण सामने नहीं आया है। कुछ रूपयों के लेनदेन की बात सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। दोनों पक्षों के बयान लेने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी ने नहीं बनाई रोटी तो पति ने तवे से की बेरहमी से पिटाई, महिला गंभीर रूप से घायल

छतरपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम उर्दमऊ में घरेलू विवाद के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक पति ने अपनी पत्नी को मात्र इसलिए बेरहमी से पीट दिया क्योंकि उसने सुबह रोटी नहीं बनाई थी। जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय सुमन राठौर अपने पति और तीन बेटियों के साथ घर पर थी। सुबह के समय रोटी न बन पाने पर पति को गुस्सा आ गया और उसने रसोई में रखे तवे से ही सुमन पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में सुमन गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके पैर में गहरी चोटें आईं और वह खून से लथपथ हो गई। किसी तरह अपनी जान बचाते हुए सुमन तीनों बेटियों को लेकर छतरपुर बस स्टैंड पहुंची। वहां मौजूद लोगों ने तुरंत महिला पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद महिला पुलिस बल ने घायल सुमन और उसकी बेटियों को सिटी कोतवाली पहुंचाया और उपचार की व्यवस्था कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पति फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से युवकों की मौत

शहडोल। जिले के सीधी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात भीषण हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। ग्राम डोम्हार के पास सडक़ पर पहले से पलटी पड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली मौत का जाल बन गई, जिसकी चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। खेत से धान लादकर आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली टर्निंग पर अचानक अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे पलट गई थी। हादसे के कुछ समय बाद ही सीधी से महुआटोला की ओर जा रहे दो युवक बाइक से उसी रास्ते से गुजरे और अंधेरे में सडक़ पर पड़ी ट्रॉली को नहीं देख सके। ट्रॉली से टकराने के साथ ही दोनों युवक दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग दौडक़र पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुँची सीधी थाना पुलिस ने मृतकों की पहचान विश्वनाथ सिंह गोंड और रामराज सिंह गोंड, दोनों निवासी महुआटोला के रूप में की। दोनों ही युवक अपने घर लौट रहे थे।

महिंद्रा रिजॉर्ट में पेस्ट कंट्रोल कर्मचारी की मौत

* परिजनों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कान्हा नेशनल पार्क स्थित महिंद्रा रिजॉर्ट में पेस्ट कंट्रोल का काम कर रहे कर्मचारी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान टंकेश गौतम के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि शनिवार सुबह टंकेश रिजॉर्ट में कीटनाशक का छिड़काव कर रहे थे, इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।

उन्हें तुरंत मोचा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बम्हनी बंजर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि रिजॉर्ट प्रबंधन ने न तो किसी प्रकार की आर्थिक सहायता दी और न ही जिम्मेदारी स्वीकार की। इसके विरोध में परिजनों ने अस्पताल के बाहर सड़क पर जाम लगा दिया। इससे यातायात कुछ देर के लिए बाधित हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम बिछिया सोनाली देव और एसडीओपी नैनपुर मनीष राज समेत प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने की कोशिश की। अधिकारी मुआवजे को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

फिलहाल मृतक का शव अस्पताल में ही रखा गया है। प्रशासन पोस्टमॉर्टम के बाद शव सौंपने की बात कह रहा है, जबकि परिजन तत्काल शव देने की मांग पर अड़े हैं। सड़क जाम अभी भी जारी है।

खेत में पानी लगाने गए किसान की बाइक चोरी

अमानगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम भडार में किसान की मोटर साइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। फरियादी रनमत आदिवासी पिता नौना आदिवासी 36 वर्ष निवासी भड़ार ने थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी के साथ ठेका पर जमीन लेकर खेती किसानी करता है। फरियादी के अनुसार 23 अक्टूबर की रात करीब 3 बजे वह अपनी मोटर साइकिल क्रमांक एमपी-16-डी-3848 से ठेका वाले खेत में पानी लगाने गया था। टरसाइकिल को सुरेश आदिवासी के घर के सामने खड़ा कर वह खेत चला गया। लगभग एक घंटे बाद लौटने पर वाहन गायब मिला।

रंगदारी मांगने वालों का पुलिस ने निकाला जुलूस

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट में ग्रामीण पुलिस ने रंगदारी और आर्म्स एक्ट के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों का जुलूस निकाला, जिसमें वे 'गुंडागर्दी पाप है, पुलिस हमारी बाप है' का नारा लगा रहे थे। यह घटना शनिवार को ग्रामीण थाना क्षेत्र के गोंगलई में हुई।

आरोपियों ने किसान संदीप पिछोड़े से शराब के लिए पैसे मांगे थे। पैसे देने से इनकार करने पर युवकों ने संदीप के साथ मारपीट की। किसान की शिकायत के बाद पुलिस ने गोंगलई पहुंचकर चार युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आम जनता में सुरक्षा का भाव और अपराधियों में भय पैदा करने के उद्देश्य से इन आरोपियों का जुलूस निकाला। इस जुलूस का नेतृत्व थाना प्रभारी अमित अग्रवाल ने किया।थाना प्रभारी अमित अग्रवाल ने बताया कि शनिवार सुबह गोंगलई में चार युवकों द्वारा रंगदारी मांगने की सूचना मिली थी। इन युवकों ने पीड़ित संदीप पिछोड़े से शराब के लिए पैसे मांगे और मना करने पर मारपीट की। सूचना के आधार पर पुलिस ने गोंगलई पहुंचकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।चारों के खिलाफ रंगदारी मांगने का मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त आरोपी अक्कू उर्फ आकाश बोमर्डे और विशाल दमाहे के पास से धारदार चाकू मिलने पर उन पर आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया।थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि आरोपी जितेंद्र उपवंशी और आकाश बोमर्डे पर वर्ष 2021 में हत्या के प्रयास का मामला भी दर्ज है।

कुपोषण से मौत के मामले में फिलहाल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को हटाया, अफसरों की जिम्मेदारी कब तय होगी?

सतना। सरकारी तंत्र की घोर लापरवाही और संवेदनहीनता का एक और भयावह अध्याय मध्य प्रदेश के सतना जिले में लिखा गया है। मझगवां विकासखंड के मरवा गांव में महज चार महीने के मासूम हुसैन रजा को अति गंभीर कुपोषण और बार-बार होने वाले संक्रमण ने मौत के मुंह में धकेल दिया। 18 अक्टूबर को बेहद नाजुक हालत में जिला अस्पताल के पीआईसीयू (पेडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट) में भर्ती कराया गया,जहां सोमवार 20 अक्टूबर की सुबह 11 बजे बच्चे ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के मुताबिक,सामान्यतः 5 किलो या इससे अधिक होना चाहिए था,जबकि हुसैन का वजन घटकर मात्र ढाई किलोग्राम रह गया था। उसकी मृत्यु का कारण गंभीर कुपोषण,निमोनिया और अन्य संक्रमण बने।

गहरी नींद में विभाग, जन्म पर 3 किलो, फिर भी अनदेखी

चौंकाने वाली बात यह है कि 2 जुलाई को जैतवारा पीएचसी में संस्थागत प्रसव के दौरान जन्मे हुसैन का वजन 3 किलोग्राम था। यह सामान्य वजन था, लेकिन इसके बाद स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने बच्चे का कोई नियमित फॉलोअप नहीं किया। जुलाई से सितंबर तक चले 'दस्तक अभियान' के दौरान भी कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें एनआरसी में भर्ती कराने की जिम्मेदारी पूरी नहीं की गई। चार माह के मासूम को सिर्फ एक टीका लगा था,जबकि उसे बार-बार निमोनिया हो रहा था। उसकी प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई थी।

लापरवाही की लंबी श्रृंखला

यह मामला सामने आते ही भोपाल से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारी हरकत में आ गए हैं,लेकिन यह हरकत बच्चे की जान जाने के बाद हुई।

कर्मचारियों पर कार्रवाई

महिला एवं बाल विकास विभाग के डीपीओ राजीव सिंह ने शनिवार को हरिभूमि को बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को तत्काल हटा दिया गया है। साथ ही चित्रकूट क्रमांक 2 की परियोजना अधिकारी रीता द्विवेदी और सेक्टर सुपरवाइजर किशन लाल प्रजापति को नोटिस जारी सवाल जवाब किया गया है,जिसका जवाब सोमवार को आना है।

स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार भी निशाने पर

सीएमएचओ डॉ.एलके तिवारी ने सेक्टर मेडिकल ऑफिसर पीएचसी खुटहा डॉ.एसपी श्रीवास्तव, आशा कार्यकर्ता मरवा उर्मिला सतनामी,स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्वास्थ्य केंद्र मरवा लक्ष्मी रावत,सेक्टर सुपरवाइजर खुटहा राजकिशोर शुक्ला को भी लापरवाही के लिए नोटिस जारी किए हैं।

पोषण ट्रैकर में पंजीयन नहीं

सूत्रों के अनुसार,हुसैन का जन्म के बाद मरवा आंगनवाड़ी केंद्र में पंजीयन तो हुआ,लेकिन पोषण ट्रैकर एप में उसका पंजीयन नहीं किया गया था।सूत्रों का कहना है कि इलाके के अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ठीक तरीके से नहीं किया और वे मुख्यालय में रहते भी नहीं हैं। इतनी बड़ी कुपोषण की लापरवाही के प्रकरण को छोटे कर्मचारियों को हटाकर 'इतिश्री' करने की कोशिश की जा रही है,जबकि जिले के जिम्मेदार बड़े अफसरों पर भी उंगली उठ रही है।

परिजनों की भी लापरवाही

इस गंभीर मामले में सिर्फ सरकारी तंत्र ही नहीं, हुसैन के परिजन भी लापरवाह पाए गए हैं। जन्म के एक सप्ताह बाद और फिर डिस्चार्ज होने के 15 दिन बाद हुसैन को निमोनिया हुआ था। दूसरी बार निमोनिया होने पर वे उसे अपनी मर्जी से निजी अस्पताल ले गए थे और ठीक होने के बाद परिवार काम के लिए पुणे चला गया था, जहां बच्चे की देखभाल नहीं हो पाई। यहां तक कि 18 अक्टूबर को जिला अस्पताल में भर्ती कराने के बाद भी परिवार के सभी सदस्य घर चले गए, केवल मां उसके साथ थी और वह भी डॉक्टरों द्वारा बताई गई डाइट के मुताबिक चम्मच से फीड कराने में लापरवाही कर रही थी।

उच्च स्तरीय संज्ञान

मामले की गंभीरता को देखते हुए एनएचएम शिशु स्वास्थ्य की डिप्टी डायरेक्टर डॉ.हिमाली यादव और रीवा संभाग के अतिरिक्त स्वास्थ्य संचालक डॉ.एसबी अवधिया ने जिला मुख्यालय के अधिकारियों से तत्काल विस्तृत जानकारी मांगी है। मासूम हुसैन रजा की मौत ने सतना में कुपोषण उन्मूलन के सरकारी दावों की पोल खोल दी है और यह साबित कर दिया है कि मैदानी अमले की लापरवाही के चलते योजनाएं केवल कागजों तक सिमट कर रह गई हैं। इस दर्दनाक घटना ने 'दस्तक अभियान' जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह है कि इस जानलेवा लापरवाही के लिए सिर्फ छोटे कर्मचारियों पर गाज गिरती है या जिले के जिम्मेदार बड़े अधिकारियों पर भी कार्रवाई होती है।

कैंची से हमला करने वाला अपचारी बालक को भेजा अभिरक्षा केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा कानून व्यवस्था एवं आरोपियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था जिसके पालन में एएसपी डॉ. संतोष डेहरिया व एसडीओपी स्लीमनाबाद श्रीमति आंकाक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में थाना प्रभारी ढीमरखेडा अभिषेक चौबे के नेतृत्व में चंद घंटे के अंदर प्राण घातक हमला करने वाले अपचारी बालक को अभिरक्षा में लेकर न्यायालय पेश किया। जानकारी अनुसार 25.10.25 को सूचना प्राप्त हुई की ग्राम गोपालपुर में अशोक कुमार पिता रामदास नामदेव 40 साल निवासी ग्राम गोपालपुर को पारिवारिक विवाद के कारण कैंची से प्राण घातक चोट पहुंचाई गई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल को शासकीय अस्पताल उमरियापान में भर्ती कराया गया एवं तत्काल घटना कारित करने वाले अपचारी बालक को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिसने जुर्म करना स्वीकार किया जिसके विरुद्ध धारा 109(1)296 bns का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपचारी बालक को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जबलपुर स्थित बाल अभिरक्षा केंद्र में भेज दिया गया है।

कुल देवी-देवताओं के पूजन के साथ व्रत प्रारंभ

नहाए खाए के साथ छठ पर्व की शुरुआत

हरिभूमि जबलपुर।

छठ महापर्व पूजा का रीति और परम्परा की दृष्टि से भी विशेष महत्व है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की छठवीं तिथि को सूर्य उपासना का यह पवित्र पर्व उत्तर प्रदेश तथा बिहार प्रांत के पूर्वांचल वासियों द्वारा जिस तरह की आस्था और उपासना के भाव प्रदर्शन के साथ मनाये जाने की परंपरा है। वह बिरले ही देखने को मिलता है। शनिवार 25 अक्टूबर को नहाए खाए के साथ पर्व का शुभारंभ हुआ। रविवार की संध्याकाल में कुलदेवी देवता का पूजन अर्चन कर छठ व्रतधारी गुड़ की खीर तैयार कर उसका भोजन करते है इसके उपरांत निर्जला व्रत रखते हैं।

आज होगा खरना

नहाय खाय के अगले दिन यानी आज पंचमी तिथि को 'खरना' होता है। इस दिन व्रती सुबह स्नान आदि से निवृत्त हो कर सूर्य की पूजा करते हैं। पूरा दिन निर्जला व्रत रखा जाता है। दिन भर भजन कीर्तन होगा। फिर शाम ढलते ही चंद्रमा को अर्घ्य दान, शशि पूजन बाद बखीर (गुड़ से बनी खीर) या लौकी की खीर के साथ रोटी का सेवन किया जाता है। इसमें नमक से सर्वथा परहेज होता है। इसे ही खरना कहते है।

शुद्धता और संकल्प का प्रतीक पर्व

सुबह जल्दी उठकर तिलवारा घाट माँ नर्मदा के जलाशय में स्नान किया स्नान के बाद पूरे घर और पूजा स्थल की अच्छी तरह से सफाई की सफाई के बाद स्वच्छ और नए वस्त्रधारण किए एवम छठ पूजा का व्रत रखने का संकल्प लिया आज पहला दिन, जिसे नहाय-खाय कहा जाता है, वही लौकी भात खाया जाता है जिसकी तैयारी की इस भोजन को सबसे पहले भगवान सूर्य को अर्पित करेंगे और फिर इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करके व्रत की शुरुआत करेंगे। व्रतीधारी प्रिया तिवारी ने बताया कि आज का दिन का मुख्य उद्धेश्य शरीर और मन को शुद्ध करना है, ताकि हम व्रती अगले 36 घंटे के निर्जला (बिना पानी के) व्रत सहित पूरे कठिन अनुष्ठान के लिए तैयार हो सकें।

छठी मईया की पूजा स्थलों पर निगम ने दुरूस्त की व्यवस्थाएं

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार नगर निगम के अधिकारियों द्वारा संभागवार छठी मईया की पूजा स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराई गयी है। तैयारियों के संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि सभी संबंधित जगहों पर निगम द्वारा निर्धारित नोडल एवं संभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में भ्रमण कर व्यवस्थाएँ दुरूस्त कराई गयी है। उन्होंने बताया कि संस्कारधानी में सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा धूमधाम, हर्षोल्लास और आस्था के साथ शहर भर में दिनांक 27 एवं 28 अक्टूबर 2025 को सामूहिक रूप से मनाया जायेगा। जहाँ पर आकर्षक पेंटिंग और सतरंगी रंगोली आकर्षण का केन्द्र रहेगी। इसके लिए निगम प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियाँ कराई गयी है तथा शेष कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि गौरीघाट, तिलवाराघाट, कालीघाट, जिलेहरीघाट, अधारताल, हनुमानताल, गुलौआ, मानेगांव, पुराना कंचनपुर तालाब, राँझी एस.ए.एफ. तालाब, मानेगांव तालाब, इस्टलैण्ड खमरिया तालाब, उदय नगर तालाब, हनुमान मंदिर तीन पुलिया न्यू कंचनपुर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर, चांदमारी तलैया के पास चौबे किराना के सामने, टेलीग्राफ कॉलोनी रानीताल, संजीवनी नगर शाही तालाब, मढ़ई तालाब, तथा अन्य पूजा स्थलों पर विशेष साफ-सफाई, प्रकाश, चेंजिंग रूम, के साथ-साथ अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कराई जा रही है।

केंट विधायक अशोक रोहाणी ने भाजपा कार्यकर्ताओं, सफाई कर्मियों संग किया भोजन

जबलपुर। केंट विधानसभा के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने वार्ड पार्षद कृष्णादास चौधरी व भाजपा कार्यकर्ताओं के संग रानी लक्ष्मीबाई वार्ड 66 स्थित जनसेवा केन्द्र पार्षद कार्यालय में सफाई मित्रों को दीपावली के पावन पर्व पर सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी बखूबी निभाने पर को सम्मानित किया। साथ ही उनके साथ सहभोज में शामिल होकर समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद ने कहा कि सफाई कर्मी पूरे उत्साह से वार्ड को गंदगी से मुक्त करने का कार्य करते हैं, सफाई कर्मियों के अथक परिश्रम और सहयोग से दीपावली पर्व सकुशल संपन्न हो सका। कार्यक्रम में लोचन प्रसाद दुबे, सुंदर अग्रवाल, मेवालाल यादव, संतोष रजक, संतोष यादव, बबलू खत्री, पुष्पा तिवारी, संजय वर्मा, महेश पासी, आशुतोष दुबे, अनिल प्रताप ठाकुर, आनंद चौधरी, मोनू सेन, बहोरन चौधरी, बृजलाल चौधरी, राजकुमार चौधरी, विनोद मलिक, धनपत झारिया, दिलीप सेन, अनिल कनौजिया, आरसी निरंजन, कृष्णकांत दुबे, संजय शिवहरे, राजकुमार खरे, राजेन्द्र यादव, तेजभान सिंह, एड. राजेन्द्र यादव, डी. दास, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता, सफाईमित्र व सुपरवाइजर मौजूद रहे।

संत निरंकारी समागम 31 से

जबलपुर। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित की पावन छत्रछाया में 78वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2025 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा (हरियाणा) में अद्भुत दिव्यता और भव्यता के साथ आयोजित होने जा रहा है। आत्मीयता के इस उत्सव में देश-विदेश से असंख्य श्रद्धालु भाग लेकर आनंद का अनुभव प्राप्त करेंगे। श्रद्धा, समर्पण के साथ हजारों श्रद्धालुजन अपने-अपने क्षेत्रों से आकर पूर्ण तन्मयता और समर्पण भाव के साथ दिन रात सेवाओं में रत हैं; जिससे यह आयोजन अपनी अंतिम तैयारियों की ओर अग्रसर है। यह समागम केवल एक धार्मिक या वार्षिक आयोजन नहीं, अपितु ज्ञान, प्रेम और भक्ति का ऐसा पावन संगम है, जो ब्रह्मज्ञान द्वारा आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनता है।

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर दिए थे निर्देश

एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने संयुक्त बैठक 31 को

जबलपुर। जबलपुर की एयर कनेक्टिविटी इंदौर, भोपाल आदि शहरों के तुलना में बहुत कम है, जबकि जबलपुर में विकसित एयरपोर्ट बनाया गया है। जबलपुर में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नागिरक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच द्वारा हाईकोर्ट में एक जनिहत याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर हाईकोर्ट ने संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए थे साथ ही एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने कहा गया।

हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करने हेतु याचिकाकर्ता डॉ.पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, तथा उनके अधिवक्ता, हस्तक्षेपकर्ता पार्थ श्रीवास्तव, सचिव सिविल एवीएशन नई दिल्ली, डायरेक्टर जनरल सिविल एवीएशन, चेयरमेन एयरपोर्ट एथॉरिटी, सीएमडी एयर इंडिया, इंडिगो एयरलाइंस, स्पाईस जेट, आकाशा, सचिव मप्र एवीएशन विभाग, डायरेक्टर एयरपोर्ट इंदौर आदियों की बैठक 31 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे डुमना एयरपोर्ट में आयोजित की गई है।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव द्वारा मप्र हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी, जिस पर मप्र हाईकोर्ट के न्यायाधीश संजीव सचदेवा तथा न्यायाधीश विनय सराफ ने 13 अक्टूबर 2025 को हुई सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलीसीटर जनरल सुनील जैन को इस याचिका में उल्लेखित मुद्दों तथा उनके निराकरण हेतु आवश्यक कदम जिससे जबलपुर की एयर कनेक्टिविटी बढ़ सके, इस संबंध में संयुक्त बैठक आयोजित करने को कहा था। हाईकोर्ट के निर्देशों के पालन में यह बैठक 31 अक्टूबर को आयोजित की जायेगी।

सुख समृद्धि के लिए सात दिवसीय महामृत्युंजय जाप शुरु

जबलपुर। सुहागी इंद्रा नगर स्थित सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर में शुक्रवार से सात दिवसीय महामृत्युंजय जाप का आयोजन किया गया। विद्वजनों ने क्षेत्र के कल्याण व नगर के सुख समृद्धि की मनोकामना को लेकर सवा लाख महामृत्युंजय का जाप शुरू किया। मंदिर के पंडित अनुराग कृष्ण महाराज ने बताया कि नगर की प्राचीन सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर की महत्ता है और जो भी व्यक्ति सच्चे मन से भगवान शिव की उपासना करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं प्रत्येक व्यक्ति खुशहाल होता है उन्होंने बताया कि यह सवा लाख मृत्युंजय पाठ का जाप प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होता है और यह जाप पांच ब्राह्मणों द्वारा किया जा रहा है।

पूज्य भिक्षु प्रियदर्शी थेरो के वचनों से गूंजा करुणा का संदेश

प्राचीन बौद्ध मठ गोपालपुर में बुद्ध कथा का शुभारंभ

जबलपुर। प्राचीन बौद्ध मठ गोपालपुर जबलपुर में 25 अक्टूबर को भगवान गौतम बुद्ध की अमर शिक्षाओं पर आधारित "बुद्ध कथा" के प्रथम दिवस का शुभारंभ बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन महापंडित सद्धार्माचार्य पूज्य भिक्षु प्रियदर्शी थेरो द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं बुद्ध वंदना के साथ किया गया। समारोह की अध्यक्षता मठ के अध्यक्ष ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ पवित्र मंगलाचरण- "बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि, संघं शरणं गच्छामि" के सामूहिक उच्चारण से हुआ, जिससे सम्पूर्ण परिसर में शांति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

अपने प्रेरक उद्बोधन में भिक्षु प्रियदर्शी थेरो ने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन मानवता के लिए एक दीपस्तंभ है। उनका जन्म लुंबिनी में हुआ, जहाँ से उन्होंने संसार को शांति, करुणा और समता का संदेश दिया। बुद्ध ने यह सिखाया कि दुःख का अंत बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि भीतर की जागृति से होता है। थेरो ने आगे कहा कि बुद्ध कथा का उद्देश्य केवल उपदेश सुनना नहीं, बल्कि उन उपदेशों को जीवन में अपनाना है। आज के युग में जब समाज अशांति, असहिष्णुता और तनाव से जूझ रहा है, तब बुद्ध का संदेश- "अप्प दीपो भव" (स्वयं अपने दीपक बनो), हर व्यक्ति के जीवन को दिशा दे सकता है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष पूज्य भिक्षु धम्मशरण ने अपने संबोधन में कहा कि बुद्ध कथा आत्मकल्याण के साथ-साथ समाज में करुणा, प्रेम और समानता की भावना जगाने का माध्यम है। प्राचीन बौद्ध मठ परिसर में श्रद्धालुओं की बड़ी उपस्थिति रही। भिक्षुओं द्वारा किए गए मंगल गान से वातावरण और भी पावन हो उठा। प्रथम दिवस की कथा का समापन मंगल गाथा के साथ हुआ तथा द्वितीय दिवस की कथा हेतु सभी को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में भंते कारुणिक, ईश्वरी बौद्ध, उदयभद्र बौद्ध, मनोज गेडाम, धर्मशील चाटे, हेमंत बौद्ध, बैजनाथ पटेल, मूलचंद मोरे, अनिल बौद्ध, नंदिनी बौद्ध सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आधारताल चंडी मेला झंडा यात्रा, महाआरती के साथ संपन्न

जबलपुर। सार्वजनिक चंडीमाई मंदिर विकास समिति के द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कार्तिक मास की चतुर्थी को चंडी मेला कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के पूर्व गणेश चौक कटरा आधारताल से झंडा यात्रा प्रारंभ हुई जो कमला भंडार, आधारताल, बिरसा मुंडा चौक, मानसरोवर कालोनी, यशवंत नगर, मॉल बाबा आम्बेडकर कालोनी होते हुए मंदिर पहुंचकर चंडी माता को झंडा चढ़ाया गया, तत्पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान चमन पासी, डॉ. नीरज शर्मा, रामभगत, रमेश, छोटू चौधरी, अनुज पासी, प्रथम पासी, हीरालाल सेन, मनोज मेहता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

109 दीप प्रज्जवलित कर किया जाएगा गोंगों पाठ

जबलपुर। भारतीय सर्व जनजाति सेना के तत्वावधान में दीवारी के महापर्व पर 27 अक्टूबर को शाम 04 बजे गोंडवाना की कुलदेवी माँ माला देवी गढ़ा पुरवा में छठ पर्व के अवसर पर 52 गढ़, 57 परगना को समर्पित 109 दीप प्रज्जवलित कर गोंगों पाठ किया जाएगा, जिसमें समस्त सगाजन उपस्थित होंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्र कुमार कुलस्ते, उपाध्यक्ष धनराज सिंह पुसाम, महासचिव शैलेष सिंह, मदन सिंह तराम, छोटेलाल परते, अनंदीलाल परस्ते, तुलसीराम तेकाम, रमेश धुर्वे, उमा धुर्वे, मानकी उइके, गायत्री मरावी, भागवती पुसाम, राकेश भलावी सहित अन्य ने सामाजिकजनों से उपस्थिति की अपील की है।

ई-साइकिल के लिए हितग्राहियों का हुआ चयन

जबलपुर। सक्षम मध्यप्रदेश के द्वारा ई-साइकिल के निःशुल्क वितरण हेतु आज इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हॉल राइट टाउन में हितग्राहियों के चयन, माप एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्मरणीय है कि सक्षम के द्वारा पूरे देश में 308 ई-साइकिल का अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को वितरण किया जा रहा है जिसमें से मध्यप्रदेश में 90 और महाकौशल प्रान्त में 30 ई-साइकिल का वितरण किया जायेगा। सक्षम मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि ये ई-साइकिल दिव्यांगजनों कि शारीरिक क्षमता के आधार पर कस्टमाइज तरीके से एल्टियस कंपनी द्वारा निर्मित की जाएँगी और इनके मिलने से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को रोजगार मिलने में सहायता मिलेगी। सक्षम मध्यप्रदेश के सचिव रवि कोपरगांवकर ने बताया कि यह ई-साइकिल लगभग 1,30,000 रु. की है जो अस्थिबाधित दिव्यांगजनों का निश्चित रूप से भाग्य बदलेगी, क्योंकि इसके मिलने से अन्य प्रदेशों में दिव्यांगजनों को डिलीवरी ब्वॉय जैसे कई रोजगार मिले हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप दुबे ने सक्षम के इस सेवा कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, जबलपुर की अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा ने कहा कि इस तरह के सेवा कार्य में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हमेशा सहयोग करता रहेगा।

इस अवसर पर 50 दिव्यांगजनों का परीक्षण कर नाप लिया गया। कार्यक्रम में देवेंद्र सोनी, अरविन्द गुप्ता, आशीष परेतकर, नरेंद्र मालवीय, विश्वजीत सौर्यमंडल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पीयूष जैन ने किया।

गीताधाम में श्रीमद् भागवत महापुराण

हरि नाम से मिलता है सर्वत्र सुख और मानसिक शांति : श्री नरसिंह देवाचार्य

जबलपुर। कृपासिंधु भगवान का मंगलमय दिव्य नाम का स्मरण हमें गुरु बनकर मार्गदर्शन देता है , माता बनकर स्नेह देता है , पिता की तरह साहस दिलाता है और मित्र बनकर साथ चलता है । फिर हम अकेले कहाँ है। इस संसार में सबसे अनुपम मिलन भगवत्प्रेमियों का संग है क्योंकि उनके संग के प्रभाव से मन सहजता से भगवान के प्रेम-रंग में सराबोर हो जाता है। जिसके स्वभाव में शान्ति रहती है, वह जहाँ भी रहता है, प्रसन्न रहता है। श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने से समस्त पापों का नाश होता है

श्रीहरि नारायण के परम प्रिय कार्तिक मास के अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा महापुराण के प्रथम दिवस श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज के मुखारविंद से कहे। श्रीमद् भागवत कथा महापुराण दिनांक 25 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सायं 3 बजे से सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन गीता धाम गौरी घाट में किया गया है ।

भागवत कथा के प्रथम दिवस विशाल शोभायात्रा ग्वारीघाट से नर्मदा मैया का पूजन अर्चन कर गीता धाम तक निकाली गई। श्रीमद् भागवत महापुराण श्रवण करने का आग्रह ब्रम्हचारी हिमांशु जी, शिव प्रसाद गर्ग, श्याम साहनी, अशोक मनोध्या, गुलशन मखीजा, शरद काबरा, प्रवेश खेड़ा, डा संदीप मिश्रा, राजेन्द्र यादव, जगदीश साहू, लोकराम कोरी सहित नरसिंह मंदिर गीता धाम भक्त मंडल ने की है।

3300 साल पुराने रहस्यमयी मकबरे पर मंडराया बड़ा खतरा

काहिरा। मिस्त्र की समृद्ध एतिहासिक धरोहर वैली ऑफ द किंग्स मकबरा को साल 1799 में खोजा गया था। यह मकबरा बेहद अनोखा है।यह मकबरा 36 मीटर लंबा और 14 मीटर गहरे ढलान वाली सुरंग है। इस मकबरे में बनी पेंटिंग्स और शिलालेख बेहद खास है। लक्सरमिस्त्र स्थित इस मकबरे को लेकर बेहद बुरी खबर सामने आ रही हैं। शैक्षणिक शोधकर्ताओं का कहना है कि 3300 साल पुराने इस मकबरे में फैली दरारें, बढ़ती आर्द्रता का लेवल और मौसम का प्रभाव मकबरे पर पड़ रहा है जिससे मकबरे के ढहने का जोखिम बढ़ सकता है। मकबरे की छत पर फैली बड़ी दरार मकबरे के प्रवेश मार्ग और समाधि के मुख्य कमरे के ऊपर से होकर जा रही है। इस दरार के प्रभाव से बारिश का पानी दरार के अंदर जा रहा है। जिससे चट्टान में संकोचन की प्रक्रिया तेज हो रही है। दरार के अलावा मकबरे में फफूंदी की समस्या भी तेजी से बढ़ रही हैं जो कि दीवारों पर बनी पेंटिंग को नुकसान पहुंचा रही है। शोध के अनुसार साल 1994 में भयंकर बाढ़ ने मकबरे और इसकी संरचना पर काफी प्रभाव छोड़ है।

क्रिटिकल मिनरल दुनिया के लिए बना नया खजाना, भारत में है विशाल भंडार

नई दिल्ली। दुनियाभर में इन दिनों दुर्लभ खनिजों पर कब्जा करने की होड़ मची हुई है। चीन जहां दुनिया के दुर्लभ खनिजों पर लगभग 'कब्जा' कर चुका है, वहीं अमेरिका, जापान और भारत जैसे देश उसे लगातार चुनौती दे रहे हैं। पूरी दुनिया में इन दिनों इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है, जो लिथियम आयन बैट्री से चलती हैं। इसके पीछे वजह है कि दुनिया अब स्वच्छ ऊर्जा की ओर कदम बढ़ा रही है। चीन लिथियम को लेकर विश्वभर के देशों को आंख दिखा रहा है। चीनी कंपनियों ने बैट्री की दुनिया में दबदबा कायम कर लिया है। चीन की इस चुनौती के बीच वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्रेफाइट अब नया क्रिटिकल मिनरल बन गया है जो लिथियम बैट्री उद्योग की रीढ़ है। वहीं, ग्रेफाइट के भंडार की बात करें तो दुनिया का सबसे बड़ा ग्रेफाइट भंडार चीन के पास है, लेकिन भारत की धरती भी इस खजाने से भरी हुई है।

आयन बैट्री की रीढ़ है ग्रेफाइट लिथियम

एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्रेफाइट लिथियम आयन बैट्री की रीढ़ है। यह अब नया क्रिटिकल मिनरल बन गया है। इसी वजह से यह स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ती दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज बन गया है। प्राकृतिक ग्रेफाइट की आपूर्ति दुनिया के कुछ ही जगहों पर केंद्रित है और इसका उत्पादन भी बढ़ाना मुश्किल है। इससे दुनिया में सप्लाई में दिक्कत आ रही है। इसी को देखते हुए दुनिया में कृत्रिम ग्रेफाइट का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है जो ज्यादा शुद्ध होता है और उसका प्रदर्शन भी अच्छा होता है। हालांकि, इसे बनाने में काफी ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है जो जीवाश्म ईंधन से बनती है। यह पर्यावरण के लिए ठीक नहीं है।

भारत में मौजूद है ग्रेफाइट का विशाल भंडार

ग्रेफाइट का भविष्य अब दो बदलावों पर टिका हुआ है। पहला- नवीकरणीय कार्बन स्रोतों से 'ग्रीन' उत्पादन और पुरानी बैटरियों से ग्रेफाइट को रीसायकल करना। ग्रेफाइट लिथियम आयन बैट्री में एनोड के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। एनोड बैट्री का वह हिस्सा होता है जो चार्जिंग और डिस्चार्जिंग के दौरान आयनों को स्टोर करता है। ग्रेफाइट स्वच्छ ऊर्जा की ओर दुनिया के बढ़ते कदम के लिए बहुत जरूरी है। वहीं, प्राकृतिक ग्रेफाइट के भंडार की बात करें तो चीन जहां पहले नंबर पर है, वहीं भारत में भी इसका विशाल भंडार मिला है।

अरुणाचल में मिला है बड़े पैमाने पर ग्रेफाइट

चीन 81 मीट्रिक टन के साथ पहले, ब्राजील के पास 74 मीट्रिक टन, मेडागास्कर के पास 24, मोजांबिक के पास 25, तंजानिया के पास 18, रूस के पास 14, भारत के 8.6 और तुर्की के पास 6.9 मीट्रिक टन प्राकृतिक ग्रेफाइट है। भारत सरकार ग्रेफाइट के उत्पादन पर पूरा जोर दे रही है। भारत में अरुणाचल प्रदेश में देश का सबसे बड़ा ग्रेफाइट भंडार है। भारत सरकार घरेलू खनन कंपनियों को इसके उत्पादन के लिए प्रोत्साहित कर रही है, ताकि चीन पर से निर्भरता को कम किया जा सके। भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मांग तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में ग्रेफाइट का रिजर्व होना बहुत जरूरी है। अरुणाचल प्रदेश में पश्चिमी सियांग, पापुमपारे और लोअर सुबानसिरी जिलों में ग्रेफाइट बड़े पैमाने पर मिला है। इसके अलावा कश्मीर और मध्यप्रदेश में भी ग्रेफाइट की खोज शुरू की गई है।

गले में 50 तोले की गोल्ड चेन पहनकर ज्वेलरी शॉप की रखवाली करता है टायसन

नई दिल्ली। आपने अब तक कई स्टाइलिश और अनोखे कुत्ते देखे होंगे, लेकिन आज हम जिस डॉग की बात कर रहे हैं, उसने तो सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। यह कोई साधारण कुत्ता नहीं है, ये है टायसन, जो अपने मालिक की ज्वेलरी शॉप की रखवाली करता है और गले में पहनता है 50 तोले की सोने जैसी भारी चेन। ये कुत्ता न केवल अपनी सुरक्षा के लिए मशहूर है, बल्कि अपने स्टाइल और रौबदार लुक के लिए भी सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस समय इंटरनेट पर एक 18 सेकंड का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें टायसन नाम का यह कुत्ता एक ज्वेलरी की दुकान के बाहर खड़ा नजर आता है। उसके गले में मोटी और चमकदार चेन लटक रही है, जो बिल्कुल सोने जैसी दिखती है। भूरा रंग, तेज आंखें और अकड़ भरा अंदाज देखकर ऐसा लगता है जैसे वो सच में दुकान का सिक्योरिटी गार्ड हो। उसकी नजरें इतनी चौकस हैं कि कोई भी बिना इजाजत दुकान के पास आने की हिम्मत नहीं कर सकता। वीडियो में देखा जा सकता है कि टायसन दुकान के दरवाजे के पास खड़ा है और कभी-कभी हल्की भौंक निकालता है। लोग इस वीडियो को देखकर खूब मजे ले रहे हैं। किसी को कुत्ते का स्टाइल पसंद आ रहा है तो कोई उसकी अकड़ देखकर हैरान है। वीडियो में जो चेन दिखाई दे रही है, वो पूरी तरह सोने की नहीं है, लेकिन उसकी चमक बिल्कुल असली सोने जैसी है। यही वजह है कि देखने वालों को यह और भी रियल लगती है। टायसन न सिर्फ दुकान के बाहर निगरानी रखता है, बल्कि हर आने-जाने वाले पर उसकी पैनी नजर रहती है। अगर कोई अजनबी जरा भी संदिग्ध हरकत करे, तो टायसन तुरंत सतर्क हो जाता है। उसके इस जिम्मेदार रवैये की वजह से दुकान मालिक को भी अपने कीमती गहनों की सुरक्षा को लेकर काफी भरोसा रहता है। वीडियो पर लोगों ने मजेदार कमेंट्स किए हैं। एक यूजर ने लिखा, "यह तो दुनिया का सबसे स्टाइलिश सिक्योरिटी गार्ड है। तो किसी ने कहा, ऐसा गार्ड अगर हमारी दुकान पर हो तो चोर क्या पुलिस भी डर जाए। कुछ लोगों ने मजाक में लिखा कि टायसन की चेन देखकर तो इंसान भी जल जाएं।

मौत से पहले वैज्ञानिक ने दिखाई एलियन की असली तस्वीर

वॉशिंगटन। एलियन की बातें सालों से होती आई हैं, लेकिन इन बातों पर लोगों को उस समय और भी ज्यादा यकीन होने लगा जब 2013 में अपनी मृत्यु से ठीक पहले, बॉयड बुशमैन नामक एक व्यक्ति ने 'एलियंस' की तस्वीरों का एक संग्रह जारी किया था। बुशमैन ने दावा किया था कि ये तस्वीरें एरिया 51 में लॉकहीड मार्टिन नामक एयरोस्पेस कंपनी के कर्मचारी के रूप में काम करने के दौरान ली गई थीं। हालाँकि, कुछ लोग उनके इस दावे पर संदेह करते हैं कि उन्होंने कभी एरिया 51 में काम किया या वह लॉकहीड मार्टिन के कर्मचारी थे। तस्वीरों में दिख रहे एलियंस एक सस्ते प्लास्टिक के खिलौने से काफी मिलते-जुलते हैं। क्रिस सेरेडा, जो खुद को 'आध्यात्मिक खोजकर्ता' कहते हैं, का मानना है कि इन तस्वीरों के जारी होने के बाद सरकार द्वारा एक जटिल 'डबल ब्लफ' के तहत इन खिलौनों को सुपरमार्केट में रखा गया था।

रोज़वेल क्रैश

एनी जैकबसेन ने अपनी 2011 की किताब 'एरिया 51: अमेरिका के शीर्ष गुप्त सैन्य अड्डे का एक अनफ़िल्टर्ड इतिहास' में रोज़वेल क्रैश के बारे में एक चौंकाने वाला दावा किया था। उन्होंने कहा कि यह शिल्प रूसी तानाशाह स्टालिन और एक नाज़ी सर्जन के बीच एक दुर्भावनापूर्ण योजना का परिणाम था। जैकबसेन के अनुसार, क्रैश के बाद चश्मदीदों द्वारा कथित तौर पर देखे गए एलियन शव वास्तव में 'मानव गिनी पिग' थे जो बच्चों जैसे दिखते थे। इन्हें शीत युद्ध की एक साजिश के तहत बनाया गया था, ताकि अमेरिका में एलियन आक्रमण के खतरे को लेकर घबराहट पैदा की जा सके।

जासूसी विमानों का परीक्षण

2013 में, सीआईए ने आखिरकार एरिया 51 में "अजीबोगरीब गतिविधियों" को स्वीकार किया। सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम के तहत जारी एक रिपोर्ट में इस क्षेत्र को एक 'परमाणु ऊर्जा आयोग परीक्षण स्थल' के रूप में बताया गया। रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया कि वहां यू-2 और ऑक्सकार्ट जासूसी विमानों का परीक्षण किया जाता था। शोधकर्ता जेफरी रिचेलसन, जिन्होंने ये दस्तावेज़ प्राप्त किए, ने सुझाव दिया कि बेस के आसपास यूएफओ देखे जाने की कई खबरें वास्तव में इन जासूसी विमानों के परीक्षण उड़ानें थीं। यह आधिकारिक स्पष्टीकरण वर्षों से चले आ रहे कई यूएफओ दावों को विमान परीक्षण की गतिविधियों से जोड़ता है।

सिगरेट की लत छोड़ने के लिए शख्स ने मुंह पर बांधा पिंजरा

अंकारा। सिगरेट छोड़ना दुनिया के सबसे मुश्किल कामों में से एक माना जाता है। कई लोग सैकड़ों बार कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ ही लोग कामयाब हो पाते हैं। तुर्की के रहने वाले इब्राहिम युसेल भी लंबे समय तक इसी लत में फंसे रहे। पर उन्होंने जो तरीका अपनाया, उसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने सिगरेट से खुद को दूर रखने के लिए अपने सिर पर एक पिंजरा पहन लिया। इब्राहिम पिछले 26 वर्षों से हर दिन करीब दो पैक सिगरेट पीते थे। कई बार उन्होंने कसम खाई कि अब नहीं पिएंगे, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर से वही आदत लौट आती। बार-बार असफल होने के बाद एक दिन उन्होंने ठान लिया कि अब बस। इस बार वो सिगरेट को अपने जीवन से निकालकर ही रहेंगे। पर उन्होंने इसे छोड़ने के लिए जो तरीका चुना वो शायद किसी ने पहले नहीं सुना होगा। उन्होंने तार और लोहे के जाल से एक हेड केज यानी सिर का पिंजरा बनाया। यह ऐसा बना था कि उसके अंदर से मुंह बाहर निकालना या कुछ पीना लगभग नामुमकिन था। और ताकि वो खुद इसे उतार न सकें, उन्होंने इसकी चाबी अपनी पत्नी और बेटी को दे दी। अब वो चाहकर भी सिगरेट नहीं पी सकते थे। जब भी घर से बाहर निकलते। यह पिंजरा उनके सिर पर होता और उनकी फैमिली के पास ही उसकी चाबी रहती।

युवती को जिंदा जलाया, जांच जारी

बलौदाबाजार। ग्राम चरौटी में 25 वर्षीय तेजस्विनी पटेल को अज्ञात आरोपियों ने खलिहान में रखे पैरे में आग लगाकर जिंदा जला दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की है। मामले की जांच जारी है, पुलिस ने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेने की बात कही है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि आरोपियों को शीघ्र पकड़ा जाए और कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष
स्वयं का व्यापार
वर हेतु सुन्दर,
सुशिक्षित वधु चाहिए
जाति बंधन नहीं
सन्तान सहित
भी स्वीकार
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
सम्पर्क करें
6268373521

वधू चाहिए
सरयूपारीण ब्राह्मण, भरद्वाज गोत्र, जन्म- 10.11.1984, ऊँचाई- 5'-6", वित्तीय एवं जीवन बीमा पंजीकृत सलाहकार, निवासी बिलासपुर (छ.ग.) पिता सेवानिवृत्त बैंक शाखा प्रबंधक। योग्य कार्यरत वधू वांछित
-सम्पर्क करें-
7389362896

वधु चाहिए- सरयूपारी ब्राह्मण पुत्र जन्मतिथि 04.07.1990, रायपुर हाइट 5' 10" सॉफ्टवेयर इंजीनियर, प्रथम श्रेणी, सीएस वीटीयू भिलाई से, व्यवसाय- बिजनेस हॉबीज, म्यूजिक, ऑटोमोबाइल, पिता रिटायर्ड गजटेड ऑफिसर, माता गजटेड क्लास वन ऑफिसर। सभी जातियों से ब्राह्मण संपर्क करें। - 9826430448. (6736)

राशिफल

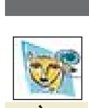
मेष
किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष
व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन
आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क
आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह
आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या
मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला
आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक
आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु
आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

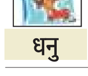
मकर
माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ
अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन
शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

एमडी ने 30 अक्टूबर तक शॉर्ट टर्म सुधार के दिए निर्देश, 15 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट्स का हुआ रिव्यू

पीडब्ल्यूडी मंत्री सिंह की फटकार का असर

एमपीआरडीसी की सड़कों के ब्लैक स्पॉट सुधरेंगे 25 स्टेट हाइवे और 4 ब्रिज पर शुरू होगा रेस्टोरेशन

भोपाल। पीएडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह की फटकार का असर अब दिखाई दे रहा है। दिवाली के बाद रिव्यू बैठक में अफसरों को फटकार लगी और काम ने रफ्तार भी पकड़ ली है। एमपीआरडीसी की सड़कों में चिह्नित ऐसे ब्लैक स्पॉट्स (दुर्घटना संभावित स्थान) को जल्द दुरुस्त किया जाएगा, जहां कई घटनाएं हो चुकी हैं और लोगों की जान जा चुकी है। ब्लैक स्पॉट्स के स्थाई समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लेते हुए इस पर अमल के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही 30 अक्टूबर तक ब्लैक स्पॉट के शार्ट टर्म उपायों का प्रदेशभर में प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम हेल्पलाइन और एप की शिकायत से सुधरेगी सड़क

30 अक्टूबर तक ब्लैक स्पॉट के शार्ट टर्म उपायों का प्रदेशभर में प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन किया जाए। प्रबंध संचालक यादव ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन और लोकपथ एप पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देते हुए कार्यों की प्रगति तेज की जाए।

लंबित कार्यों के निराकरण पर चर्चा की गई

बैठक में परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, कार्यों की गुणवत्ता, टाइम लिमिट वर्क प्रोग्रेस, काम में आने वाले अवरोध और सुरक्षा मानकों के साथ लंबित कार्यों के निराकरण पर चर्चा की गई। इस बैठक में प्रदेश भर में चिह्नित ब्लैक स्पॉट्स (दुर्घटना संभावित स्थलों) के शार्ट एवं लॉन्ग टर्म सुधार संबंधी व्यवस्थाओं पर चर्चा कर उसे ठीक करने के लिए कहा गया।

इन सड़क परियोजनाओं की समीक्षा

ब्यौहारी (टेटका मोड़) से शहडोल रोड (52.05 किमी)
रतलाम-झाबुआ रोड (99.82 किमी)
रायसेन-राहतगढ़ रोड (80.77 किमी)
गुना-फतेहगढ़-पारोन रोड (64.02 किमी)
लुकवासा-ईसागढ़-चंदेरी राज्यमार्ग (72.95 किमी)
शिवपुरी-पोहरी-कराहल-गोरस राज्यमार्ग (85.24 किमी)
दमोह-हटा-गैसावाद-सिमरिया राज्यमार्ग (73.26 किमी)
नीमच-सिंगोली राज्यमार्ग (85.52 किमी)
लंगाटोला-पटना-करपा-सराय-अहिरगांव-केलमनिया रोड (56.03 किमी)
बदवार-तमरा-सीतापुर-मऊगंज रोड (61.43 किमी)
हैदरगढ़-बेगमगंज-सुल्तानगंज रोड (45.38 किमी)
लटेरी-श्मशाबाद रोड (35.50 किमी)
हर्रई-बटकाखापा रोड (73.72 किमी)
महेंदवानी-चकदेही,

शब्द पहेली - 6028

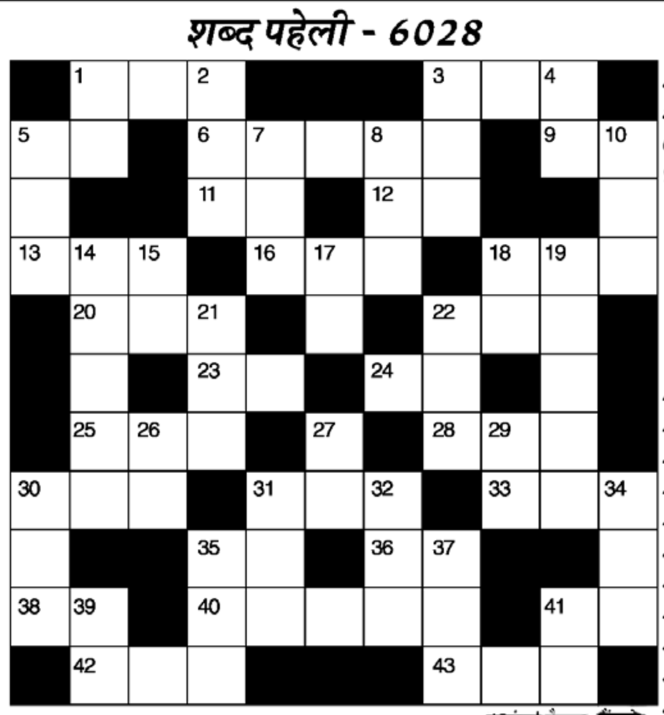

बाएँ से दाए-
1.ईश्वर, करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत, दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन, पगार-3
16.मनोनीत, नामकृत-3
18.बंधक, गिरवी वस्तु-3
20.निशा, रात्री-3
22.वचन, प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य, कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार, फटकार-3
30.हवा, पवन-3
31.झाझर, कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर, भूत-2
40.परोपकारी, जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे
1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान, खजांची-3
4.पैगंबर, रसूल-2
5.झूठ, मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम, मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा, दोस्त-2
18.मजा, आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः, वापस-2
27.मर्करी, पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त, टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा, विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -6027 का हल

का		बु	आ		द		स	ख		मु
र	क		कु	क	र	मु	त्ता		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				बे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
ई		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	बि
सं		गी	त		म		ना	नी		ल

सूडोकु नवताल- 6038

★★★☆☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SEMACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6037 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

उड़ने के लिए तैयार फ्लाइंग कार

आसमान में उड़ते हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर को तो हम सबने देखा है। अब बस कुछ ही वर्षों में आस-पास की दूरियों को तय करने के लिए फ्लाइंग कारें भी उड़ती हुई दिखने लगेंगी। कई विदेशी कंपनियां इस दिशा में पूरी तरह रेडी हो चुकी हैं तो अपने देश में भी इस बारे में जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। भविष्य के नए हवाई सफर पर एक नजर।

टीकैब कंपनी चीन की ई20 एयरटैक्सी

कवर स्टोरी
एन. के. अरोड़ा

उड़ने वाली कारें यानी फ्लाइंग कार या रोडेबल एयरक्राफ्ट यानी ऐसी गाड़ियां, जो सड़कों पर चल भी सकें और जरूरत पड़ने पर उड़ान भी भर सकें। अब ये केवल हॉलीवुड की फिल्मों का हिस्सा भर नहीं हैं बल्कि ये हकीकत है। हां, यह बात अलग है कि अभी इसका उपयोग लोगों ने शुरू नहीं किया है। अभी ये कारें सीमित स्तर पर प्रोटोटाइप, परीक्षण, नियामक मंजूरी और टेस्ट फ्लाइट के दौर से गुजर रही हैं। अभी सड़क पर दौड़ने और उड़ान भरने वाली ये कारें, आम लोगों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन चीन, जापान, अमेरिका और यूरोप के कई देशों में ये कारें जल्द से जल्द आम लोगों के घरों के गैराज में दिखने लगेंगी।

कई स्तरों पर हो रही तैयारी: साल 2025 के अंत तक दुनिया भर में कई कंपनियां ऐसी इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग (वीटीओएल) कारों को पूरी तरह तैयार कर लेंगी, क्योंकि इन कंपनियों की फ्लाइंग कारों की प्रगति महत्वपूर्ण चरणों में है। कुछ देशों और कंपनियों ने तो अपनी कारों की सूची भी सोशल मीडिया पर जारी कर दी है। इस समय दुनिया भर के अलग-अलग देशों में करीब 250 ऐसी कंपनियां हैं, जो उड़ने वाली कारों यानी फ्लाइंग टैक्सियों या वीटीओएल परियोजनाओं पर काम कर रही हैं। कई प्रोटोटाइप पहले ही हवा में उड़ान भर चुके हैं, कुछ मानव पायलट के साथ और कुछ बिना इंसानी ड्राइवर के। उदाहरण के लिए टर्की में सीजेरी का प्रोटोटाइप और जापान में स्काई डाइव का प्रोटोटाइप हवा में उड़ान भर चुका है। कई कंपनियां एयर टैक्सी शुरू करने की बिल्कुल व्यावहारिक योजनाएं बना चुकी हैं, तो कुछ देशों ने सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। कहने का मतलब उड़न कारें यानी, जमीन और हवा दोनों पर चलने वाली कारें भले अभी दुनिया में आम लोगों के इस्तेमाल में आना शुरू न हुई हों, पर इनके एक साथ पूरी दुनिया में इतनी बड़ी संख्या में प्रोजेक्ट काम कर रहे हैं कि दिन-रात इनके बारे में बातें होना स्वाभाविक है। इनके उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपति इन कारों पर भारी निवेश भी कर रहे हैं।

स्काई ड्राइव, जापान की एयरटैक्सी

जॉबी एविएशन, अमेरिका की ईवीटॉल

कई कंपनिया हैं एक्टिव: आज दुनिया के जिन देशों में प्रमुख कंपनियां ऐसी फ्लाइंग कारें बनाने में जुटी हुई हैं, उनमें संयुक्त राज्य अमेरिका में जॉबी एविएशन ने एफएए से एयर करियर प्रमाणपत्र हासिल किया है और डेल्टा एयरलाइंस के साथ साझेदारी की है। इसी तरह आर्चर एविएशन ने भी यूनाइटेड एयरलाइंस से 10 मिलियन डॉलर प्राप्त किया है। इसी तरह जेस्टन वन नामक एक व्यक्तिगत उड़न वाहन भी अमेरिका में विकसित किया गया है, जिसकी कीमत 1 लाख 28 हजार डॉलर है और जिसे उड़ाने के लिए किसी पायलट लाइसेंस की जरूरत नहीं है। जबकि चीन एक्सपेंग एयरोहॉट दुनिया की पहली ऐसी कंपनी है, जिसने बिना पायलट के यात्री उड़ानों के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर ली है। इसने लैंड एयरक्राफ्ट करियर नामक मॉड्यूलर कार विकसित की है, जिसमें एक फोल्डेबल ईवीटीओएल है। टीकैब टैग कंपनी ने ई-20 नामक मानवयुक्त ईवीटीओएल विकसित की है। इसी तरह ब्राजील ने ईव एयर मोबिलिटी, जापान की स्काई ड्राइव और जर्मनी की लिलियम बोलोकॉप्टर कंपनियों ने भी अपनी-अपनी उड़न कारें विकसित कर ली हैं और इन सबकी हवा में उड़ने और जमीन में जरूरत पड़ने पर चलने वाली ये कारें परीक्षण और अपग्रेडेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। इन दिनों इसी काल्पनिक सच को हकीकत में बदलने के लिए विकसित देशों में दर्जनों उड़न कारें अपनी बुनियादी उड़ाने भर रही हैं या दूसरे शब्दों में ट्रेंड हो रही हैं।

ऐसे आई सुर्खियों में: फ्लाइंग कारों की चर्चा अचानक इसलिए बढ़ी है, क्योंकि पिछले दिनों दो उड़ने वाली कारें एक फ्लाइंग शो के दौरान हवा में ही टकरा गईं और एक बड़ा हादसा हो गया। यह अलग बात है कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। दरअसल, चीन के जिलिन में बीते 16 सितंबर 2025 की दोपहर को चल रहे चांगचुन एयर शो के दौरान एक्सपेन एयरोहॉट की दो वीटीओएल आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस टक्कर से एक यात्री घायल हो गया, जिसे जानलेवा चोट नहीं लगी। लेकिन इस दुर्घटना की वजह से रातों-रात पूरी दुनिया की आटोमोबाइल इंडस्ट्री में वीटीओएल कारों के किस्से पूरी तरह से छा गए और हर किसी को पता लग गया कि उड़ने वाली कारें अब विज्ञान कथा भर नहीं हैं, वास्तविक जिंदगी का हिस्सा बनने की कगार पर हैं। निकट भविष्य में इनका उपयोग शहरी परिवहन, आपातकालीन सेवाओं और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में बहुत कॉमन हो जाएगा।

सुरक्षा है बड़ा मुद्दा: जिस तरह इन दिनों चीन में हुई हवाई दुर्घटना के कारण दो एयर टैक्सियों के आपस में भिड़ जाने पर खूब चर्चा हो रही है, उससे उड़ने वाली कारों यानी ईवीटीओएल की तकनीकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। माना जाता है कि ऐसी काल्पनिक कारों का यह पहला मिड एयर कॉलिशन है। लेकिन यह अकेला कारण भी नहीं है, जिसकी वजह से इन उड़न कारों की बातें हो रही हैं। दरअसल, अब नए मॉडल के नई लाइफस्टाइल को सपोर्ट करने वाले शहरों के बसाए जाने की बात भी हो रही है। इन्हीं नए शहरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर अर्बन एयर मोबिलिटी पर जबर्दस्त चर्चा हो रही है, क्योंकि भविष्य के शहरों में लोगों के पास इतना समय नहीं होगा कि वे ट्रैफिक में घंटों फंसे रह सकें। इसलिए ऐसी कारों की जरूरत जबर्दस्त ढंग से पैदा होने वाली है, जो हवा में उड़कर मिनटों में एक जगह से दूसरी जगह कई किलोमीटर दूर पहुंच सकती हैं।

सिर्फ सुरक्षा का ही नहीं, वास्तव में इन वाहनों की उड़ान और लैंडिंग की अनुमति भी एक बड़ी समस्या होगी, जिस पर इन दिनों सिस्टमेटिक ढंग से प्लानिंग हो रही है। लोगों को उत्सुकता है कि एयर ट्रैफिक रेगुलेशन, पायलट ट्रेनिंग, बैटरी रिलायबिलिटी, इस तरह की सभी समस्याएं एक-एक करके हल हों ताकि उड़ने वाली कारें अब फिक्शन न रह जाएं।

एक्सपेन एयरोहॉट ईवीटॉल, चीन

बहरहाल, विशेषज्ञ कहते हैं कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सन 2030 तक दुनिया के अनेक बड़े शहरों के आसमान में हवा में उड़ान भरने वाली कारें दिखने लगेंगी। *

भारत में भी जल्द उड़ेंगी एयरटैक्सी

केवल विदेशों में ही नहीं अपने देश भारत में भी ईवीटॉल विकसित करने में कुछ कंपनियां सक्रिय हैं। डीजीसीए ने पंजाब की एक कंपनी के एयरटैक्सी मॉडल को डिजाइन अप्रूवल सर्टिफिकेट भी दे दिया है। एयरटैक्सी के टेकऑफ और लैंडिंग के लिए वर्टिपोर्ट बनाने की प्लानिंग पर भी काम किया जा रहा है। बेंगलुरु की एक कंपनी भी इस दिशा में एक्टिव है। सब कुछ प्लानिंग के अनुसार फाइनल होने पर वर्ष 2028 तक दिल्ली-एनसीआर में एयर टैक्सी का परिचालन शुरू हो सकता है। इसके बाद कोलकाता, मुंबई जैसे अन्य मेट्रो शहरों में भी एयरटैक्सी चलने की संभावना है।

अवेयरनेस / संध्या सिंह

इन दिनों लगभग रोज ही साइबर फ्रॉड की अनेक घटनाएं घटित हो रही हैं। साइबर क्रिमिनल्स नए-नए तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में जरा सी लापरवाही आपका भारी आर्थिक नुकसान करा सकती है। इसलिए साइबर वर्ल्ड में हमेशा एलर्ट रहें।

खूब हो रहा साइबर फ्रॉड ना बरतें कोई लापरवाही

आजकल सोशल मीडिया पर साइबर तस्करी, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, डीपफेक में काफी बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसी धोखाधड़ी अब आम हो गई है।

सोशल मीडिया पर फ्रॉड नेटवर्क: हाल के दिनों में लोगों को व्हाट्सएप पर नकली ई-चालान मिलना, नकली बिजली, पानी, गैस, केबल के बिल मिलने जैसी चीजें आम हो गई हैं, जिनमें व्हाट्सएप पर मैसेज भेजा जाता है और उसमें यह वॉर्निंग दी जाती है कि यदि समय पर बिल का भुगतान नहीं किया गया, तो उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा। हड़बड़ी में लोग अकसर व्हाट्सएप में आए उस बिल पर क्लिक कर देते हैं और कुछ समय बाद उन्हें पता चलता है कि उनके खाते से काफी पैसे निकाल लिए गए हैं। यहां तक कि फेसबुक पर भी बहुत रोचक कहानियां बनाकर उन्हें डाल दिया जाता है और जब लोग उन्हें पढ़कर आगे की कहानी जानने के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करते हैं, तो उस लिंक पर कई बार एडल्ट साइट्स से उनका सामना होता है या गलत लिंक पर क्लिक करने के कारण वे साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं।

हो रहा भारी नुकसान: साइबर क्राइम अब एक ऐसी समस्या के रूप में सामने आ रहा है, जो हमारा पैसा और मन की शांति दोनों को खत्म कर रहा है। साइबर अपराध पर 254वीं संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट ने इस बात का खुलासा किया है कि साइबर ठगी के जरिए 31,500 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। इस साल साइबर अपराधी एक साथ कई मोर्चों पर सक्रिय हैं। संसदीय रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि साइबर अपराधी एक साथ कई हथकंडे आजमा रहे हैं। लोग यह समझते हैं कि इनसे बचने के उपाय, अत्यधिक कुशल हैकर्स का काम है, लेकिन इससे आम लोगों को यह समझना होगा कि उनको नेविगेट करने की क्षमता हम सबमें होनी जरूरी है।

बीते जुलाई माह में गुरुग्राम पुलिस द्वारा एक ऐसे कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया गया, जहां जालसाज वीआईपी नंबर्स और पुलिस स्टेशन की पृष्ठभूमि का एआई द्वारा उपयोग करके वीडियो कॉल पर कानून अधिकारी के रूप में पेश आते थे, जो लोगों को उनके नाम पर एक पैकेट में अवैध वस्तुएं होने का हवाला देकर उन्हें गिरफ्तार कर लेने के लिए डराते थे और उन्हें यह धमकी देते थे कि यदि वह तुरंत अपनी जमानत या वैरीफिकेशन के लिए एक निश्चित राशि का भुगतान नहीं करते, तो उन्हें कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस द्वारा छापे में स्क्रीन स्क्रिप्ट और जाली आईडी मिली, इसके बाद कई गिरफ्तारियां हुईं, जिनका लिंक दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेटवर्क से था, जो सीधे भारतीयों को अपना निशाना बना रहे थे।

जागरूकता है जरूरी: यह सही है कि आज के दौर में साइबर अपराध इतने जटिल हो गए हैं और लोगों को ठगी का शिकार बनाने के उनके तरीके इतने दबे छिपे होते हैं कि आम लोगों में जागरूकता का अभाव होने के कारण वे सहजता से इसका शिकार हो जाते हैं। मसलन, अगर आपको कोई पुलिस अधिकारी होने का दावा करने वाले का कॉल आता है तो उनसे यह पूछा जा सकता है कि वीडियो कॉल के जरिए भला गिरफ्तारी कैसे हो सकती है? इस तरह की समझदारी और अवेयरनेस से फ्रॉड से बच सकते हैं।

बिना डरे रहें सजग: इन जटिल साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के समाधान या तरीके इतने कठिन नहीं है, जितने हम समझते हैं। हमें हर चीज पर सवाल उठाना सीखना होगा और जीरो ट्रस्ट नीति अपनानी होगी। एक बार जब हम ऐसे मामले में जीरो ट्रस्ट नीति अपनाने लगते हैं तो साइबर सुरक्षा आसान हो जाती है। किसी भी लिंक अटैचमेंट या मैसेज पर जाने से पहले बिना सोचे-समझे क्लिक नहीं करना चाहिए, क्योंकि साइबर जगत में हर अंजान को जांचने-परखने की नीति अपनाएं। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले सोचें, विचार करें। वेडिंग इंविटेशन या ई-चालान की पीडीएफ/जेपीईजी फाइल होनी चाहिए, न कि एपीकेएस। एपीकेएस पर क्लिक करने का ही मतलब है आप हैकर को क्लिक कर रहे हैं। किसी को भी अपना ओटीपी या यूपीआई पिन या स्क्रीन शेयर न करें। क्योंकि कानून आपको इन्हें साझा करने के लिए नहीं कह सकता। ऑड यूआरएलएस, नए हैंडल्स, मिस मैच्ड लोगो, भ्रम पैदा करने वाली ईमेल आईडी पर क्लिक न करें। अगर आपके खाते से पैसों की ठगी हो जाती है तो 1930 नंबर पर कॉल करें और अपने बैंक को तुरंत फोन करके इसके बारे में सूचित करें। कुल मिलाकर ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए बिना डरे एलर्ट रहना जरूरी है। *

कविता
आरती आस्था

छोड़ना

मां छोड़ देती है
सब कुछ
अपने बच्चे के लिए।
वही बच्चा होकर बड़ा
छोड़ देता है
मां को
अपने प्रेम के लिए।
छोड़ते हैं दोनों ही
अपने-अपने प्रेम के लिए।
पर लगाना अनुमान
है लगभग असंभव
किसका छोड़ना
और किसका छूट जाना
होता है
ज्यादा पीड़ादायक।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

लचकलाल को भी मिले नोबेल पुरस्कार

भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि, भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह भी क्यों नहीं प्रसिद्ध बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं!

हर साल अक्टूबर के महीने में नोबेल पुरस्कार का हल्ला रहता है। इस बार भी हल्ला रहा। लचकलाल फिर नोबेल पुरस्कार के लिए बेचैन हुए। वह नोबेल पुरस्कार चाहते हैं, भ्रष्टाचार के मामले में। उनका कहना है, इस क्षेत्र में उनसे अच्छा और श्रेष्ठ कार्य किसी ने नहीं किया है, ना ही कोई कर सकता है। इस क्षेत्र में उन्होंने जितने नवाचार किए हैं, उतने तो अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश ने अपना माल बेचने के लिए विश्व शांति के क्षेत्र में भी नहीं किए होंगे।

लचकलाल का यह कहना है कि भ्रष्टाचार में गोपनीयता के मामले में उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। वह कैसे-कैसे टेबल के नीचे से सेवा शुल्क लेकर जनसेवा करते रहे हैं, वो रिकॉर्ड बने हैं। लचकलाल भ्रष्टाचार में यूपीआई की भी सुविधा ले रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार को ऑन लाइन कर दिया है। उनकी टेबल पर घूस ऑन लाइन भी ली जाती है-जल्द यह तख्ती भी लग सकती है। लचकलाल को लगता है, वे अपनी भ्रष्टाचार की सेवाओं से विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। भ्रष्टाचार को उन्होंने अब शासकीय शिष्टाचार मान लिया है। इस प्रतिभा के पीछे उन्होंने ऐसी दिव्य दृष्टि पाई है कि एक बार में ही वह अच्छे से अच्छे ईमानदार अधिकारी को देखते ही समझ जाते हैं, यह अधिकारी अपनी सेवा कितने में प्रदान करेगा? इसकी सेवा का लाभ कैसे लेना है? इसकी निष्ठा का कितना दाम लगाना है? लचकलाल यह सब अपनी भ्रष्टाचारी दिव्य दृष्टि से कुछ ही दिनों में ताड़ लेते हैं कि साहब टेबल के कितने ऊपर और टेबल के नीचे कितने तक धंसे हैं? लचकलाल ने अपनी इस दिव्य दृष्टि और कला के सहारे बहुत से नवागत अधिकारियों, कर्मचारियों को भी भ्रष्टाचार के मामले में प्रशिक्षित किया है। कोई कितना ही ईमानदार व्यक्ति शासकीय सेवा में 'सेवा परमोधर्मः' की भावना से आए, लेकिन उनकी दिव्य दृष्टि उसे भ्रष्टाचार की कला बहुत ही जल्दी सीखा देती है। इस कला को सीखने के बाद वह नवागत अधिकारी भ्रष्टाचार के दूध में पताशे(बताशे) की तरह घुल जाता है। लचकलाल भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने में उसी तरह से दक्ष हैं, जैसे इन दिनों मिस्टर ट्रंप विश्व शांति की चाशनी बनाने के लिए अपनी वैश्विक चम्मच हिला रहे हैं। वह बात अलग है कि चाशनी बन नहीं रही है। इस बार भी तथाकथित विश्व शांतिदूत नोबेल पुरस्कार के लिए चम्मच हिलाते ही रह गए।

खैर! मिस्टर लचकलाल अपने अभियान में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने और उसमें से जलेबी निकालने से कोई नहीं रोक सकता है। उनके पास भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टों का जनाधार है। वे अपनी इस कला से लोकतंत्र की सेवा करना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि इस कला से राष्ट्र निर्माण भी आसानी से किया जा सकता है। कम बजट में सड़कों, पुलों, सरकारी भवनों और सेवाओं का कार्य पूरा हो जाता है। भ्रष्टाचार उनके लिए सरकारी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा है। उसके बगैर अधिकारियों को कार्य करने में मजा नहीं आता और सरकारों को सरकार चलाने में मजा नहीं आता। लचकलाल की मानें तो वह जनता और सरकार के बीच भ्रष्टाचार, पुल का काम करते हैं। भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह क्यों नहीं बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं! उन्हें लगता है कि वह भ्रष्टाचार विषय के मामले में बुद्धिजीवी बन गए हैं। अब आखिर उन्हें क्यों नहीं इस क्षेत्र में सेवा, शोध और नवाचार के लिए नोबेल पुरस्कार मिले! *

लघुकथा / अलका जैन 'आराधना'

प्रेरणा

आईआईटी में सेलेक्शन न होने से हताश रौनक, रेल की पटरियों के किनारे चला जा रहा था। एक पल के लिए उसके मन में खुद को खत्म करने का ख्याल आ रहा था। अचानक मम्मी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे, 'रेल की पटरियां रेल को गंतव्य तक पहुंचाती हैं। बेटा, इनसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए... क्योंकि वास्तव में चलना ही जिंदगी है।'

रौनक के चेहरे पर मुस्कान आ गई। वह सोच रहा था कि आईआईटी में सेलेक्शन ना होना तो एक पड़ाव भर है, जीवन में और भी बहुत कुछ है करने के लिए। अब वह मुस्कुराते हुए घर वापसी का फैसला कर चुका था। घर पहुंचा तो मम्मी-पापा बेसब्री से उसका ही इंतजार कर रहे थे। दोनों ने एक-साथ उसके कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'तुम्हारा पसंदीदा मूंग की दाल का हलवा बनाया है, इसे खाओ और नई राह पर आगे बढ़ने की शुरुआत करो। जिंदगी किसी मोड़ पर खत्म नहीं होती, नई शुरुआत कहीं से भी की जा सकती है।'

रौनक अपने मम्मी-पापा के पैरों में झुक गया। उसे लग रहा था कि रेल की पटरियों ने उसे जीवन से पलायन की नहीं जीवन को गले लगाने की प्रेरणा दे दी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमानुभूति में भीगी कविताएं

प्रेम एक ऐसा विषय है, जिस पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं लेकिन कोई भी रचना इसके बारे में स्थायी या अंतिम सच साबित नहीं हो पाती। दरअसल, यह इंसानी मनोजगत में उपजने वाली भावनाओं से निर्मित ऐसी दुनिया होती है, जिसे हर इंसान अलग तरीके से अनुभूत करता है। सविता सिंह के नए कविता संग्रह 'प्रेम भी एक यातना है' की कविताएं प्रेम के ऐसे ही अनदेखे, अबूझ क्षितिज से हमारा परिचय कराती हैं। यहां उनकी व्यक्तिगत अनुभूतियां बड़ी कोमलता के साथ प्रकृति और समष्टि में समाहित हो जाती हैं। इसी बिंदु पर उनकी कविताओं के व्यापक अर्थ हमारे सामने उद्घाटित होते हैं। प्रेम के जीवन में पदार्पण का मनोहारी बिंब इन पंक्तियों में देख सकते हैं, *'पूरा-पूरा दिन संगीत सा बजता रहता है आजकल/ बेजान दोपहरें भरी रहती हैं तितलियों के रंगों से/ मधुमक्खियों के पंखों से उपजती धुनों से।'* (प्रेम) इसी तरह एक अन्य कविता 'प्रेमरत' की ये पंक्तियां शरीर के स्तर से बहुत गहन मन-आत्मा के किसी तल पर घटित हो रही अनुभूतियों को व्यक्त करती हैं, *'अभी हमारे पास कहने को क्या था/हम तो भाषा में थे ही नहीं/हमारे पास महज अव्यक्त आवाजें थीं कुछ/ शब्द दूर थे हमसे।'* कह सकते हैं, आज के अमानवीय होते जा रहे हिंसा से आक्रांत युग में ये कविताएं, हमारे भीतर कुछ बेहतर बचे रहने की उम्मीद कायम रखने का संबल देती हैं। *

पुस्तक: प्रेम भी एक यातना है (कविता संग्रह), **लेखिका:** सविता सिंह, **मूल्य:** 199 रुपए,

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल, 1 विकेट खोकर हासिल किया 237 रनों का लक्ष्य

सिडनी में गरजा 'रो-को' का बल्ला, 168 रन की अटूट साझेदारी

एजेंसी ▶▶| सिडनी

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करके आकर्षक पारियां खेल कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जिससे भारत ने तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 69 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

भारत के सामने 237 रन का अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य था लेकिन रोहित और कोहली ने इसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रोहित ने 125 गेंद पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। कोहली ने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। इस तरह से उसने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की मंशा पर भी पानी फेर दिया, जो पहले दो मैच जीत कर तीन मैच की श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुका था।

रोहित ने अपने वनडे करियर का 33वां शतक लगाया। यह उनका 50वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। पहले दो मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे कोहली अधिक प्रतिबद्ध दिखे। वनडे क्रिकेट के बेताज बादशाह ने अपने करियर का 75वां अर्धशतक लगाया। वह वनडे में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक शतक

9	रोहित शर्मा
9	सचिन तेंदुलकर
8	विराट कोहली
6	डेसमंड हेन्स

कम पारियों में वनडे में 33 शतक लगाने वाले भारतीय

195 पारी	विराट कोहली
268 पारी	रोहित शर्मा
286 पारी	सचिन तेंदुलकर

101वीं बार साझेदारी

रोहित और कोहली की जोड़ी वनडे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं।

वनडे में 100+ रनों की साझेदारी

बल्लेबाज जोड़ी	100+ रन	पारी
सचिन – सौरव	26	176
दिलशान-संगकारा	20	108
रोहित - कोहली	19	101
रोहित – धवन	18	117

अय्यर बीच मैच चोटिल होकर गए मैदान से बाहर

भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने एलेक्स कैरी का एके बेहतरीन कैच पीछे दौड़ लगाते हुए पकड़ा। मगर वह इसके बाद काफी दर्द में नजर आए। उन्हें मैदान से बाहर भी तुरंत ले जाया गया। उनकी जगह फील्ड पर सब्सटीट्यूट के रूप में ध्रुव जुरेल आए। अब इस चोट के बाद निश्चित ही टीम इंडिया और भारतीय फैंस की टेंशन बढ़ गई होगी।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
मिचेल मार्श बो अक्षर	41	50	5	1
हेड का कृष्णा बो सिराज	29	25	6	0
शॉर्ट का कोहली बो वाशिंगटन	30	41	2	0
रेनशॉ पगबाधा बो वाशिंगटन	56	58	2	0
कैरी का श्रेयस बो राणा	24	37	1	0
कोनोली का कोहली बो राणा	23	34	2	0
ओवेन का रोहित बो राणा	01	04	0	0
स्टार्क बो कुलदीप	02	05	0	0
एलिस का रोहित बो कृष्णा	16	19	3	0
जम्पा नाबाद	02	05	0	0
हेजलवुड बो राणा	00	2	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 46.4 ओवर में 236/10 रन
गेंदबाजी : मोहम्मद सिराज 5-1-24-1, हर्षित राणा 8.4-0-39-4, प्रसिद्ध कृष्णा 7-0-52-1, कुलदीप यादव 10-0-50-1, अक्षर पटेल 6-0-18-1, वाशिंगटन सुंदर 10-0-44-2

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा नाबाद	121	125	13	3
गिल का कैरी बो हेजलवुड	24	26	2	1
कोहली नाबाद	74	81	7	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 38.3 ओवर में 237/1 रन
गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 5-0-31-0, जोश हेजलवुड 6-1-23-1, नाथन एलिस 7.3-0-60-0, कूपर कोनोली 5-0-36-0, एडम जम्पा 10-0-50-0, मिचेल ओवन 1-0-2-0, मैथ्यू शॉर्ट 4-0-29-0

रोहित ने जीता प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब

रोहित शर्मा ने कंगारू टीम के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने ना सिर्फ भारत के लिए बल्कि ओवरऑल भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर रहे। उन्होंने 3 मैचों में 101.00 की औसत के साथ 202 रन बनाए जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उन्होंने इस दौरान 21 चौके और 5 छक्के भी जड़े और उनका बेस्ट स्कोर 121 रन रहा। रोहित को उनकी बेहतरीन बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया।

वनडे में पूरे किए 100 कैच

रोहित शर्मा ने कंगारू टीम को दो बल्लेबाजों का कैच लपका और वनडे क्रिकेट में उन्होंने अपने 100 कैच भी पूरे कर लिए। रोहित ने गांगुली की भी बराबरी कर ली, जिन्होंने वनडे में 100 कैच लिए थे साथ ही भारत की तरफ से 100 कैच लेने वाले 7वें फील्डर भी बन गए। भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है जिन्होंने अब तक कुल 164 कैच लिए हैं।

सचिन से आगे निकले कोहली

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50+ स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वनडे में 70वीं बार चेज करते हुए 50+ स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50+ स्कोर किए हैं।

जैक कैलिस को पीछे छोड़ा

कोहली ने भी मेजबान टीम के दो बल्लेबाजों के बेहतरीन कैच लपके और अब वो इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए। कोहली के नाम अब इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 339 कैच हो गए हैं जबकि कैलिस ने कुल 338 कैच लपके थे। इस लिस्ट में 440 कैच के साथ महेला जयवर्धने पहले स्थान पर हैं।

खबर संक्षेप

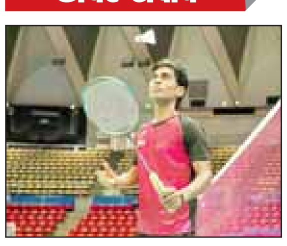

पैरा बैडमिंटन में भगत ने जीते दो स्वर्ण पदक

विक्टोरिया। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो स्वर्ण पदक जबकि सुकांत कदम ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता, जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलियाई पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 में अपना दबदबा बनाते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।भगत ने फाइनल में हमवतन मनोज सरकार को 21-15, 21-17 से हराकर पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने कदम के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की हमवतन भारतीय जोड़ी को 21-11, 19-21, 21-18 से हराया।

जेनेसिस चैंपियनशिप में कट से चूके शुभंकर

चिओनान (कोरिया)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा दूसरे दौर में तीन-अंडर 68 का कार्ड खेलने के कारण जेनेसिस चैंपियनशिप में कट हासिल करने से चूक गए। दूसरे दौर का स्कोर उनकी खराब शुरुआत की भरपाई के लिए काफी नहीं था, जिससे उन्होंने सत्र का अंत निराशाजनक तरीके से किया। शर्मा ने पहले दौर में छह-ओवर 77 का कार्ड बनाया था। उन्होंने दूसरे दौर में दो बोगी और पांच बर्डी लगाई लेकिन यह कट में दिलाने के लिए काफी नहीं था। मिकाएल लिंडबर्ग चार अंडर 67 के कार्ड से संयुक्त बढ़त बनाए हैं।

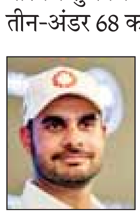

इंटरनेशनल सीरीज के तीसरे दौर में भुल्लर

मनीला। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर इंटरनेशनल सीरीज फिलीपींस के तीसरे दौर में 18वें होल पर बोगी करने के बावजूद खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। भुल्लर 67-69-67 के स्कोर के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं और उनका कुल स्कोर 13 अंडर है। वह सैम्पसन झेंग (62), मिगुएल तबुएना (65) और सरित सुवन्नारुत (69) से चार शॉट पीछे हैं। उन्होंने स्टा एलेना गोल्फ क्लब के पहले नौ होल में तीन बार बर्डी लगाई और फिर 13वें, 16वें और 17वें होल में तीन और बर्डी लगाकर दिन का स्कोर छह अंडर तक पहुंचा दिया लेकिन 18वें होल में एक बोगी ने उन्हें थोड़ा पीछे धकेल दिया। भारत के अन्य खिलाड़ियों में करणदीप कोचर (67) 19वें स्थान तथा अजीतेश संधू (72) 50वें स्थान पर हैं।

मेसी ने हासिल की गोल्डन बूट ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| फोर्ट लॉडरडेल

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में सर्वाधिक गोल करने के लिए गोल्डन बूट ट्रॉफी हासिल करने के बाद भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अर्जेंटीना के इस दिग्गज स्ट्राइकर ने दो गोल किए, जिससे उनकी टीम इंटर मियामी में नैशविले एससी पर 3-1 से जीत के साथ मेजर लीग सॉकर प्लेऑफ में अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। मेसी ने पहले हाफ में डाइविंग हेडर के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की और फिर 96वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इंटर मियामी ने मेसी का तीन साल का अनुबंध बढ़ाने की घोषणा की थी।

भारत नहीं आएंगे मेसी मैत्री मैच स्थगित

कोच्चि। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम और स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी अगले महीने केरल का दौरा नहीं करेंगे। इस दौरे के प्रायोजक ने यह घोषणा की। इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। ऑगस्टीन ने अब अपने फेसबुक पेज पर घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। ऑगस्टीन ने लिखा, 'फीफा की अनुमति मिलने में देरी को देखते हुए, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ चर्चा के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।' उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा इंग्लैंड

विशाखापत्तनम। इंग्लैंड की टीम पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी है लेकिन उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है और इसलिए वह न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले अपने अंतिम लीग मैच में इस विभाग की कमजोरी को दूर करने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड ने कुल मिलाकर टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन कुछ अवसरों पर उसकी बल्लेबाजी ध्वस्त हो गई थी, जो सेमीफाइनल से पहले टीम के लिए चिंता का विषय है। गुवाहाटी में विश्व कप के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार बार की विजेता टीम की 10 विकेट से जीत इस बात की पुष्टि थी कि अनुभवी नैट स्किवर ब्रंट के नेतृत्व वाली टीम गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देने के लिए तैयार है, लेकिन बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ मैच में संघर्ष ने टीम की कमियों को उजागर कर दिया। बांग्लादेश के खिलाफ उसकी टीम चार विकेट से जीत हासिल करने में सफल रही थी, लेकिन इनस्विंगर के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजों की कमजोरी को पाकिस्तान की तेज गेंदबाज फातिमा सना ने उजागर कर दिया था।

चीन में भारत के खिलाड़ियों का जलवा लक्ष्य राजेश सहित चार सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| चेंगदू (चीन)

लक्ष्य राजेश ने शीर्ष वरीयता प्राप्त ललिता सत्तयाथाडाकून को हराकर बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत के कुल चार खिलाड़ियों ने एकल वर्ग के अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

दिन का मुख्य आकर्षण लक्ष्य रही, जिन्होंने अंडर-17 बालिका एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त ललिता को 11-21, 21-16, 21-19 से हराया। भारत की एक अन्य खिलाड़ी छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा सुधाकर भी अंतिम चार में पहुंच गई है। उन्होंने इंडोनेशिया की रईस्या अफ्फातुनिसा को 21-17, 21-8 से हराया। लड़कों के एकल वर्ग में जगशेर सिंह खंगुरा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हांगकांग चीन के झान शिंग युई को सीधे गेम में 21-13, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत के जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश अपने चीनी प्रतिद्वंद्वियों के रिटायर होने के बाद अंडर-17 मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंच गए।

पैन पैसिफिक ओपन

पीठ दर्द के कारण टूर्नामेंट से हटीं एलेना रायबाकिना

एजेंसी ▶▶| टोकियो

कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने पीठ की समस्या के चलते सेमीफाइनल से पहले शनिवार को पैन पैसिफिक ओपन से हटने का फैसल किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जीत के एक दिन बाद पीठ की समस्या का हवाला दिया।

क्वार्टरफाइनल में उनकी जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए आखिरी बची जगह पक्की हो गई थी। 2022 विम्बलडन चैंपियन को टोकियो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा का सामना करना था। रायबाकिना ने एक बयान में कहा, 'मुझे बहुत दुख है कि मैं आज नहीं खेल सकती। मेरी पीठ में समस्या हो रही है। ' रायबाकिना ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 7-6 (4) से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए आठवां और आखिरी स्थान हासिल कर लिया। रायबाकिना ने अगले महीने सऊदी अरब में होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए मीरा एंड्रीवा को पीछे छोड़ते हुए आठवां स्थान हासिल किया था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स एक से आठ नवंबर तक खेला जाएगा, जिसमें रायबाकिना शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, इगा स्वियातेक, कोको गॉफ, अमांडा अनिसिमोवा, मैडिसन कीज, जेसिका पेगुला और जैस्मीन पाओलिनी के साथ शामिल होंगी।

इंटरनेशनल पोलो कप मैच...

नई दिल्ली। जयपुर पोलो ग्राउंड में इंटरनेशनल पोलो कप मैच के दौरान भारत और अर्जेंटीना के खिलाड़ी मुकाबला करते हुए।

सोनिया ने रचा इतिहास, डब्ल्यूएनबीए में बनीं पहली भारतीय मुख्य कोच

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल की सोनिया रमन ने सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनकर डब्ल्यूएनबीए (महिला नेशनल बास्केटबॉल लीग) में नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक एनबीए के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह डब्ल्यूएनबीए में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था। इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है, जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है। रमन का कोचिंग करियर एमआईटी से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं। उन्होंने इस स्कूल को दो बार डिवीजन तीन एनसीएए टूर्नामेंट में पहुंचाया और प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल कोच बनी।

भारत और बांग्लादेश में भिड़ंत आज दोपहर 3 बजे से

गलतियों से सीखकर नई शुरुआत करेगा भारत

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका भारत इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम लीग मैच में अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगा।

इंदौर में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले मुकाबले का विजेता अंक तालिका में शीर्ष पर रहेगा और 30 अक्टूबर को सेमीफाइनल में भारत से भिड़ेगा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भी भारत चौथे स्थान पर ही रहेगा। भारत बांग्लादेश पर जीत से अधिकतम आठ अंक तक पहुंच सकता है, लेकिन वह इंग्लैंड से पीछे रहेगा, जो नौ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और यदि वह रविवार को न्यूजीलैंड को हरा देता है तो उसके अंकों की संख्या 11 हो जाएगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ झोंकी पूरी ताकत

भारतीय टीम पर एक समय सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन उसने पिछले मैच में न्यूजीलैंड की चुनौती को विफल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी और वर्षा से प्रभावित मुकाबले में 53 रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। यह मुकाबला हालांकि उनकी पूरी तरह से परीक्षा नहीं ले पाया। भारत ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाया और स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल के शतकों की मदद से 49 ओवरों में तीन विकेट पर 340 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 76 रन की पारी खेलकर टीम को जरूरी गति प्रदान की।

बड़ी पारी खेलने के लिए उत्सुक होगी हरमनप्रीत

बारिश के कारण न्यूजीलैंड के सामने 44 ओवर में 325 रन बनाने का लक्ष्य रखा गया लेकिन उसकी टीम आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। रेणुका सिंह ठाकुर ने शुरू में दो विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। रविवार को भी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। ऐसे में भारत अगर पहले बल्लेबाजी करता है तो वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेगा तथा उसके बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अभी तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है और वह सेमीफाइनल से पहले बड़ी पारी खेलने के लिए उत्सुक होगी। अभी तक इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ हरमनप्रीत की 70 रन की पारी ही एकमात्र उल्लेखनीय पारी रही है।

नियुक्ति व वेतन संबंधी विवाद का मामला, कोर्ट ने लापरवाही पर बरती सख्ती

डायरेक्टर जनरल ऑफ आर्डिनेंस पर बीस हजार रुपये का जुर्माना

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक कर्मचारी की नियुक्ति और वेतनमान के विवाद में केंद्र सरकार की ओर से वकालतनामा दाखिल न होने पर नाराजगी जताई। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने सख्ती बरतते हुए कहा कि कई अवसर दिए जाने के बावजूद वकालतनामा पेश न होना घोर लापरवाही है। कोर्ट ने नया वकालतनामा दाखिल करने की मोहलत देते हुए डायरेक्टर जनरल आफ आर्डिनेंस पर बीस हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

यह मामला जबलपुर के अधारताल निवासी पी मनोहर अय्यर की ओर से दायर किया गया था। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) ने उनकी नियुक्ति और वेतनमान संबंधी दावा 19 जून, 2024 को निरस्त कर दिया था, जिसके विरुद्ध हाई कोर्ट की शरण ली गई। मामले में विगत दिनों हुई सुनवाई दौरान केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि वकील बदलने के कारण उन्हें नया वकालतनामा दाखिल करने समय दिया जाए। रिकार्ड का अवलोकन करने के बाद न्यायालय ने कहा केंद्र सरकार द्वारा वकालतनामा के नाम पर फरवरी माह से समय लिया जा रहा है। केंद्र सरकार के नए वकील की नियुक्ति मई माह में हुई थी। 14 फरवरी के बाद 29 सितंबर, 2025 को भी उन्हें समय दिया गया था। इतना समय बीत जाने के बाद भी केंद्र सरकार की ओर से देरी के लिए कोई ठोस कारण नहीं बताया जा रहा है। उक्त मत के साथ न्यायालय ने डायरेक्टर जनरल आफ आर्डिनेंस पर जुर्माना लगाते हुए उन्हें अतिरिक्त मोहलत प्रदान की।

बेसहारा मवेशियों के मामले में पेश रिपोर्ट से कोर्ट संतुष्ट नहीं

▶ नियमों के पालन में संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तलब, अगली सुनवाई 11 नवंबर को

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सड़कों में घूमने वाले बेसहारा मवेशियों के मामले में पेश की गई रिपोर्ट पर असंतुष्टि जाहिर की है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने नगर निगम की कार्रवाई को कटघरे में रखते हुए पूछा कि सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन प्रदेश के नगर निगमों द्वारा किस तरह किया जा रहा है? इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए।मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को निर्धारित की गई।

यह जनहित याचिका जबलपुर गोकलपुर निवासी बृजेन्द्र लक्ष्मी यादव सहित अन्य की ओर से दायर की गई है। कोर्ट ने पूर्व सुनवाई में जानना चाहा था कि प्रदेश के भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन सहित अन्य जिला मुख्यालयों की सड़कों पर घूमने वाले बेसहारा मवेशियों को लेकर क्या नीति है। यदि मवेशियों को जानबूझकर खुला छोड़ा जाता है तो क्या उसके मालिक पर जुर्माना लगाया जाएगा। मामले में आगे हुई सुनवाई दौरान सरकार की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर असंतुष्टि जाहिर कर कोर्ट ने ठोस जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को निर्धारित की है।

46 प्रांतों से प्रचारक भी जबलपुर पहुंचे संघ शताब्दी वर्ष पर मंथन शुरु

8 दिन शहर में रहेंगे संघ प्रमुख भागवत

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शनिवार सुबह जबलपुर पहुँचे। वे 25 अक्टूबर से 1 नवंबर तक लगातार 8 दिन यहाँ ठहरेंगे। संघ की अखिल भारतीय वार्षिक बैठक जबलपुर में आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर से शीर्ष स्तर के पदाधिकारी शामिल होंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि भागवत पहली बार जबलपुर में इतने लंबे समय तक रहकर बैठकों में हिस्सा लेंगे।

आरएसएस पदाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि संघ के 46 प्रांतों से लगभग 500 अधिकारी तीन दिवसीय बैठकों में भाग लेने पहुँचे हैं। इन बैठकों का मुख्य फोकस पंच परिवर्तन पर रहेगा, जिसे संघ 101वें वर्ष में प्रवेश के साथ ज़मीन पर उतारने की तैयारी कर रहा है। वहीं, जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी बैठक में एक दिन शामिल होंगे।

लगातार जारी रहेगा विमर्श

बैठकों का क्रम 28 अक्टूबर से शुरू होगा। पहले दिन अखिल भारतीय अधिकारी, क्षेत्र कार्यवाह और क्षेत्र प्रचारक चर्चा करेंगे। 29 अक्टूबर को प्रांत स्तर के पदाधिकारियों की बैठक होगी। इसके बाद 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की प्रमुख बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, छह सह सरकार्यवाह सहित विभिन्न क्षेत्रों और प्रांतों के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक और समविचारी संगठनों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

क्या है पंच परिवर्तन

संघ द्वारा प्रस्तावित पंच परिवर्तन समाज को मज़बूत बनाने के पाँच स्तंभों पर आधारित है. पहला स्तंभ स्व-बोध यानी स्वदेशी और अपनी जड़ों की पहचान को बढ़ावा, दूसरे स्तंभ नागरिक कर्तव्य के प्रति जागरूकता, तीसरा पर्यावरण की रक्षा और संतुलन, चौथा सामाजिक समरसता के माध्यम से एकता, और पांचवा स्तंभ कुटुम्ब प्रबोधन, जिसके तहत परिवार को संस्कार और संवाद का केंद्र मानकर मज़बूत करने की बात कही गई है। संघ का मानना है कि इन पाँच क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव से देश की सामाजिक और सांस्कृतिक नींव और सुदृढ़ होगी।

छठ पूजा पर रेलवे स्टेशनों पर गूंजे भक्ति गीत

जबलपुर। छठ पूजा के पावन अवसर पर भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों को त्योहार की भावना से जोड़ने के उद्देश्य से रेलवे स्टेशनों पर छठ गीतों का प्रसारण शुरू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को उनके सफर के दौरान भक्ति, उत्सव और सांस्कृतिक अनुभूति प्रदान करना है। जबलपुर रेल मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों — जबलपुर, मदन महल, नरसिंहपुर, पिपरिया, कटनी, सतना, मैहर, सागर, दमोह, ब्योहारी, वरगवां एवं रीवा — पर यह छठ गीत गूंज रहे हैं, जिससे यात्रियों को अपने घर और संस्कृति की सुगंध का अनुभव हो रहा है। इन भक्ति गीतों ने रेलवे स्टेशनों पर एक पवित्र और उल्लासपूर्ण वातावरण का निर्माण किया है।

जबलपुर-सिवनी जिले की मिसाल बनी कार्यसेवा

आदिवासियों ने खुद बनाई तीन किलोमीटर की सड़क

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्य प्रदेश सरकार भले ही आदिवासियों के विकास के लिए कई योजनाएं चला रही हो, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ कई जगह तक नहीं पहुँच पा रहा है। इसका ताज़ा उदाहरण सामने आया है जबलपुर जनपद की ग्राम पंचायत हुलकी में, जहाँ जबलपुर और सिवनी जिले के आदिवासियों ने स्वयं की मेहनत से 3 किलोमीटर लंबी सड़क बना डाली।

सरकार से नहीं मिली राहत, तो खुद उठाया फावड़ा

कई वर्षों से ग्रामीण इस सड़क की मांग कर रहे थे। बताया गया कि जबलपुर के ग्राम छपरा से लेकर सिवनी जिले के देहका तक की 3 किलोमीटर की सड़क कच्ची और जर्जर स्थिति में थी। इस कारण ग्रामीणों को अपने ही पड़ोसी गांवों तक पहुँचने के लिए 40 किलोमीटर से अधिक का चक्कर लगाना पड़ता था। स्थानीय सरपंचों, जनपद सदस्यों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से बार-बार शिकायत और आवेदन देने के बावजूद जब कोई कार्यवाही नहीं हुई, तो दोनों जिलों के सैकड़ों आदिवासी पुरुषों और महिलाओं ने मिलकर अपने हाथों से सड़क बनाने का निर्णय लिया। आदिवासियों ने भूमिपूजन कर सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया। पहाड़ी इलाकों में बड़े-बड़े पत्थरों को हाथों से हटाकर आदिवासी परिवारों ने 3 किलोमीटर लंबी सड़क को तैयार कर दिया।

इन गांवों को मिलेगी राहत

इस नई सड़क से जबलपुर जिले के छपरा, बरेली पठार, सिलुवा, रमनपुर, बबैहा, देवद्वार, सालीवाडा नकाटिया के ग्रामीणों को राहत मिलेगी। वहीं सिवनी जिले के देहका, चुविया, कुण्डा, सिल्पनी, रायचौर, बजरोला, गुलजार, जुगर, समनापुर, महुआ, परतापुर, पंडाटोला सहित करीब 35 गांवों के आदिवासियों को अब 40 किलोमीटर लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा।

अब पक्की सड़क की मांग

अब आदिवासी समुदाय ने प्रधानमंत्री ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत इस सड़क को पक्की सड़क के रूप में स्वीकृत कराने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि यदि यह मार्ग पक्का बन जाए, गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की राहें खुल जाएंगी।

निर्माण कार्य में रहे मौजूद

सड़क निर्माण के दौरान जबलपुर के छपरा और सिवनी जिले के देहका के शिवप्रसाद मरकाम (सभापति जनपंचायत जबलपुर), शंकर लाल भवेदी (सरपंच ग्राम पंचायत हुलकी), रामजी सैयाम (उपसरपंच हुलकी), कलोराम पन्द्रे (सरपंच सिल्पनी सिवनी), कैलाश सैयाम (आमदरबार गौड़ समाज सुधार अध्यक्ष), कमला पटेल (पूर्व सरपंच चौरई), शीलचंद (उपसरपंच सिल्पनी) सहित करीब 200 से अधिक आदिवासी महिला और पुरुष मौजूद रहे।

वारदातें : लार्डगंज और विजयनगर क्षेत्र में लाखों के जेवर पार

मकान मालिक और किराएदार के कमरे में चोरी

जबलपुर। लार्डगंज और विजयनगर थाना क्षेत्र में दो सूने मकानों का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर सहित नगदी चोरी कर ले गए। लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार केयर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टर कछपुरा निवासी 34 वर्षीय दीपक बघेल की पत्नी ने गत 14 अक्टूबर को अपने जेवर देखे और जेवरों को अलमारी में सुरक्षित रख दिया था। दीवाली के दूसरे दिन अलमारी के लॉकर में रखे जेवर देखे तो उनके होश उड़ गए। अलमारी में रखे सोने का 1 मंगलसूत्र, 1 लम्बा मंगलसूत्र, 5 अंगूठी, 1 चैन, 1 बेंदी, चांदी के जेवर 3 जोड़ी पायल, तीन जोड़ी कड़ा, 1 हाय चंद्रमा अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। इसी तरह विजयनगर में सनातन चौक के पास चंदन प्रजापति के मकान में किराए से रहने वाले 35 वर्षीय प्रवीण दोगने गत 18 अक्टूबर को दीपावली मनाने के लिए अपने गांव चला गया था तथा मकान मालिक चंदन प्रजापति 21 अक्टूबर को अपने परिवार के साथ सत्संग में गुजरात गए थे। 24 अक्टूबर को प्रवीण अपने गांव से वापस आया और देखा कि मकान के निचले वाले हिस्सा और ऊपर वाला हिस्सा जिसमें वह रहता है उसका भी ताला टूटा था। उसने अपने मकान मालिक चंदन को सूचना दी। चंदन ने अपने बड़े भाई नेत्रपाल प्रजापति को फोन किया, सूचना पाकर नेत्रपाल मौके पर पहुंचे। अज्ञात चोर ने मकान मालिक चंदन प्रजापति के घर से आवश्यक दस्तावेज , नगदी रूपये, सोने चांदी के जेवर, शादी के व्यवहार में मिला पैसा चोरी कर ले गया है तथा किराए दार प्रवीण दोगने के घर से सोने की 2 अंगूठी, 2 जोड़ी टाप्स, चांदी के 2 जोड़ी कड़े , 5 जोड़ी पायल, नगदी रुपए अज्ञात चोर चोरी कर ले गये है।

जुआ, सट्टा, अवैध शराब कारोबारियों की धरपकड़

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ साथ चोरी, नकबजनी एवं मारपीट करने वाले आरोपियों को भी गिरफ्तार कर उनके पास से देशी, अंग्रेजी, कच्ची शराब और तीन चाकू जब्त किए है। कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में वाद विवाद करने वाले 72 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 23 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार फरार 44 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 15 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 25 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 93 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 4 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 1 तलवार, 3 चाकू जप्त किये गये।

सफलता — जीआरपी जबलपुर की बड़ी सफलता, लूट का माल व हथियार बरामद

रेल यात्रियों से लूट करने वाले बदमाश 24 घंटे में गिरफ्तार

जबलपुर। रेलवे यात्रियों से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को जीआरपी जबलपुर ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए मोबाइल, पर्स और वारदात में प्रयुक्त चाकू व कटर भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक (रेल) सिमाला प्रसाद के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (रेल) भावना मरावी एवं पुलिस उप अधीक्षक (रेल) अंकिता सुल्या के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

घटना 23-24 अक्टूबर 2025 की दरमियानी रात की है, जब जबलपुर रेलवे स्टेशन के आउटर कटनी छोर अंधेरी पुलिया के ऊपर सिकंदराबाद जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्री नमित कुमार प्रजापति और उसके चचेरे भाई राजेश कुमार प्रजापति के साथ दो अज्ञात बदमाशों ने लूटपाट की। लूट के दौरान बदमाशों ने नमित कुमार पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल को इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल जबलपुर में भर्ती कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी अभय उर्फ दस्सू चौधरी (19 वर्ष) निवासी छोटा पाटबाबा चौधरी मोहल्ला, थाना घमापुर तथा उसके साथी सचिन नायर (16 वर्ष) निवासी भानतलैया, थाना हनुमानताल को पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने यात्रियों का पर्स और मोबाइल छीनने के बाद फरियादी पर चाकू से हमला किया था।पुलिस ने उनके पास से मोबाइल (कीमत ₹11,500), चाकू, और कटर बरामद किया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। जांच में पता चला है कि दोनों आरोपी पूर्व में भी जीआरपी व अन्य थानों के अपराधों में संलिप्त रहे हैं।

इस सफलता में थाना जीआरपी जबलपुर की SHO संजीवनी राजपूत के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा, अरुण तिवारी, सतेन्द्र सिंह, हरस्वरूप शर्मा, आरक्षक रविकांत, परशुराम, गोपाल, उमेश एवं आरपीएफ पोस्ट जबलपुर के आर. चन्द्रेश्वर सिंह और हरेन्द्र सिंह की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक (रेल) ने उत्कृष्ट कार्य हेतु समस्त टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240